

रजि० सं० डी-(डी)-73



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 22, 1976 (ज्येष्ठ 1, 1898)
No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 22, 1976 (JYAISTHA 1, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० पी०-1763-प्रशासन-II—निर्माण, आवास और नगर विकास मंत्रालय में के० सं० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर जो इस समय संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, की सेवाएं 1 अप्रैल, 1976 के पूर्वान्त से निर्माण, आवास तथा नगर विकास मंत्रालय को पुनः सौंपी जाती हैं।

पी० एन० मुखर्जी,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष,

संघ लोक सेवा आयोग

उपनियंत्रक अधिकारियों के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं शर्तों के साथ 31-5-1976 तक अथवा इसके पहले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाये तब तक आगे बढ़ाई जाती है।

1. श्री एफ० एच० कोल्हापुरवाल।

2. श्री व्ही० वाई० देशपांडे।

वि० ज० जोशी,
महा प्रबंधक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिपूर्ति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 12 अप्रैल 1976

सं० 69/ए०—दिनांक 7-1-1976 की अधिसूचना
सं० 1508/ए० के क्रम में निम्नांकित अधिकारियों को

76GI/76

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० स्थापना 1/अ० 4/75-76/817—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारियों के पद में, वे उन पद का

कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री

1. के० जी० नारायण स्वामी,
2. डी० एस० कृष्णमूर्ति,
3. जे० हेक्टर श्रीनिवासगम।

ई० वी० चंद्रशेखरन,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 13 अप्रैल 1976

प० सं० सिब्बन्दी/प्र०/VII/ 9-86/ Vol. II—
केरल के महालेखाकार ने, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को (लेखा परीक्षा तथा लेखा) प्रत्येक के आगे दी गयी तारीख से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्त किये हैं :—

1. श्री एस० बैकिटरल्लम—31-3-76 पूर्वाह्न।
2. श्री के० गोपाल पिल्लै—31-3-1976 पूर्वाह्न।
3. श्री टी० जे० जेवियर—31-3-1976 पूर्वाह्न।
4. श्री के० के० कुट्टप्प कुरूप—31-3-1976 पूर्वाह्न।

प० सं० सिब्बन्दी/प्र०/VII/9-86/Vol. II/3—
केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पि० सी० कुंजकुंजु तथा एन० विश्वनाथन जो फिलहाल कोह्यम के रब्वर बोर्ड और यू० पी० एस० सी०, नई दिल्ली में क्रमशः उपनियुक्ति पर हैं, “ठीक नीचे के नियम” के अधीन 31 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किये हैं।

कृ० गणेशन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० —महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के विरुद्ध अंकित दिनांक या अगला आदेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है।

सर्वश्री

1. सीतल चन्द्र विश्वास—13-4-1976 पूर्वाह्न।
2. अस्मिनी कुमार राय—13-4-1976 पूर्वाह्न।
3. वासुदेव चक्रवर्ती—13-4-1976 अपराह्न।
4. अखिल चन्द्र मैत्र—13-4-1976 अपराह्न।

श्री वासुदेव चक्रवर्ती, अपने वर्तमान पद की मुक्ति होने पर लेखा अधिकारी के वर्तमान रिक्त पद की पूर्ति के कार्यभार लेने की सूचना महालेखाकार (केन्द्रीय) के कार्यालय में उप महालेखाकार केन्द्रीय (प्र०) को दें।

आन्तरिक अनुभाग वरिष्ठता का उल्लेख समायानुकूल होगा।

घनश्याम दास,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० 11186/प्रशा०-II—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एफ० वी० जोर्ज द्वारा दिया गया त्याग पत्र दिनांक 25-3-1976 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत कर लिया गया है। तदनुसार उन्हें रक्षा लेखा विभाग की नफरी से उसी तारीख से निकाल दिया गया है।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1976

(स्थापना)

सं० 5/8/70-प्रशा० (राज०)—मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात एतद्द्वारा श्री जे० पी० शर्मा, नियंत्रक, आयात-निर्यात (द्वितीय श्रेणी) को आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन, वाणिज्य मंत्रालय में दिनांक 1-12-1967 से श्री एम० एल० भाटिया के सेवा निवृत्त हो जाने पर उनके स्थान पर स्थायी करते हैं।

ए० टी० मुखर्जी,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० प्र-1/1(1045)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री राम किशन को दिनांक 25 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आवेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम किशन की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० गो० 5068/594—निम्नलिखित तकनीकी सहायकों, मानचित्र चित्रोत्पादन (सलेक्शन ग्रेड) को सं० 101 (हा० लि० का०) मुद्रण वर्ग, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र चित्रोत्पादन (सा० कें० सेवा वर्ग 'बी') के पदों पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में 30 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

1. श्री आर० एन० बोस।

2. श्री ई० जे० हेरिंग।

के० एल० खोसला
कर्नल
महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1976

सं० 10/6/69-एस-तीन—श्री डी० आर० वर्मा, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, शिमला वार्धक्य आयु प्राप्त होने पर 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

शुद्धि-पत्र

सं० 10/52/73-एस-तीन—इस महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 10/52/73-एस-तीन, दिनांक 17-7-74 का आंशिक आशोधन करते हुए, महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जय प्रकाश गुप्ता, सहायक इंजीनियरी, आकाशवाणी का 15 जुलाई, 1974 (पूर्वाह्न) से पदत्याग स्वीकार करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय फिल्म समारोह

सं० 1/69/75-एफ० एफ० डी०—राष्ट्रीय फिल्म समारोह के संबंध में 1975 के कैलेंडर वर्ष के दौरान सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणीकृत फिल्मों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित करने के लिए जो सार्वजनिक सूचना भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के फिल्म समारोह निदेशालय की अधिसूचना सं० 1/69/75-एफ० एफ० डी० 1, दिनांक 15 मार्च, 1976 में जारी की गई थी उसमें आंशिक संशोधन करते हुए, सर्व साधारण की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत फिल्मों की प्रविष्टियां प्राप्त होने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल, 1976 से बढ़ाकर 30 अप्रैल, 1976 कर दी गई है।

ए० के० वर्मा
निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० ए० 12026/5/76-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, से अपने तबावले के परिणाम-स्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) एन० ए० नाथ ने 17 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 अप्रैल 1976

सं० ए० 39012/3/76-सी० एच० एस० 2—अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० नरसिमंदमूर्ती ने 20 मार्च, 1976 के अपराह्न को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सं० 1-7/75-एडमिन्-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० जी० मेनन को 25 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० 4(6) 107/76 प्र० III—संव लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री पी० जे० चिमलवार को कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय, अमृतसर में दिनांक 17 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी वर्ग-1 नियुक्त किया गया है।

श्री० पी० चावला

निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कामिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 25 फरवरी 1976

सं० पी० ए०/79(19)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक श्री महादेव पांडुरंग नायक और जो इस समय टाटा मेमोरियल सेंटर की विदेश सेवा में है, को "द्वितीय नीचे नियम" के अंतर्गत स्थानापन्न रूप से 12 नवंबर, 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकुण्णन

उप स्थापना अधिकारी (भ०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० डी पी एस/ए/11013/65/75/स्थापना/3971—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय की दिनांक 11 नवम्बर, 1975 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, स्थायी एस० आर० ए० एस० तथा भारतीय लेखा परीक्षा विभाग की वरिष्ठ लेखा परीक्षक श्रीमती बी० शकुन्तला को, जो इस निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय यूनिट में अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, उसी निदेशालय में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 12 मई, 1976 के अपराह्न तक अथवा किसी व्यक्ति की नियुक्ति भियमित रूप से होने तक, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ

प्रशासन-अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

तारापुर, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/ए० डी० एम०/947—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री सी० आर० वालिया को 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अथवा किसी व्यक्ति की नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, तारापुर परमाणु बिजलीघर में पूर्णतः तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी (II) नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन

मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 अप्रैल 1976

सं० ई० (1) 04321—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० एस० बी० राजगोपालन को 1-4-1976 के पूर्वाह्न से 28-6-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04281—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० बी० पुण्डले को 17-3-1976 के पूर्वाह्न से 13-6-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० बी० पुण्डले, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री टी० एम० सांबामूर्ति को 17-3-1976 के पूर्वाह्न से 13-6-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री टी० एम० सांबामूर्ति, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई में ही तैनात रहेंगे।

जी० आर० गुप्ता,

मौसम विशेषज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, सिहोरा के श्री आर० के० भादुड़ी, तकनीकी सहायक को 16-2-1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, बैरागढ़ (भोपाल) में तैनात किया है।

दिनांक 19 अप्रैल 1976

सं० ए० 38012/1/75-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो सहायक संचार निदेशक उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से निवृत्ति आयु के हो जाने के कारण सेवा निवृत्त हो गए हैं :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री एस० पी० चारी	31-3-75	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली।
2. श्री सी० एन० राघवन नायर	31-8-75	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली।

(श्री एस० पी० चारी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के संबंध में जारी की गई इस विभाग की 16-4-1975 की अधिसूचना सं० ए० 38012/1/75-ई० सी० रद्द की जाती है)।

हरबंस लाल कोहली
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1976

सं० ए० 24012/17/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री ए० एस० मलिक, तकनीकी अधिकारी (विमान सुरक्षा) को मूल नियम 56 (के०) के अधीन 13 जून, 1972 से सेवा निवृत्त कर दिया है। उनकी 4-7-71 से 13-6-72 तक की अप्राधिकृत छुट्टी की अवधि को छूट अवधि माना गया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालया

पटना, दिनांक 2 अप्रैल 1976

सं० मि० सं० 11(7)5-स्था०/75/स्थापना आदेश सं० 394/75 दि० 20-10-1975 जो मि० सं० 11(3) 43-स्था०/73/एल०/60076-III दि० 20-10-1975 द्वारा

पुष्टांकित किया गया तथा जिसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद के तीन निरीक्षकों (व० श्रे०) को 650-30-740-35-810-इ० बी०-35-880-40-1000-इ० बी०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के बेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में निम्नलिखित व्यक्तियों ने तद्दस्थानों में उनके नामों के समक्ष दिखायी गई तिथियों और समय पर अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद द्वितीय श्रेणी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया :—

क्र० सं०	नाम	पदास्थापना के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री रामानन्द प्रसाद	अधीक्षक, के० उ० मुख्यालय पटना	30-1-76 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० सी० श्रीवास्तव	अधीक्षक, के० उ०	24-10-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री आर० एस० बी० सिन्हा	अधीक्षक (निवारण) के० उ० पूर्णिया	6-12-75 (पूर्वाह्न)

ह० अपठनीय समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

ह० अपठनीय
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

त्यागी इंडस्ट्रीस लिमिटेड (इ० लीकुडिशन) के विषय में।

कोयम्बतूर, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० 3604/लीक्यू०/एस० 560/76—यतः त्यागी इंडस्ट्रीस लिमिटेड (इन लीकुडिशन) 12/192 बी, भोहर रोड, भाबानी कोयम्बतूर (इन लीकुडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरोतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमवत्ता मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर त्यागी इंडस्ट्रीस लिमिटेड (इन लीकुडिशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सं० 143/लिख/सं० 560(5)/76—कम्पनी अधिनियम 1956 और दि आर्कीट सिटिजन भांक लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 17 अप्रैल 1976

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि आर्कीट सिटिजन भांक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बैलारी डिस्ट्रिक्ट मार्इन ओनर्स एसोसिएशन लिमिटेड के विषय में।

बैंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल 1976

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बैलारी डिस्ट्रिक्ट मार्इन ओनर्स एसोसिएशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उभय ज्योति प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बैंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल 1976

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर उभय ज्योति प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर कैमिकल्स एण्ड सोप वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर कैमिकल्स एण्ड सोप वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर फैनी एण्ड डिस्ट्री-लरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर फैनी एण्ड डिस्ट्रीलरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी० इस्टर्न जालावाड मोटर ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० 560/648—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स दी० इस्टर्न जालावाड मोटर ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा
प्रमडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/76—श्री एम० एम० प्रसाद, अधीक्षक आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में स्थानापन्न रूप से 31-3-1976 तक कार्य करते रहने की अनुमति दी गयी थी, देखिये, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/75-पी० II दिनांक दिसम्बर 4, 1975 को उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में स्थानापन्न रूप से 1-4-1976 से 30-9-1976 तक अर्थात् और छह महीने के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

हरनाम शंकर
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1160/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एच-2 का 1/2 का 1/4 हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृपा राम, सुपुत्र श्री ईश्वर दास, निवासी सी-14, माडल टाउन, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का 1/2 अविभाजित भाग का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 249.31 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 1994.83 वर्ग गज) है, और नं० 4, ब्लॉक नं० एच-2 है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	रोड़
पश्चिम	:	प्लॉट नं० एच-2/3
उत्तर	:	प्लॉट नं० एच-3/11
दक्षिण	:	रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/11/1163/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-35 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दुर्गेण खन्ना, पत्नी श्री पी० आर० खन्ना, निवासी 22/82, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी डी-27, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, और नं० 35, ब्लॉक नं० 'सी' है, बाली नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	सर्विस लेन
पश्चिम	:	रोड़
उत्तर	:	प्लॉट नं० सी-34
दक्षिण	:	प्लॉट नं० सी-36

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 6 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(1) श्रीमती राम रखी, पत्नी श्री मेला राम, निवासी 11/जे-1, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्पु/11/1164/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 31 है तथा जो गोखले मार्किट, तीस हजारी कोर्ट के सामने, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—76GI/76

(2) श्री प्रसोद गुरी, सुपुत्र श्री आर० सी० गुरी, द्वारा निवासी सी-54, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सरकारी बनी दुकान जिसका नं० 31 है, गोखले मार्किट, तीस हजारी कोर्ट के सामने, भूमि के उन सभी लीजहोल्ड अधिकारों सहित दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	:	पार्क
पश्चिम	:	सरकारी बनी दुकान
उत्तर	:	सरकारी बनी दुकान
दक्षिण	:	सरकारी बनी दुकान

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1दिनांक : 8 अप्रैल, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/1165/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 3775 तथा 3777 (नया) इलाका नं० 7, फौज बाजार, नेताजी सुभाष रोड़, दरिया गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिमला रानी सेठ, पत्नी श्री पूरन चन्द सेठ, निवासी 8, (अण्डर) हिल रोड़, सीविल लाइन्स, दिल्ली 1

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती संतोष रानी, पत्नी श्री चन्द्र हर्ष शरनेजा, निवासी 1351, ईस्ट रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32,

(2) श्रीमती निर्मला कौशिक, पत्नी श्री श्रीम प्रकाश कौशिक, निवासी 1088, कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 280 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका पुराना नं० 4935 तथा 4937 तथा नया नं० 3775 तथा 3777 है, इलाका नं० 9 है, फौज बाजार, नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व	:	फुटपाथ तथा नेताजी सुभाष मार्ग
पश्चिम	:	गली
उत्तर	:	अन्य की जायदाद
दक्षिण	:	दीवार तथा अन्य की जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 8 अप्रैल 1976

मोहुर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 22 मार्च 1976

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एफ्यु०-III/एस० आर-II/अवतूबर 1046 (2)/75-76/— अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जायदाद नं० 12-रोड़ नं० 32-ए का 1/2 भाग है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 अक्टूबर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किरोरी राम, निवासी एम-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) राम गोपाल जैन, सुपुत्र श्री चन्द्र भानु जन, निवासी 4696/2, कृष्णा कूटी, 21-ए, दरिया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अविभाजित भाग जिसका नं० 12, रोड़ नं० 32-ए है, और क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज है, तथा जोकि पंजाबी बाग कालोनी, रोहतक रोड़, दिल्ली में है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व	:	सर्विस लेन
पश्चिम	:	रोड़ नं० 32-ए
उत्तर	:	प्लॉट नं० 10 पर बिल्डिंग
दक्षिण	:	प्लॉट नं० 14 पर बिल्डिंग

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू/III/एस/आर-II/अक्टूबर/
1047(4)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद नं० 12, रोड़ नं० 32-ए का 1/2 अवि-
भाजित भाग है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किरोरी राम, निवासी
एम-40, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल जैन, सुपुत्र श्री चन्द्र भान जैन, निवासी
4696/2, कृष्णा कुटी, 21-ए, दरियागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्र-
फल 279.55 वर्ग गज है, और नं० 12, रोड़ नं० 32-ए है, पंजाबी
बाग कालौनी, रोहतक रोड़, दिल्ली में है। यह मकान निम्न
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	:	सर्विस लेन
पश्चिम	:	रोड़ नं० 32-ए
उत्तर	:	प्लॉट नं० 10 पर बिल्डिंग
दक्षिण	:	प्लॉट नं० 14 पर बिल्डिंग

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस आर-III/सितम्बर
428(24)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद नं० 6557ए से 6560 का 1/2 भाग,
प्लॉट नं० 183, ब्लॉक नं० 9-बी, देव नगर, है तथा जो करोल बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री धानी राम, सुपुत्र श्री गैएनदा राम, निवासी 16/
6557, ब्लॉक नं० 9-बी, देव नगर, करोल बाग,
नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) प्रेम प्रकाश चांदना, सुपुत्र डा० भवानी दास चांदना,
निवासी 16/5752, ब्लॉक नं० 5, देव नगर, नई
दिल्ली । (अन्तरिती)
- (3) सुआ लाल (2) डा० बलदेव दास (3) गुरदियाल
सिंह (4) अब्दुल सालम (5) रतेश मोहन (6)
श्रीम प्रकाश (7) गुरदियाल (8) म० खोप जैनी,
सभी निवासी मकान नं० 6557ए से 6560, ब्लॉक
नं० 9-बी, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 6557ए से 6560 का 1/2 अविभाजित भाग
जिसका ब्लॉक नं० 9-बी है, लोजहोल्ड प्लॉट पर जिसका नं०
183 है, खसरा नं० 421/152 है, बाग रामजी, देव नगर, करोल
बाग, नई दिल्ली में 80 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर है, जिसकी
सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व :	रोड़
पश्चिम :	प्लॉट नं० 182
उत्तर :	गली
दक्षिण :	गली

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 8 मार्च, 1976
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस आर-III/सितम्बर/432(29)/75-76---अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद नं० 6557ए से 6560 1/2 भाग, प्लॉट नं० 183, ब्लाक नं० 9-बी, देव नगर, करौल बाग नई दिल्ली में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री घानी राम, सुपुत्र श्री गैएनदा राम, निवासी 16/6557, ब्लाक नं० 9-बी, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश चांदना, सुपुत्र डा० भवानी दास चांद, निवासी 16/5752, ब्लाक नं० 5, देव नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

(3) श्री सूआ लाल (2) डा० बलदेव दास (3) गुरदियाल सिंह (4) अब्दुल सालम (5) रतेश मोहन (6) ग्रौम प्रकाश (7) गुरदियाल (8) मै० चीप जैनी, सभी निवासी मकान नं० 6557 ए से 6560, ब्लाक नं० 9-बी, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 6557ए से 6560 का 1/2 अविभाजित भाग जिसका ब्लाक नं० 9-बी है, लीजहोल्ड प्लॉट पर जिसका नं० 183 है, खसरा नं० 421/152 है, बाग राम्रोजी, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली में 80 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर है, जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व :	रोड़
पश्चिम :	प्लॉट नं० 182
उत्तर :	गली
दक्षिण :	गली

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 8 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-J, 1003 (351)/एच/75-76—अतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 721, सब प्लॉट नं० 3+4/1, टी० पी० एस० नं० 3, है जो, छदावाड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुकेश चन्द्र शांतीलाल शाह, नगरशेठ नी बांडी, पुराने सिविल अस्पताल के पास, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री विशाल को० ओप० हार्डिंग सोसायटी लि० की ओर से,
श्री शशिकांत हिम्मतलाल, णकुंला सोसायटी, उस्मान पुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीनवाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 442 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 721, सब प्लॉट नं० 3+4/1, टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो छदावाड़, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू 23-I-1004 (352)/एच/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हूँ, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269-ए, एस० पी० नं० 6-ए, टी० पी० एस० 14 है, जो दरियापुर, काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भरत कुमार, चीनुभाई वेंकर, मधुवन, इकनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) दीपजमीनी को० ओप० हाउसिंग सो० शाह कोलोनी, शाहपुर, दरवाज के बाहर, अहमदाबाद की ओर से

(1) श्री शाह जितेन्द्र छोटा लाल

(2) श्री सूर्यकान्त पी० ठाकर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269-ए, एस० पी० नं० 6-ए, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरियापुर, काजीपुर, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22 अप्रैल, 1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 28 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० सं० एमू 334 जे० नं० 108/डब्ल्यू० जी०/
75-76— यतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० डोर नं० 547/7 है, जो परगडवरम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीनतलपुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 अगस्त 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-76 GI/76

(1) सर्व श्री 1. कलकोर, सत्यनारायण
2. गोरगूलर सुरयरन्तम, प्रगडवरम
(अन्तरक)

(2) श्री बिता गोपालकृष्ण रेड्डि, तेलप्रासु ग्राम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चीनतलपुडी रजिस्ट्री अधिकारी से 15 अगस्त 1975
पाक्षिक अंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1469/75 में निगमित
अनुसूची संपत्ति

बी० बी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज काकिनाडा

दिनांक 28 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 मई 1976

निदेश नं० 871/अर्जन/बागपत/75-76-/902--अतः

मुझे विजय भागवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री देवी प्रसाद केजरीवाल 177/79, कालबादेवी रोड, बम्बई (2) भगवती प्रसाद गोयनका, (3) बेनी प्रसाद गोयनका दोनों निवासी 307/9 कालबा देवी रोड, बम्बई और मदन लाल केजरीवाल, केदार भवन, बम्बई-2

(अन्तरक)

(.) मेसर्स उजागरमल पद्म प्रसाद, बारोत द्वारा मैनेजिंग पार्टनर श्री पद्म प्रसाद पुत्र उजागर मल, नया बाजार बारोत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका विवरण कार्ड 37-जी नं० 3620 के साथ दिया गया है और जो देहली सहारनपुर रोड, बारोत तहसील बागपत में स्थित है, 1,12,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भागवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 5 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1976

निदेश सं० 899/अर्जन/गाजियाबाद/75-76/403— अतः
मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
26 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वसुधा लैण्ड एण्ड फाइनेन्स कं० 17-ए०
लालबाग, लोनी, द्वारा श्री अमरनाथ बजाज पुत्र
लाला किशन चन्द, पार्टनर

(अन्तरक)

(2) श्री रोकवैल्ड इलेक्ट्रोड्स इण्डिया लिमि०, 29 इण्ड-
स्ट्रियल स्टेट, अम्बाटूर मद्रास-58

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम लोनी पर० लोनी तह० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित
4992 वर्गगज भूमि जिसका खसरा नं० 1477/11 है इसका
हस्तान्तरण, सं० 32,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 मई 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1976

निदेश नं० 900/अर्जन/गाजियाबाद/75-76/404—अतः

मुझे, विजय भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
26-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन याय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरनाथ बजाज पुत्र लाला किशनचन्द बजाज
पार्टनर मैसर्स बसुधा लैण्ड एण्ड फाइनैन्स कं० 17/ए०
लालबाग लोनी, तह० गाजियाबाद, जि० मेरठ
(अन्तरक)

(2) श्री रोकवैला इल्कट्रोड्स इण्डिया लिमि० 29 इण्ड-
स्ट्रियल स्टेट, अम्बाटूर, मद्रास-58
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम लोनी परगना लोनी तह० गाजियाबाद जि० मेरठ में
स्थित 5997 वर्गगज भूमि जिसका खसरा नं० 1477/8 और
1477/10 है इसका हस्तान्तरण रु० 39,000/- में किया गया
है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मई 1976

निदेश नं० 901/अर्जन/गा०बाद/76-77/405—अतः
मुझे, विजय भागव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
26-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स बसुधा लैन्ड एण्ड काइनेन्स क० द्वारा श्री लाल
चन्द शर्मा पुत्र बूरा राम पार्टनर निवासी 14/15
शंकर टैरेस फाउन्टेन गांधी चौक, देहली ।
(अन्तरक)

(2) मै० रोक वेल्ड एलबट्रोडस इन्डिया लि० 29, इन्डस्ट्रियल
स्टेट, अम्बाटूर मद्रास-58
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो ग्राम ब पर० लौनी तह० गाजियाबाद
जिला मेरठ में स्थित भूमि की नाप 2670 वर्ग गज जिसका प्लॉट
नं० 77, 80, 81 व 82 तथा खसरा नं० 1477/2 है जिसका
हस्तान्तरण 26,640/- रुपये में हुआ है ।

विजय भागव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 मई 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61, रंडवना, कर्वे रोड, पुना

पुना-411004, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/हातकणंगले/सप्टेंबर 75/277/76-77
—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० आर० एस० नं० 557/1-एफ, सी० एस०
7422-ए है तथा जो इचलकरंजी में स्थित है (और इस उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय हातकणंगले में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 19 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री प्रभाकर पांडुरंग जोशी
2. श्री नारायण शिवू शेटी
3. श्री बंडु बापाभा बरगले
4. श्री विठ्ठल गोपाल काटकर सभी रहनेवाले द्वारा
बौबे लोज इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर
(अन्तरक)

- (2) सिंधी पंचायत धर्मशाला, मारुती मंदिर नजदीक,
कोल्हापुर रोड, इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर प्रेसिडेंट—
श्री भिजलाल जमियतराव हिराणी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी आर० एस० नं० 557/1, सी० एस० नं० 7422-ए,
क्षेत्रफल 530.9 वर्ग मीटर्स, इचलकरंजी, इचलकरंजी
म्युनिसिपल कक्षामे, जि० कोल्हापुर,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1824 दि० 19-9-75
को सब रजिस्ट्रार हातकणंगले के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 9 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

60/61 एरंडवान, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/शिरोल/आवतोर 75/278—

यतः भुझे, एच० एस० औलख

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० गट० क्र० 1102 है तथा जो दत्तवाड, ता० शिरोल जि० कोलहापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिरोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मीदेवी खण्डेराव घोरपडे, 'यशवंत निवास', न्यू पैलेस, कोलहापुर (अन्तरक)

(2) श्री मावंतराव भाऊराव पाटील, हसूर, ता० शिरोल जि० कोलहापुर।

(2) श्री चनगोंडा कलगोंडा पाटील, दत्तवाड, ता० शिरोल, जि० कोलहापुर।

(3) श्री रामगोंडा कलगोंडा पाटील, दत्तवाड, ता० शिरोल, जि० कोलहापुर।

(4) श्री शामगोंडा बाबगोंडा पाटील, जयसिंगपुर ता० शिरोल, जि० कोलहापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रिकलचरल लैंड, गट क्र० 1102, दत्तवाड, ता० शिरोल, जि० कोलहापुर, क्षेत्रफल—13 हेक्टर—47 आर०।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1238 दि० 31-10-75 को सब रजिस्ट्रार शिरोल के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० औलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 5/हवेली-II/अगस्त'75/279/76-77— यतः,
मुझे, एच० एस० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सी० टी० एन० क्र० 372 है तथा जो शुक्रवार
पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II
(पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री शंकर गणपत कांडेकर 630/631 शुक्रवार पेठ,
पूना-2। (अन्तरक)
- (2) श्री मनोज जयंतिलाल बलदोटा, अज्ञान, पालनकर्ती
श्रीमती आनंदीबाई जयंतिलाल बलदोटा, 391
रवीवार पेठ, पूना-2 (अन्तरिती)

- (3) 1. श्री ज्ञानेश्वर लक्ष्मण केदारी
2. श्री सीताराम रामजी पाटील
3. श्री डी० के० पाटीले
4. श्रीमती हिराबाई विठ्ठल देशमुख
5. श्रीमती सरूबाई देशमुख
6. श्री शांताराम लक्ष्मण कासेकर
7. श्री विश्वनाथ गोपाल यादव
8. श्रीमती तुलसाबाई तोडकर
9. श्री शंकर महादेव शींदे
10. श्रीमती बायजाबाई दादा भोंडवे
11. श्री सुदामा अमृता कालभोर

सभी रहने
वाले 372
शुक्रवार
पेठ, पूना-2

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री होल्ड प्रॉपर्टी सी० टी० एन० क्र० 372 शुक्रवार पेठ,
पूना क्षेत्र फल 19'—9"×83'—7", करीब, 139.6 वर्ग
मीटर्स।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत धिलेख क्र० 1914 अगस्त '75 में
मब-रजिस्ट्रार हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 19 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 28 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी० ओ० /5/अगस्त/75/हवेली-II/पूना/283
76-77—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० सर्वे क्रमांक 433/2 प्लॉट क्रमांक-7 है तथा जो भोसरी (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-8 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-76 GI/76

(1) श्री चिमनलाल साहल चन्द संघवी घर क्रमांक 55 गणेश रिबंड रोड पुना-7 ।

(2) श्री विपिन चन्द्र चिमनलाल संघवी घर क्रमांक 55 गणेशरिबंड रोड पुना-7 ।

(3) श्रीमती बीना दीपक दलाल शेख पाडा रिलीफ रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पवन रबर प्रॉडक्ट्स 1202/3/10 पोले रोड पुना-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट क्रमांक 7, सर्वे क्रमांक 433/2/ब-1/भोसरी गांव जिला, पूना

क्षेत्रफल—18870 वर्ग फुट

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1247 अगस्त 75 सब-रजिस्ट्रार हवेली-II, पूना के दफतर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-76

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० XVI/1/30(अगस्त)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 117/627-633 और 645, चिन्नकडै स्ट्रीट
और 50/627-633 और 645, है जो काट स्ट्रीट, सेलम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 3397/75) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री ए० रामसामि और आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० मनिगन्धन और टी० सिवसम्मनियन, 20 बी
मुत्तवल्ली मोहम्मद याकूब साहिब स्ट्रीट, सेलम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम चिन्नकडै स्ट्रीट डोर सं० 117/627-633 और 645
और काट स्ट्रीट डोर सं० 50/627-633 और 645 में 4590
स्कवेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन०एस० —

(1) श्री मोहम्मद मोहीदीन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) कृष्णसामि पतुपट्टी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० XV/13/59/अगस्त/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० है, जो महाराजपुरम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तत्तीयिरुप्पु (पत्र सं० 1266/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महाराजपुरम गांव सर्वे सं० 390/4, 1241/1 डी, 1241/1 ई, 1241/1 एफ और 390/3 ए में 11.26 एकड़ खेती की भूमि में आधा भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XV /13/60(अगस्त)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक
और जिस की सं० है, जो महाराजपुरम में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, क्तीरायिरुपु (पत्र सं० 1267/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहमद मोहदीन

(अन्तरक)

(2) श्री वेनुगोपाल पट्टपट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महाराजपुरम गांव सर्वे सं० 390/4, 1241/1डी, 1241/1ई
1241/1एफ और 390/3ए में 11.26 एकड़ खेती की भूमि में
आधा भाग।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

(1) श्री एस० दुरैराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

(2) श्री सेंगोड गऊन्डर और सुन्दरम्, सेन्दारपट्टी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निदेश सं० 16/3/84(अगस्त)/75-76—यसः, मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 56/1 और 2 है, जो सेन्दार पट्टी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 1469/75) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, सेन्दारपट्टी गांव सर्वे सं० 56/1 और 2 में
3.52 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० X/1/62 (अगस्त) 75-76-यतः, मुझे
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है, जो रत्नसामि नाडार रोड, वेस्ट कास स्ट्रीट
मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र
सं० 2606/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० आर० जगन्नादन, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० जीवकन मदुरै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, वेस्ट कास स्ट्रीट रत्नसामि नाडार रोड, डोर सं० 2
(टी० एस० 2754) में 34 3/4 सेंट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सौन्दरवल्लि अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एन० एम० मोहम्मद बाचा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश सं० X /1/38/(अगस्त)/75-76—यतः, मुझे
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9, रामनाथन कोनार लेन वेस्ट मासि स्ट्रीट
मदुरै में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (डाकूमेन्ट
3623/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, वेस्ट मासि स्ट्रीट, रामनाथन कोनार लेन डोर सं 9
में 2145 स्क्वियर फीट की भूमि में आधा भाग (मकान के साथ)

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 3 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती वसन्त कोकिलम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती जेष्ठत बीधि

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 3 अप्रैल 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० X/1/39(अगस्त)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9, रामसामि कोनार लेन वेस्ट मार्सि स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेन्ट 3624/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16 के अधीन अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मदुरै, वेस्ट मार्सि स्ट्रीट, रामसामि कोनार लेन डोर सं० 9 में 2145 स्क्वियर फीट की भूमि में आधा भाग (मकान के साथ)

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

दिनांक : 3 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, मार्जेट रोड, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2669/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झावक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 84 ए, एस० के० चेन्नियप्प गौण्डर स्ट्रीट, ईरोड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर I, ईरोड,
(डाकुमेंट 3439/75) में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थातः—
5—76GI/76

(1) श्री एम० पी० पी० अय्याड, सुन्दरमूर्ती (मैनर)
और सिवानन्दम (मैनर)

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० सुब्बरमनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, एस० के० चेन्नियप्प गौण्डर स्ट्रीट, डोर सं० 84 ए
में भूमि और मकान

जी० बी० झावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

123, माऊंट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निवेदन सं० 1962/75-76—यतः मुझे, जी० वी० साबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 567/9 कोतारी रोड, तुंगम्बा-
क्कम, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
टी० नगर, मद्रास (डाकुमेंट 1050/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12
अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के परबद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कोतारि (मद्रास) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मद्रास-34, तुंगम्बाक्कम कोतारि रोड, प्लॉट सं० "ई";
में 2 आउण्ड और 750 स्क्वियर फीट की खाली भूमि।

जी० वी० साबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1844/75-76—यतः, मुझे, जी० बी० शाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/144 मौण्ट रोड, मद्रास-6 दूसरा, तीसरा, चौथा फ्लोर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मद्रास (डाकुमण्ट सं० 6336/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० गुलाम मोहम्मद, मोहम्मद हुसन, श्रीमती जमीला बेगम

(अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० मुस्ताफा, एम० पी० पुरुषोत्तमन और श्रीमती ए० के० अरुना

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, डोर सं० 2/144 मौण्ट रोड, में दूसरा, तीसरा और चौथा फ्लोर (एस० सं० 35/96 भाग) (2759 स्क्वयर फीट।)

जी० बी० शाबक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2670/75-76—यतः मुझे जी० वी० डाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को;
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 21/429 और 430, बैसियाल स्ट्रीट, कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III
कोयम्बतूर (डाकुमण्ट 3105/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अगस्त 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,
सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री पी० लक्ष्मीनारायणन

(अन्तरक)

(2) श्री जे० नटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, बैसियाल स्ट्रीट, डोर सं० 21/429 और 430
में 4-535 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) नया टी० एस० सं०
362 और 363 भाग।

जी० वी० डाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2672/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सन बीम, ऊटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० II, मद्रास (आकुण्ट सं० 6273/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक 23 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० पी० मदन गोपाल;
श्री एन० मिट्टू;
श्री एन० महेश;
श्रीमती आनन्द मदन,
कुमारी कस्तूरी मदन,
कुमारी विद्यावती मदन;
कुमारी महिटा मदन; और
कुमारी गायत्री मदन;

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० हबिबल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊटकमण्ड, टी० एस० सं० 2721/2 में 40 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) (सन बीम) (कासिनो लाज, ऊटकमण्ड)

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती एन० विजालाणि आचि; श्री नाचियण्ण चेदियार और श्रीमती भानुमति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० 1854/75-76—यतः, मुझे जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 9, है तथा जो सारंगमनि स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेण्ट सं० 5943/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री मल्लबारापु नासि सिस्वेस्वर राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17; सारंगमनि स्ट्रीट, डोर सं० 9 में 3 आउण्ड और 2280 स्कूयर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० वी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सि० कीदर मोहम्मद और सि० मोहम्मद इस्मयिल
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, 600006, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2640/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10/12 और 13, काट्टर मारियम्प कोनार स्ट्रीट सं० 2, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर, (डकुमेण्ट 3184/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, काट्टर मारियम्प कोनार स्ट्रीट सं० 2 में और सं० 10/12 और 13 में भूमि और मकान (नया टि० एस० सं० 9/436 और 437)

जी० बी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रोस 600006, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2640/75-76— यतः, मुझे जी० वी० झावक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० डोर सं० 10/11 ए० काट्टुर मारियप्प कोनार स्ट्रीट सं० 2, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 3183/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सी० किंदर मोहम्मद और सी० मोहम्मद इस्मायिल (अन्तरक)

(2) श्री एन० पोन्नसामि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, काट्टुर मारियप्प कोनार स्ट्रीट सं० 2, डोर सं० 10/11 ए० में भूमि और मकान (नया टी० एस० सं० 9/437)

जी० वी० झावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती तन्धम चेरियम्मा; सुमण्गलम चेरियम्मा
और श्री अम्पुकुट्टन
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) श्रीमती रंगनायकि अम्माल
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास 600006, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निदेश सं० 2671/75-76—यतः मुझे, जी० बी० शावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 11/118 नेहरू नगर, श्रीनिवासपुरम, कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० कोयम्ब-
तूर (डाकुमेण्ट 3024/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अगस्त 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—76GI/76

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-फ में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, श्रीनिवासपुरम, नेहरू नगर डोर सं० 11/118
में 11 सेन्ट और 354 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)
(टी० एस० सं० 9/228/3, नया टी० एस० सं० 27/3)

जी० बी० शावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रष्ठप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री टी० के० पट्टापरामन, टी० पी० वसन्त रामन
और टी० पी० रामचन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 1 मई 1976

निदेश सं० एफ० 2634/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झावक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० वेडपट्टि गांव में जी० एस० 394 और 395/1 (2.22 एकड़) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट सं० 2056) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेडपट्टि गांव में 2.22 एकड़ की भूमि जिनका जी० एस० 394 और 395/1 (मकान, कुआं और मोटार में 1/4 भाग के साथ)

जी० वी० झावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 1 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री टी० के० पट्टापिरामन, टी० पी० वमन्तरामन
और टी० पी० रामचन्द्रन
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० श्रीनिवासन्
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास 600006, दिनांक 1 मई 1976

निर्देश सं० एफ-2634/75-76-यतः मुझे, जी० वी० झावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० वेडपट्टि गांव में, जी० एस० सं० 394 में 3.82
एकड़ की भूमि में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर० II कोयम्बतूर (आकुमेण्ट 2115/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27
अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेडपट्टि गांव में 3.82 एकड़ की भूमि
जिसका जी० एस० सं० 394

जी० वी० झावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 1 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 मई 1976

निर्देश सं० एफ 2634/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० वेडपट्टि गांव में जी० एस० 395/1 (3.40
एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० II कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट सं० 2116/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27
अगस्त 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० के० पट्टापरामन, टी० पि० वसन्त रामन
और टी० पि० रामचन्द्रन
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सी० आन्डाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेडपट्टि गांव में 3.40 एकड़ की भूमि
जिसका जी० एस० सं० 395/1

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 1 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 1 मई 1976

निर्देश सं० 2634/75-76 यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वेडपट्टि गांव में जी० एस० सं० 396/1 और 396/2 ए (2.03 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 2139/75), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 अगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टी० के० पट्टाभिरामन, टी० पी० वसन्त रामन और टी० पि० रामचन्द्रन
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश बाबू
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, वेडपट्टि गांव में 2.03 एकड़ की भूमि (भकान के साथ डोर सं० 160 भाग और 160 सी) जिसका जी० एस० सं० 396/1 और 396/2 ए।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 1 मई 1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-III/अगस्त-1/
(19)/601/75-76/—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू-23 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 12 अगस्त 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित :—

(1) मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 40-एफ,
कनाट प्लैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी डालमिया, पत्नी श्री जे० डालमिया
(2) श्री बी० एच० डालमिया, (3) एन० एच०
डालमिया (4) श्री एम० एच० डालमिया (5) श्री
जे० एच० डालमिया (6) श्री ए० एच० डालमिया
(7) श्री बाई० एच० डालमिया तथा (8) श्री आर०
एच० डालमिया, सुपुत्र श्री जे० डालमिया, निवासी
1, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1141 वर्ग गज है और
नं० 23, प्लॉक नं० 'डब्ल्यू' है, बेचने वाले के उन सभी अधिकारों
सहित निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहापुर
गांव, दिल्ली की युनियन टेरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू-25

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू-21।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-III/सितम्बर
(15)/75-76/600—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू-15 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 5 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 40-एफ,
कनाट पलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी डालमिया, पत्नी श्री जे० डालमिया
(2) श्री वी० एच० डालमिया, (3) श्री एन० एच०
डालमिया (4) श्री एम० एन० डालमिया (5)
श्री जे० एच० डालमिया (6) श्री ए० एच० डालमिया
(7) श्री बाई० एच० डालमिया तथा (8) श्री आर०
एच० डालमिया, सुपुत्र श्री जे० डालमिया, निवासी
1, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्रवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 2000 वर्ग गज है और
नं० 15, ब्लॉक नं०, 'डब्ल्यू' है, बचने वाले के उन सभी अधिकारों
सहित निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली के बाहापुर
गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू-17

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू-13 ।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-III/सितम्बर (14)/75-76/—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० डब्ल्यू-21 है तथा ओ ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०, 40-एफ, कनाट प्लैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० गृहलक्ष्मी कारपोरेशन, 4, सिंदीया हाउस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1544 वर्ग गज है और संख्या 21, ब्लाक संख्या 'डब्ल्यू' है, बेचने वाले के उन सभी अधिकारों सहित निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : अन्य की भूमि

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू/23

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू/19।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली रोड, नई दिल्ली 1

दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० आर०-II
अगस्त/991(22)/75-76/—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिस की सं० जे-12/8 का 1/2 हिस्सा है तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

(1) श्री सोहन लाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री तुलसी राम,
निवासी एफ-285, न्यू, राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुन्दर सिंह,
निवासी ए-2/91, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, ब्लॉक नं० जे-12 (जे-12/8) का 1/2
अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 483.3/10 वर्ग गज है,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के तासरपुर गांव, दिल्ली राज्य,
दिल्ली में दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस रोड

उत्तर : प्लॉट नं० जे-12/9 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० जे-12/7 ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री सोहन लाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री तुलसी राम,
निवासी एफ-285, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री दवीन्द्र सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुन्दर सिंह, निवासी
ए-2/91, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 14 अप्रैल 76

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० एस० आर-II अगस्त/
989(20)/75-76—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जे-12/8 का 1/2 हिस्सा है तथा जो राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से दर्शित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिदा
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, ब्लॉक नं० जे-12 (जे-12/8) का 1/2
अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 483.3/10 वर्ग गज है,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के तातरपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली
में दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व : रोड
पश्चिम : सर्विस रोड
उत्तर : प्लॉट नं० जे-12/9 पर मकान
दक्षिण : प्लॉट नं० जे-12/7।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/
अगस्त/378(7)/75-76—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 16/1604-05 (नया), प्लॉट नं० 110-ई,
खसरा नं० 925, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इस से उपबाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
दिनांक 7 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देवी बयाल मिगलानी, सुपुत्र श्री तुलसी दास,
निवासी पी-25, एन डी० एस० ई० पार्क-II, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाकुन्तला गुप्ता, पत्नी श्री ओ० पी०
गुप्ता, 2202/64, नाईवाला, करौल बाग,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला बिल्डिंग का ग्राउण्ड फ्लोर जिसका क्षेत्रफल
122 वर्ग गज है, और नं० 16/1605 (नया) है, प्लॉट नं०
110-ई पर है, खसरा नं० 925 है, नाईवाला, करौल बाग,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: जायदाद नं० 16/1584

पश्चिम: जायदाद नं० 16/1601-03

उत्तर: गली

दक्षिण: रोड।

एस० सी० पारीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14 अप्रैल 1976

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०III/स० आर०-III/सितम्बर/417(12)/75-76/—यत—मुझे, एस० सी०पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16/1604-5(नया), प्लॉट नं० 110-ई, खसरा नं० 925, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी दयाल मिगलानी, निवासी पी-25, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाकुन्तला गुप्ता, पत्नी श्री ओ० पी० गुप्ता, निवासी 2202/64, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धुमंजिला बिल्डिंग की पहली मंजिल, जिसका नं० 16/1604 (नया) है, प्लॉट नं० 110-ई० पर, खसरा नं० 925 है, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली में है, और क्षेत्रफल 122 वर्ग गज है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 16/1584

पश्चिम : जायदाद नं० 16/1601-03

उत्तर : गली

दक्षिण : रोड।

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/IIIएस० आर-II/अगस्त/

374-ए/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० खसरा नं० 165 मिन, कोटला मुबारकपुर गांव

का रेवेन्यू ईस्टेट, न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली

में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से

वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16 के अधीन, दिनांक 1 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और

यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० डी एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ

क्नाट पलैस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री शिम्बु दयाल, निवासी आर-35, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली (2) श्रीमती केवल लुथरा, पत्नी श्री के० एल० लुथरा, पौलीस क्वार्टरस, एण्डरुस गंज, नई दिल्ली (3) श्रीमती चन्द्र कान्ता, पत्नी श्री प्रेम नाथ, निवासी ए-69, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) मै० लिट्स रैफरीजेशन कारपोरेशन, जी-7 एन० डी० एस० ई० पार्ट-I, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में संपत्ति है)

(4) श्री प्रल्हाद सिंह, सुपुत्र श्री जीत सिंह, 1885, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिस का क्षेत्रफल 9 बिसवा तथा खसरा नं० 165-मिन है, कोटला मुबारकपुर गांव के रेवेन्यू ईस्टेट, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, दिल्ली की युनियन टैरीटरी में है । यह निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : नाला

उत्तर : प्लॉट नं० डी-25 सी

दक्षिण : डी० डी० ए० की भूमि

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III
अगस्त/ 382-ए(16)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० मयुनिसिपल नं० 329 है तथा जो मस्जिद मोठ,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 16 अगस्त 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री चेत राम तथा सुपुत्री
स्वर्गीय फकीरा निवासी शारोली गांव, जिला गुड़गांव
(हरियाणा)

(अन्तरक)

(2) श्री (1) विष्णु सारूप, (2) द्वारका प्रसाद, सुपुत्र
श्री बुधालाल, निवासी 9 हाउसिंग सोसाइटी, एन० डी०
एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि 78 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ
है, जिसका मयुनिसिपल नं० 329 है, जोकि मस्जिद मोठ में है,
खसरा नं० 287, खेबट नं० 152, खातोनी नं० 358 का भाग है,
कोटला मुबारकपुर के राजस्व राज्य, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : श्री याद राम का मकान

उत्तर : श्री बुधुराम का मकान

दक्षिण : श्री रंगा प्रसाद का मकान

एस० सी० पारीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 14 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पु०/III/एस० आर०-III/
अगस्त/390(6)/75-76/—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 14-बी/7 के 1/2 भाग का 1/2 अविभाजित भाग देश बन्धु गुप्ता रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दुर्गा देवी, पत्नी श्री हरी वंश, 1844, हरी निवास, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री यश पाल आहुजा, सुपुत्र श्री पिशोरी लाल अरोड़ा, जी-24, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) श्री जीवन सिंह (2) मै० मोहन लाल खेम चन्द (3) श्री हरबंस लाल (4) जोगिन्दर सिंह (5) श्री जे० के० मेहरा, निवासी मकान नं० 14-बी/7, डी० बी० गुप्ता रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिला बिल्डिंग के 1/2 भाग का 1/2 अविभाजित भाग (अर्थात् 1/4 भाग) जिसका खसरा नं० 918 (152) है, और क्षेत्रफल 293.1 वर्ग गज है, 14-बी/7 देश बन्धु गुप्ता रोड़, नई दिल्ली में है, जोकि पहले बाग रात्रीजी के नाम से जाना जाता था। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 8
पश्चिम : प्लाट नं० 6
उत्तर : रोड़
दक्षिण : गली

एस० सी० पारीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 17 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० सी०/एफ०/II/एस० आर-III/अगस्त-II/
6/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 22-ए है तथा जो खान मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डा० किशोरी चन्द कपूर, सुपुत्र श्री डा० राजा राम कपूर, ए-463, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री संजीव कुमार मेहरा, सुपुत्र श्री दिलबाग राय मेहरा, एन-62, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

(3) श्री डा० किशोरी चन्द कपूर, सुपुत्र डा० राजा राम कपूर, दुकान नं० 22-ए, खान मार्किट, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 22-ए है, उन सभी लीज होल्ड अधिकारों, फिटिंग्स तथा फिक्सचर सहित खान मार्किट नई दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 19 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रज रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/II/1166/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 1412-1413/का 1/2 भाग गली मन्दिर झामर वाली, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—76GI/76

(1) श्री जवाला प्रसाद तथा श्री सत नारायण, सुपुत्र श्री सोहन लाल निवासी मोहल्ला मण्डी झमर, जिला रोहतक (हरियाणा)

(अन्तरक)

(2) श्री किशन दाम, सुपुत्र श्री बनवारी लाल, निवासी 2937, कूचा मैदास, सीताराम बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 33 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 1412-1413 है, मन्दिर झमर वालन, चांदनी चौक, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : श्री एस० एस० जैन महावीर भवन की जायदाद
पश्चिम : गली तथा अन्य जायदाद
उत्तर : श्री हरी चन्द मूल चन्द की जायदाद
दक्षिण : फुटपाथा, चांदनी चौक, दिल्ली

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रज रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 19 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1167/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 571 है तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमरनाथ सुपुत्र श्री अरुण चन्द, निवासी 3/4, मुभाष नगर, नई दिल्ली-27
(अन्तरक)

(2) श्रीमती चमेली देवी पत्नी श्री मोती राम बंसल,
(2) श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री धरम पाल बंसल,
निवासी 5863, नाबी कारीम, पहाड़गंज, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 216 वर्ग गज है और नं० 571 है, मजलीस पार्क, दिल्ली के भारोला गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रास्ता 10'

पश्चिम : रोड़ 30'

उत्तर : प्लॉट नं० 572

दक्षिण : रोड़ 25'

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 19 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 13/76-77—यतः मुझे के० एस
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 11 और 12 है जो चिराग अली लेन
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
15 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पुष्पलता भागीदार एसोसिएटेड बिल्डर्स
और रियल एस्टेट एजेंट्स, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्य बारामी 1-2-593/23 गगनमहल रोड,
हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11 और 12, आबिद शापिंग सेंटर, चिराग अली
लेन, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 14/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 11 और 12 है जो आबीद रोड़ में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
15 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) मैसर्स एसोसिएटेड बिलडर्स और रियल एस्टेट एजेंट्स
आबीद रोड़, हैदराबाद
(अन्तरक).

(2) सरदार अमलोक सिंह मुखेजी, 3-6-63 बशीर
बाग, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13 और 14, आबीद शापिंग सेंटर, चिराग
अली लेन, हैदराबाद

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स एसोसिएटिड बिस्नेस और रियल एस्टेट एजेंट्स
आबीद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 15/76-77—यतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 3 आबीद रोड है जो हैदराबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
15 अगस्त 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) पी० वी० राव तथा श्रीमती पी० विजया राव 1-10-
1/12, अण्णोक नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

दुकान नं० 3, आबीद शापिंग सेंटर, आबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 44/76-77—यतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-214 है जो हिमायतनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सुलतान सलीम, 3-6-214 हिमायत नगर,
हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती जानी बेगम, सबजी मंडी, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में, दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 3-6-214 का भाग जिसका क्षेत्रफल 169 वर्गमीटर्स, जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 45/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-214 है जो हिमायत नगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में स्तरीय भारजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 अगस्त
1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सुलतान सलीम, 3-6-214, हिमायतनगर
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हाजीबेगम, इब्राहीम बाग, गोलकोंडा,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 3-6-214, का भाग, क्षेत्रफल 183 वर्ग मीटर्स हिमायत
नगर, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 46/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-214 है जो हिमायतनगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20
अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री सुलतान सलीम पुत्र स्व० मोहम्मद वजीर 3-6-
214, हिमायतनगर, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री शेख महमूद पुत्र शेख इब्राहीम, पुराना तोपखाना,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 3-6-214, का भाग, क्षेत्रफल 167 वर्ग मीटर्स हिमायत
नगर, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 47/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-214 है जो हिमायतनगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 अगस्त
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—76GI/76

(1) श्री सुलतान सलीम, 3-6-214, हिमायत नगर
हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्री गेख इब्राहीम, मोजम जाद्री मार्केट, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

नं० 3-6-214 का भाग, जिसका क्षेत्रफल 319 वर्ग मीटर्स
जो हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 48/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है जो आचारी स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० कृष्णामूर्ति पुत्र वेंकट कृष्णाराव 1/1 रिस्ट क्रास रोड, राजा अक्षमलाईपुरम् मद्रास-28
- (2) श्री एन० रोघवेन्द्र राव पुत्र कृष्णामूर्ति मनीपाल, करनाटक स्टेट
- (3) श्रीमती शान्ता राममूर्ती पत्नी एन्० राममूर्ती कोयम्बतूर
- (4) श्री न्यापाटी सुधीन्द्रा पुत्र एन्० राममूर्ती कोयम्बतूर
- (5) श्रीमती गीताराव पत्नी सी० पी० बिन्दुसाधव राव, मद्रास
- (6) श्रीमती सुधा राव पुत्री एन्० राममूर्ती, बेंगलूर (अन्तरक)

2. श्री सेट सरदार मल सुरेश कुमार पुत्र मेघराज, आचारी स्ट्रीट, नेल्लूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49 अंकनम् खुली भूमि जो आचारी स्ट्रीट, नेल्लूर में स्थित है।
75, बार्ड नं० 13 आचारी छली नेल्लूर

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14 अप्रैल 1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 56/76-77—अतः मुझे के० एस०
बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 15-2-624 नं० 622 और 15-2-773 है
जो उसमानगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकृत अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अर्चीन 8-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधुरी वैनकटेशम और अन्य 14-3-94
गौशमहल हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री माधुरी शेन्कर 14-3-94 गौशमहल, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—घर नं० 15-2-624 से 15-2-622 और
15-2-773 उसमान गंज हैदराबाद।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976

सं० आर० ए० सी० 55/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 7-1-22, 21/1 है जो बेगमपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती पनगले धुदाबाई पाति स्वर्गीय पी० वेंकटराम रेड्डी जो० पी०वे०पी० मधुसूदन रेड्डी 7-1-21/बी बेगमपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) 1. श्री सीताराम सीनंग 1-1-230/14 वी वेंका नगर, हैदराबाद
2. मुरलीधर सीनंग 1-1-230/14 वी वेंका-नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—प्लॉट-8 नं० 7-1-22 और 7-1-21/1 बेगमपेट, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 15-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश नं० 316/ए०सी०क्यू० 23/656/6-2/75-76—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रे०सं० नं० 517 पैकी 1 एकर 36 गुंथा है तथा
जो अस्पताल के पास, छानी, जिले बड़ोदा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए कृत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरमनभाई गोपालभाई पटेल, छानी, जिला
बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) गोपालनगर को० आप० हाउसिंग सोसाइटी,
प्रमुख गणछोड़भाई गोपालभाई पटेल,
छानी, जिला बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 517 कुल माप 1 एकर 36 गुंथा है
तथा जो अस्पताल के पास, छानी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी बड़ोदा को अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
4526 और 4527 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश नं० 317/ए०सी०क्यू० 23-588/136/75-76—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म नं० 814/2-3 कुल माप 10 कड़ 6 गुंथा है, जो गांव तराज, भानर-खस्रान रोड, त० मानर, जिला खेडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेडा में स्थित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री मेहता बेलाजीभाई जयकृष्णभाई
2. बाई कमला लक्ष्मी हरमनभाई छगनभाई की पत्नी सोना श्री भाग्य लक्ष्मी राईस एण्ड पल्स मिल० के मालिक गंध, तराज, ता० भावर, जिला खेडा (होल : सुहासनगर सोसायटी नवरंगपुरा, अहमदाबाद) ।
(अन्तरक)

(2) मै० शाह हरजीवनदास भगनलाल भागीदार तथा वहीवर कर्ता : शाह नटवर लाल हरजीवनदास और दिनेश चन्द्र हरजीवन दास, दोनों रें० भातर जिला खेडा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मशीनरी तथा गुडविल सहित भाग्यलक्ष्मी राईस एण्ड पल्स मिल्स की जमीन तथा मकान, गांव तराज, ता० भावर, जिला, खेडा, सं० नं० 814/2+3 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खेडा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 684 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3 अप्रैल 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निदेश सं० 318/ए० सी० क्यू० 23-657/6-1/75-76—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 835 और 836 है, तथा जो गोखा सीम, हाय वे रोड के पास, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. छल्लसिंह जीनाभाई राठोड
2. बाई धना, मानसिंह जीनाभाई राठोड की विधवा
3. मूसाभाई जीनाभाई राठोड, गोखा गांव, बड़ोदा ।

(अन्तरक)

- (2) 1. शाह अंबालाल दामोदरदास
2. शाह पृमोदकुमार अंबालाल 3. शाह प्रकाश चन्द्र, अंबालाल 'अम्बा' पारसी अगियारी के सामने, सयाजी गंज, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 835 और 836 है और कुल माप 3 एकड़ और 24 गुंथा है तथा जो गोखा सीम, राष्ट्रीय मुख्य मार्ग, रानपुर माखल फेक्टरी, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4805 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निदेश नं० 319/ए० सी० क्यू० 23-658/19-8/75-76—
अतः, मुझे, पी० एन० मिस्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० स० नं० 189 पैकी खुली जमीन है तथा जो
जो उषना-मगदला रोड, मोजे मजूरा, ता० चोरासी जिला० सूरत
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाह्याभाई भावजीभाई, नारणभाई भावजीभाई
छगनभाई भावजीभाई लुहार मोहला, नवसारी बाजार के पास,
सूरत. ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहसीनभाई अबदुलरहीम हजुरी हैदरभाई
मोहसीनभाई हजुरी मोईजभाई मोहसीनभाई हजुरी जुरारभाई
मोहसिनभाई हजुरी सैफी मोहला, जाम्पा बाजार, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 189 पैकी कुल माप 1795.63
वर्ग मीटर है तथा जो उषना-मगदला रोड, मजूरा, ता० चोरासी,
जिला: सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3671 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
[अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद]

दिनांक : 5 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश नं० 320/ए० सी० क्यू० 23-620/19-8/75-76—

अतः मुझे, पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० क्यू० वार्ड नं० 3, नोंध नं० 1955 ए-1ए पैकी
है, तथा जो सग्राम पुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 6-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

10-76GI/76

(1) श्रीमती बाई काशी, जीता भाई छेला भाई की
विधवा, नवसारी बजार, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) कैलाश नगर फ्लेट्स को० आप० हाउसिंग सोसायटी
सूरत की ओर से उसके :

पृमुख : रति लाल छगन लाल

सेक्रेटरी : कैलाश ब्रेन चम्पक लाल सग्राम पुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंध नं० 1955-ए०-1-ए० वार्ड नं०
2 पैकी प्लोट नं० सी० ब्लॉक नं० 'डी ए०' और 'डीएचए०' कुल
माप 488 और 600 वर्ग गज क्रमशः कुल माप 1088 वर्ग गज है
तथा जो सग्राम पुरा, महादेव नगर सोसायटी के पीछे, सूरत
में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4288 और 4289 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 5 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश नं० 321/ए०सी० क्यू० 23-659/19-8/75-76—

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 42 पैकी खुली जमीन है, तथा जो उधना, ता० चोरियासी, जिला : सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मे० बड़ोदा ब्रिक्स फेक्टरी, भागीदारी पेठी की ओर से उसके भागीदार :

जीवन लाल जोड़ताराम, जयन्ती लाल जीवन लाल, हीरा लाल जीवन लाल, रेलवे ब्रिज के पास, उधना ।

(अन्तरक)

(2) शिव को० आपरेटिव हाउसींग सोसायटी की ओर से उसके मुख्य प्रयोजक :

राजन पद्माकान्त कापडिया, रानी तलाव, मेन रोड, सूरत ।
कनैयालाल रमणलाल प्रजापति, सचिन हाउस, सग्रामपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 42 पैकी कुल माप 1847.94 वर्ग गज है तथा जो उधना, ता० चोरियासी, जिला : सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3538 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश नं० 322/ए०सी०क्यू० 23-480/6-2/75-76—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 53 प्लोट नं० 3, 7, 8 और 9 है, तथा जो रेस कोर्स रोड, ब्रेक आफ बडोदा ट्रेनिंग स्कूल के सामने, बडोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. शान्ती लाल सूरजमल मेहता 2. कुसुम शान्ती लाल मेहता 3. बच्छा गांधी रोड, गान्देवी, बंबई-7।

(अन्तरक)

(2) मे० विजय आर्गेनाइजर्स (डायमंड जेम्बर्स) प्राउन्ड फ्लोर, शान्ती भवन, पैलेस रोड, बडोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन के वे चार संयुक्त प्लॉट जिनके प्लॉट नं० 3, 7, 8, और 9, रे० सं० नं० 532 है तथा कुल माप 29302 वर्ग फुट है और जो विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, सयाजी गंज, कसबा बडोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बडोदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4638 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निदेश सं० 323/ए०सी०क्यू०-23-474/6-1/75-76—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 803/1—2 कुल माप 38400 वर्ग
फुट है, तथा जो हरनी रोड, रूपम सिनेमा के पास, बड़ौदा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रीयल एस्टेट कारपोरेशन

भागीदार : 1. श्री ए० एच० शेठ
2. श्री एस० एच० शेठ

(अन्तरक)

(2) प्रत्यक्ष अधिकारी,

दी बड़ौदा डिस्ट्रिक्ट को० ग्राम० पंचेज एन्ड सेल
यूनियन, तारकेश्वर, जुबली बाग के पास, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चालू बान्ध काम वाला प्लॉट जिसका सर्वे नं० 803/1-2
और कुल माप 38400 वर्ग फुट है तथा जो हरनी रोड, रूपम
सिनेमा के पास, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बड़ौदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4869 में
प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
अहमदाबाद

दिनांक : 6-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 324/ए०सी०क्यू० 23-660/19-7/75-76-
यतः मुझे पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रोड नं० 5 ब्लॉक प्लॉट नं० 18
है, तथा जो उधना-उद्योगनगर जिला सूरत में स्थित है (और
इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) 1. नवीन चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ
2. प्रमोद चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ
3. प्रफुल्ल बाला कृष्ण मुखलाल श्रोफ
4. किरन बाला बलवंतभाई चौहान
नानावत, मेन रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

- (2) श्री वियम सुन्दर जमनादास कपाड़िया
अमीवारसा, कैलाशनगर सोसायटी,
अठवां लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लॉक नं० 5 प्लॉट नं० 18 रोड नं० 5
पर कुल माप 600 वर्ग गज है तथा जो उधना उद्योग नगर, जिला
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3647 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

दिनांक : 8 अप्रैल 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० 325/ए०सी०क्यू० 23/661/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रीड नं० 5 ब्लाक नं० 12, प्लॉट नं० 5 है
तथा जो उधना उद्योगनगर, जिला सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. नवीन चन्द्र कुण्ड मुखलाल श्रोफ
2. प्रमोद चन्द्र कुण्ड मुखलाल श्रोफ
3. प्रफुल बाला कुण्ड मुख लाल श्रोफ
4. किरण बाला बलवंतभाई चौहान

नानावत, मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) श्री अनुपम हीरालाल चौखावाला संजय
रतिलाल चौखावाला

3/412, नवापुरा, दलिया शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 12, प्लॉट नं० 5 रीड नं०
5 पर कुल माप 600 वर्ग गज है तथा जो उधना उद्योग नगर,
जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के
अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3646 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० 326/ए०सी०क्यू० 23-662/19-7/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रोड नं० ब्लाक नं० 5 प्लॉट नं० 17 है, तथा जो उधना उद्योगनगर, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. गवीन चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ 2. प्रमोद चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ 3. प्रफुल्ल वाला कृष्ण मुखलाल श्रोफ 4. किरनबाला बलवंत भाई श्रोफ 11/1314, नानावत, मेन रोड, सूरत.

(अन्तरक)

(2) श्री शरद चन्द्र जमनादास कापड़िया अमीवारसा, कैलाश नगर सोसायटी, अठवां लॉईन्स, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषितक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 5, प्लॉट नं० 17, रोड नं० 5 पर 600 वर्ग गज क्षेत्रफल है तथा जो उधना उद्योगनगर, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3645 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक : 8 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निर्देश नं० 327/ए०सी०क्यू० 23-663/19-7/75-76---
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रोड नं० 5, ब्लॉक नं० 5, प्लॉट नं० 19 है, तथा
जो उधना उद्योगनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री नवीन चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ
2. प्रमोद चन्द्र कृष्ण मुखलाल श्रोफ
3. प्रफुल बाला कृष्ण मुखलाल श्री
4. किरन बाला बलवंत भाई चौहान
नानावत, मेन रोड, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) श्री राजेन्द्र बलवंतराय कपाडिया
अमीबारसा, कैलासनगर सोसायटी,
अठवां लाईन्स, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लॉक नं० 5, प्लॉट नं० 19, रोड नं०
5 पर कुल माप 600 वर्ग गज है तथा जो उधना उद्योगनगर जिला
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3648 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 8-4-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० 328/ए०सी०क्यू०-23-664/6-1/75-76—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 532 प्लॉट नं० 10 है (तथा जो विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-75 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-76GI/76

(1) श्री वाई० वी० घाटगे

1. विश्वास कालोनी,
रेस कोर्स, रोड बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) 1. शान्ती लाल विठ्ठल भाई पटेल

2. सावित्री शान्ती लाल पटेल

25. उदय पार्क सोसायटी, जेतलपुर रोड, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 532 प्लॉट नं० 10 और कुल माप 6142 वर्ग गज है तथा जो विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4520 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक 9-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6-4-1976

निर्देश सं० 329/ए०सी०क्यू० 23-665/6-1/75-76—

यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 359/1 और 360 स्टेशन है, तथा जो मकरपुरा, आल इन्डिया रेडियो स्टेशन के बिल्कुल पास, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) 1. श्री बल्लुभाई नाथाभाई पटेल
स्टेशन रोड, आनंद, जिला खेडा ।
2. ओछण लाल, पीरामीटर रोड, बड़ौदा
(अन्तरक)
- (2) श्री शंखेश्वर नगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी
लि० की ओर से उनके प्रमुख : अंबालाल गाडा लाल
खारखा, मदन जाम्पा रोड, खाखा बाड, बड़ौदा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 359/1 और 360 कुल माप 20000 वर्ग फुट है तथा जो मकर पुरा, आल इन्डिया रेडियो स्टेशन के निकट बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4854 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 6-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6-4-1976

निदेश सं० 330/ए०सी०क्यू० 23-665/6-1/75-76-
यतः मुझे, पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 359/1 और 360 है, तथा जो मकरपुरा, आल इन्डिया
रेडियो स्टेशन के निकट, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री 1. बल्लुभाई नाथाभाई पटेल
स्टेशन रोड, आनंद, जिला खेड़ा ।
2. ओछवलाल हिमतलाल
पीरामतर रोड, बड़ौदा ।

(2) श्री शंखेश्वर नगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी
लि० की ओर से
प्रमुख : अंबालाल गांडा लाल खाखा
मदन जाम्पा रोड, खाखा वाड, बड़ौदा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 359/1 और 360; कुल माप
14535 वर्ग गज है तथा जो मकरपुरा, आल इन्डिया रेडियो
स्टेशन के निकट, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी बड़ौदा के अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4856
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 6-4-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश नं० 331/ए०सी०ए० 23/665/6-1/75-76—
यतः मुझे, पी० एन० मिस्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 359/1 और 360 है, तथा जो मकरपुरा, आल इन्डिया रेडियो स्टेशन के निकट, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री डा० बल्लुभाई नाथाभाई पटेल
स्टेशन रोड, आनंद, जिला, खेड़ा ।
2. ओछवलाल हिमंतलाल
पीरा मितर रोड, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री शंखेश्वर नगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से उसके प्रमुख
अंबालाल गांडा लाल खाखा,
मदन जाम्पा रोड, खाखा बाड, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याह्विया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 359/1 और 360 और कुल माप 1,00,000 वर्ग फुट है तथा जो मकरपुरा, आल इन्डिया रेडियो स्टेशन के निकट बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4857 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13-4-1976

निदेश सं० 332/ए०सी०क्यू०-23-545/7-4/75-76-

यतः मुझे, पी० एन० मित्रल

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 71, है, जो कोलासाना, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री हवाबु, इस्माइल सालेह हाजी की विधवा
2. ईसप सालेह हाजी
3. हुसेन सालेह हाजी
रे : डाभेल, ता : नवसारी

(अन्तरक)

- (2) श्री मारोली विभाग खांड उद्योग सहकारी
मण्डली लि०, कल्याण नगर, मारोली ।
प्रमुख : नरसिंह भाई गोर्धनभाई भवना
उप-प्रमुख : धीसभाई नाथुभाई गांधी,
सेक्रेटरी : धनजी भाई काली दास भवना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 71 कुल माप 12 एकड़ 39 गुंथा है तथा जो कोलासाना, ता० नवसारी, जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2544 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्रल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निदेश नं० 333/ए०सी०क्यू 23-545/7-4/75-76--
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 98 है जो कोला साना, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री हरीभाई गोर्धनभाई भवता,
गांव, धमन, ता० नवसारी।

(अन्तरक 2

(2) श्री मारोजी विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०,
कल्याण नगर, मारोली ता० नवसारी,
प्रमुख : नरसिंहभाई गोर्धनभाई भवता
उपप्रमुख : धीरूभाई नाथुभाई गांधी
सेक्रेटरी : धनजीभाई कालीदास भवता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 98 कुल माप 3 एकड़ 34 गुंथा है तथा जो कालसाना ता० नवसारी जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी की अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2543 में स्थित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निदेश नं० 334/ए०सी०एच० 23-545/7-4/75-76—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल.

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 70 है तथा जो कटहोलसना, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री खानोबेन. केवलभाई गोविंदजी की विधवा
2. गोवालभाई केवलभाई
3. जीवनभाई केवल भाई
कुल मुखतार : छगन भाई वनमाली भाई
(अन्तरक)

(2) मारोली विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०
कल्याण नगर. मारोली :
प्रमुख : नरसिंहभाई गोर्धनभाई भवता
उप-प्रमुख : धीरूभाई नाथुभाई गांधी।
सेक्रेटरी : धनजी भाई कालीदास भवता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लोक नं० 67 और 70 कुल माप 5 एकड़ 20 गुंथा है तथा जो कोलसना, ता० नवसारी जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2594 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डाह्याभाई मकनीभाई पटेल

गांव : धमन. ता० नवसारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निवेदन नं० 335/ए०सी०क्यू०-23-545/7-4/75-76-
यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम 1961
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ब्लाक नं० 99 है जो कोलसाना ता० नवसारी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(2) भारोली विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०

कल्याण नगर. भारोली ता० नवसारी

प्रमुख : नरसिंह भाई गोर्धनभाई भवता ।

उप प्रमुख : धीरू भाई नाथुभाई गांधी

सेक्रेटरी : धनजीभाई कालीदास भवता :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लोक नं० 11 कुल माप 2 एकड़ 16
गुंथा है तथा जो कोलसाना, ता० नवसारी, जिला बलसार में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1975
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2507 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री 1. कुंवर वासनजी,

2. भीखाभाई वासनजी,

कोलसना, ता० नवसारी, जि० बलसार।

(अन्तरक)

(2) मारोली विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०,
कल्याण नगर, मारोली ता० नवसारी जिला बलसार।

प्रमुख : नरसिंहभाई गोर्धनभाई भवता।

उपप्रमुख : धीरूभाई नाथुभाई गांधी

सेक्रेटरी : धनजीभाई कालीदास भवता। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निदेश नं० 336/ए०सी०एन० 23-545/7-4/75-76—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है औरजिसकी सं० ब्लाक नं० 68 है, तथा जो कोलसना, ता० नवसारी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

12-76 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 68 कुल माप 1 एकड़ 38
गुंथा है तथा जो कोलसना, ता० नवसारी, जिला बलसार में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1975 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2508 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निदेश नं० 337/ए०सी० क्यू० 23-545/7-4/75-76-
अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 72 है, तथा जो कोलसाना, त० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री सुलेमान इसप कारडीवाला
गांव : टामील, त० नवसारी

(अन्तरक)

2. मारोली विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०
कल्याण नगर मारोली, त० नवसारी
जिला बलसार ।

प्रमुख : नरसिंहभाई गोर्धनभाई भवता

उप प्रमुख : धीरूभाई नाथूभाई गांधी

सेक्रेटरी : धनजीभाई कालीदास भवता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक नं० 72, कुल माप 3 एकड़ 14 गुंथा है तथा जो कोलसाना, त० नवसारी, जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2509 में प्रदर्शित है ।

पी० न० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 13-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेक्टर 9-वी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/383/75-76—

अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो काराबारा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह, पुत्र श्री गंडा सिंह,
निवासी लादिया कलां,
तहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. भै० खीना लैडस प्राइवेट लिमिटेड,
आर्या स्कूल रोड, लुधियाना,
द्वारा श्री गुरबयाल सिंह साक्की,
मैनेजिंग डाइरेक्टर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल, जोकि काराबारा, तहसील लुधियाना में स्थित ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4595 अगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखी है ।)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 19 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निदेश सं० सी०एच०डी०/449/75-76/—अतः मुझे
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 29 कनाल मरले भूमि है तथा जो गांव मौली
जगरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रौणकी, पुत्र रोडल, गांव मौली जगरा, यू० टी०.
चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. (i) श्री बूटा राम, (ii) श्री मुनशी राम, (iii) श्री इकबाल
चन्द, पुत्र श्री गंगा राम निवासी मकान नं० 112, सैक्टर
27-ए०, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

29 कनाल 4 मरले भूमि जो कि गांव मौली जगरा, यू० टी०
चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 653, अगस्त 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ में लिखा है ।)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 19 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० के० एच० आर०/1419/75-76/—अतः मुझे
श्री० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 कनाल 14 मरले, भूमि, पांच शैंड है
गोकल आयल एण्ड जनरल मिलज के नाम से प्रचित सम्पत्ति का
एक भाग जो कुराली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० गोकल आयल एण्ड जनरल मिलज, कुराली, द्वारा
श्री सोहन लाल हिसेदार ।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमति बिमला देवी पत्नी श्री सोहन लाल (ii) श्रीमति
निर्मला देवी, पत्नी श्री कृष्ण चन्द, द्वारा श्री विष्णु भगवान,
कुराली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1 कनाल 14 मरले, भूमि पांच शैंड : गोकल आयल एण्ड
जनरल मिलज के नाम से प्रचित सम्पत्ति का एक भाग जो कि
कुराली में स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2230 अगस्त 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय में लिखा है ।

श्री० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 19 अप्रैल, 1976.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 अप्रैल 1976

निर्देश सं० के०एच०आर०/1420/75-76/—अतः मुझे जी० पी० सिंह

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 कनाल 5 मरले भूमि श्रृंखला है पानी का टैंक और कमरों सहित तथा जो कुराली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गोकल आयल एण्ड जनरल मिल्ज, कुराली, द्वारा श्री सोहन लाल, हिसेदार ।

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमती तारा बती, पत्नी श्री नाथी राम (ii) श्रीमती विद्या बती, पत्नी श्री नन्हा खरड़, द्वारा श्री प्रेम चन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4 कनाल 5 मरले भूमि श्रृंखला कमरे और पानी के टैंक सहित जो कि कुराली में स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2234, अगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय में लिखा है ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 19 अप्रैल, 1976
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निदेश सं० पी०वाई०एल०/1705/75-76/—अतः मुझे, जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 27 बिघा 19 बिस्वे है तथा जो गांव अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पायल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह उर्फ उँगर, निवासी गांव अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील और जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी गांव अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील और जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 27 बिघे 19 बिस्वे जो कि गांव अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1047, अगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पायल के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 20 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 अप्रैल 1976

निदेश सं० पी०वाई०एल०/1706/75-76/—अतः मुझे
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 27 बिघे 14 बिस्वे है तथा जो
गांव अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पायल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह ऊर्फ डेगार निवासी गांव अड्डेचे डाकघर
दोराहा तहसील और जिला लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री बलविन्दर सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी गांव
अड्डेचे, डाकघर दोराहा, तहसील और जिला लुधियाना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 27 बिघे 18 बिस्वे जो कि गांव अड्डेचे
डाकघर दोराहा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 1058 अगस्त, 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पायल के कार्यालय में लिखा है ।

जी० पी० सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 20 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 अप्रैल 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/384/75-76/—अतः मुझे
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 बिघे 8 बिस्वे और 13 बिस्वासी
है तथा जो डोलेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

13—76 GI 76

1. श्री प्यारा सिंह, पुत्र गनेशा सिंह, निवासी प्रेम नगर
लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमति गुरबचन कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह निवासी
मुहल्ला प्रेम नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बिघे, 8 बिस्वे और 13 बिस्वासी जो कि
डोलेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 4617 ए० अगस्त, 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 26-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०ए०ए०/भोपाल-76-77/
फा०/599—अतः मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. डा० भय्यालाल श्रीवास्तव पुत्र श्री कामता प्रसाद
श्रीवास्तव म० सं० 1922, राईट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री भगतानलाल कोदियार और लीला धर कोदियार
पुत्र श्री रत लाल निवासी सरायपल्ली, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(प्लॉट नं० 128 जोकि मदन महल, राईट टाउन, जबलपुर
में स्थित है)

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-4-1976

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आर्द्ध०ए०सी०ए०बी०/भोपाल/76-77/फ० नं०
600—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट मकान है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 9-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० एच० साजिदा सुल्तान बेगम पुत्री स्वर्गीय एच०
एच० नवाब हमीदुल्ला खां, द्वारा एटानी श्री सईद ए०
रहीम पुत्र श्री अब्दुल अजीज साहब, अहमदाबाद, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्रीमती हुमा रहमान पत्नी मोहम्मद दाउद-उर-
रहमान अहमदाबाद, भोपाल वर्तमान पता—श्रीमति हुमा
दाउद-रहमान पत्नी श्री मोहम्मद दाउद-उर-रहमान
वाइस कान्सिल, ब्रिटिश इम्बेसी, दुबई, युनाइटेड अरब
इम्पाइरेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट आँट मकान उर्फ बिजली घर जो कि कोटोफिजा
करबला रोड भोपाल में स्थित है ।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-4-1976
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०एन०बी०/भोपाल 76-77/
फा० नं० 601 अतः मुझे बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट मकान-1 है, जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 14-8-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री छोटे लाल पुत्र स्व० राम प्रसाद टेलर, इतवार
भोपाल ।

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री राधे श्याम गनोही सराफा चौक
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट और मकान इतवार में अन्दर की तरह वार्ड नं० 16
भोपाल में स्थित है ।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7-4-76

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्वी/भोपाल 76-77/फा० नं०
602—अतः मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) बेगम सुरईय रशीद नेवा परिन नवाब जवारशीद
(ii) श्री यावर रशीद (iii) महबानो (iv) नीलाफट
सभी पुत्र और पुत्री स्व० नवाब आदा अफर खां साहब निवासी
16 श्यामला हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. 1. श्री सत्यदेव 2. श्री विजय मेहता सभी पुत्र श्री
जसवंत राम मेहता

निवासी 16 ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13 स्थित नाहिर कालोनी श्यामला हिल्स भोपाल,
क्षेत्रफल 5277 वर्गफुट ।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 2-4-76

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल, 1976

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्सी०/भोपाल-76-77/फन 601—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश चन्द्र चिमन लाल लाड, श्री मति चंद्रकास्ता पत्नी सुरेश चन्द्र लाड निवासी स्नेह लता गंज इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र चिमन लाल लाड श्री मति सुशीला आई पत्नी श्री रमेश चन्द्र लाड श्री विजय कुमार और इन्द्रेण कुमार पुत्र श्री रमेश कुमार लाड निवासी "साई बिहार" 11/3 मीरा पथ इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान "साई बिहार" बियरिंग नं० 11/3 मीरा पास कालौनी, नेहरू पार्क के पास इन्दौर।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7-4-76

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 76-77/फ०न०/610

अतः मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री शांती लाल पुत्र श्री बयाराम ठक्कर (ii) श्री
मोहन लाल पुत्र श्री बयाराम 145 इसली बाजार
इन्दौर।

(अन्तरक)

कान्ती देवी पतिन विजय कुमार महेश्वरी महाजन
निवासी यशवंत रोड,
सीता बिल्डिंग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 105/2, ब्लॉक नं० 11 बल्लभ नगर इन्दौर।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०एन०, भोपाल—अतः, मुझे वी०
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 13-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम चन्द्र पुत्र नन्द राम महाजन निवासी दोलत गंज,
शाजापुर।

(अन्तरक)

2. (i) श्री श्रीमल (ii) श्री राजमल (iii) श्री लक्ष्मी-
नारायण पुत्रगण श्री हरकचंदजी महाजन निवासी बदोड़िया
जिला शाजापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/974 दोलतगंज, उज्जैन।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-4-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई०ई०सी० एक्पू०, भोपाल—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

14—76GI/75

1. श्री रामचन्द्र नन्द राम महाजन निवासी दौलत गंज, उज्जैन ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीमल राजमल और लक्ष्मी नारायण श्री हरकचंदजी महाजन निवासी गांव बदोडिया, जिला शाजापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2/974 स्थित दौलतगंज, उज्जैन ।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 7-4-76

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्यू० भोपाल,—अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृपाराम पुत्र स्व० हरीराम खुराना निवासी 981, नेपीयर टाऊन, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री तपेन्द्रकुमार भादुरी पुत्र स्व० आर० के० भादुरी निवासी 631 महातालड़ जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 981 ई, नेपीयर टाऊन स्थित प्लॉट नं० 3 ब्लॉक नं० 4, नेपीयर टाऊन जबलपुर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 8-4-76
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०/ई० 2/20/33/3689/75-76—अतः,

मुझे एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अंतिम प्लॉट नं० 21 टी०पी० एस० 2 सी०टी०
एस० नं० जी/24 है, जो सांताक्रुज में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 29-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लीलावती सुन्दरलाल (अन्तरक)
2. श्रीमती नानाबाई कल्याणजी भगत की पत्नी श्रीर कुमारी
मंजुलाबेन भगनलाल शाह । (अन्तरिती)

3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

बृहत् बम्बई में, डांडा में सांताक्रुज पर स्थित एवं अवस्थित भूमि
अथवा मैदान का, उस पर बनी इमारतों सहित वह तमाम भाग अथवा
खंड जो कि पैमाइश में 4717 वर्गगज अर्थात् 3943-88 वर्गमीटर
या उसके समकक्ष है, उसका सांताक्रुज टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 2
की फायनल प्लॉट नं० 21 है और केरला नगर की नाम से ज्ञात
है और बांद्रा की सी०टी०एस० संख्या जी/24 है तथा म्युनिसिपल
'एच०' वार्ड संख्याएं 3327 (1), (2), (3), (4) और
(4 ए) तथा स्ट्रीट संख्याएं 42ए, 42बी, 42सी, 42डी और
42ई हैं, वह टागोर रोड, सांताक्रुज में है और जिसकी सीमाएं
इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर टागोर रोड
है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर स्कीम की फायनल प्लॉट
संख्या 22 है और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर स्कीम की फायनल
प्लॉट संख्या 16 है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर स्कीम की
फायनल प्लॉट संख्या 26 है ।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई ।

दिनांक : 9 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई० 5/383/75—अतः मुझे जे० एम०
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 1000 और सी०टी० एस० नं० 1250/11 है, जो मुलुंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पुनमचंद प्रेमजी

(अन्तरक)

2. (1) मिसेस मंजुला कांतीलाल पारेख
(2) विपुल कांतीलाल पारेख

(अन्तरिती)

3. मेसर्स महादेव बेलजी पटेल एण्ड अदर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में मुलुंड में झावेर रोड पर स्थित है एवं भूमि का वह तमाम भाग अथवा खंड जो पैमाइश में सी० टी० सर्वेक्षण रेकार्ड के मुताबिक 798 वर्ग गज अर्थात् 667.20 वर्ग मीटर अथवा उसके समकक्ष है । तथा जो सर्वे सं० 1000 होने की वजह से प्लॉट सं० 75 बी (पार्ट) है और 76 बी (पार्ट) है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं कि दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लॉट है जिनकी संख्या 75 ए और 76 ए है । उत्तर में अथवा उत्तर की ओर झावेर रोड है । पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट सं० 75 बी है और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट सं० 76 पार्ट है ।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

दिनांक : 13-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई० 5/390/75-76—अतः मुझे

जे० एम० मेहरा 12

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० 26(पार्ट), 162 हि० सं० 4, प्लॉट नं० 17 है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवनीत लाल शेटे

(अन्तरक)

2. श्री रोशनलाल के० शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उप नगर के रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिले में घाटकोपर में आगरा रोड पर स्थित, जिसकी सर्वे सं० 26 (पी०), 162 हिस्सा सं० 4 (पी) प्लॉट सं० 17 है तथा जो पैमाइश में 1109 वर्ग मीटर है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5 बम्बई

दिनांक : 13-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई०-5/381/75-76—अतः मुझे जे० एम० मेहरा

3

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे नं० 63, सी०टी०एस० नं० 752, है, जो व्होलेज नाहुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नलिनी बाबुराव पवार

(2) श्री लक्ष्मण बाबुराव पवार

(अन्तरक)

2. गोपीप्रसाद शिमनलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में गोरगांव मुलुंड लिंक रोड पर ग्राम नाहुर स्थित भूमि जो कि पैमाइश में 1824 वर्गगज अर्थात् 1526 वर्ग मीटर के बराबर है, उसका सर्वे सं० 63, सी० टी० एस० नं० 752 है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 15-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सायमन डोमिनिक गोम्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई० 5/393/75/—अतः मुझे जे० एम० मेहरा
15

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 51 हि० नं० 18 (पार्ट) है, जो व्हेलेज मोहिली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री रतिलाल व्ही० व्हेरा और अन्य

- | | | |
|------------------------------|---|---|
| (1) रतिलाल बल्लभजी बोरा | } | भागीदार
मेसर्स समहिता
इंडस्ट्रियल
एन्टरप्राइसेस
37, हमाम
स्ट्रीट फोर्ट,
बम्बई-1 । |
| (2) किरित त्रिभोवनदास बोरा | | |
| (3) मनीलाल जीवराज मेहता | | |
| (4) किशोर मनीलाल मेहता | | |
| (5) दिनेश मनीलाल मेहता | | |
| (6) शान्तीलाल अमृतलाल वैद | | |
| (7) विजय शान्तीलाल | | |
| (8) कावसजी जमासजी उन्नीगर | | |
| (9) लक्ष्मनदास छगनलाल मटीर | | |
| (10) प्रेम लक्ष्मनदास भाटिया | | |
| (11) मदन लक्ष्मन दास भाटिया | | |
| (13) मुकेश लक्ष्मनदास भाटिया | | |

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले में तालुका कुर्ला के ग्राम मोहिली में स्थित एवं अवस्थित भूमि का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 2000 वर्ग गज अर्थात् 1672.25 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, जिसकी सर्वे सं० 51; हिस्सा सं० 18 (पार्ट) तथा सीटी सर्वे सं० 783 है ।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 15-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ० रें० 1/1268-II/अगस्त, 75—अतः मुझे,
व्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी०एस० नं० 2874 और 2875 भूलेखन
डिवीजन है जो सावजी पटेल टैंक रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम',
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिहारी लाल राम चरण कॉटन मिल्स
लिमिटेड (अन्तरक)
2. सोनारिका इस्टेट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई टापू में फोर्ट के इलाका, कावास जी पटेल टैंक रोड
पर स्थित एवं अवस्थित जीमन अथवा मैदान और उस पर बनी
वाड़ी अथवा निवास घर और अन्य इमारतों सहित वह
तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि "चंदा वाड़ी" अथवा "चन्द्र बाग"
के नाम से जाना जाता है वह उक्त कावासजी पटेल टैंक रोड के सामने
है तथा बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले के पश्चिम की ओर है, वह
पैमाइश में नौ हजार पच्चीस वर्ग गज अर्थात् 7545.80
वर्ग मीटर के बराबर या उसके लगभग है उसकी कलक्टर की
पुरानी संख्याएं 58, 140,642, कलक्टर की नई संख्याएं 543,
1217, 2981 और 2982, पुरानी सर्वेक्षण संख्याएं 2 नवी सर्वेक्षण
सं० 2/7480 भूलेखन डिवीजन की सी० एस० सं० 2874
और 2875 है और उस की निम्नलिखित म्युनिसिपल संख्याएं
भी हैं। सी० वाई सं० 657ए(2) स्ट्रीट सं० 178 सी० वाई
सं० 547 ए(2) स्ट्रीट सं० 178 सी० वाई संख्याएं 647ए०
(1ए), 1(बी), 1(सी), और 1 (सीसी) और 1 (सीसी)
स्ट्रीट संख्याएं 13ए, 126ए, 25ए, 25 एए सी० वाई संख्याएं
6474(2ए), (3,4,5), (6ए, 7,6), 7, 8,8ए, 10, 11,
15, 16 स्ट्रीट सं० (138, डी०डी०), 134, 136, 125ए०, 138,
138ए०, 18ए० और इस प्रकार से घिरा है कि उत्तर में अथवा
उत्तर की ओर अंशतः खेत वाड़ी मेन रोड है और अंशतः वह प्रापट्री
है जिसका सी० एस० सं० 2873, है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर
अंशतः उक्त कावासजी पटेल टैंक रोड है और अंशतः प्रापट्री है जिसका
सी० एस० सं० 2873 और पश्चिम में अथवा पश्चिम की
अंशतः कावसजी मानेकजी भांडूपवाला की अग्यारी है और
अंशतः स्वोपर्स पैसेज है और उसके बाद प्रापट्री है, जिनकी सी०
एस० संख्याएं 2873 और 2893 हैं।

व्ही० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 14 अप्रैल, 1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० 1/1277-20/अगस्त, 75—अतः मुझे,
बी० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2/189 ताडदेव डिवीजन है,
जो ग्रेट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 13-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

15—76GI/76

1. श्री सोरब फिरोज जहांगीर (अन्तरक)
2. श्री पी० के० दोशी और अन्य (अन्तरिती)
3. श्री पी० के० दोशी और अन्य

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई द्वीप और रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई में ग्रांट रोड
पर स्थित फोरस टेम्पोर (मोचित) भूमि का वह तमाम भाग
अथवा खण्ड, जिसमें दाय (हेराडिटामेंट्स) और प्रिमिसिस जिसमें
सिनेमा थियेटर है जो कि 'सुपर सिनेमा' के नाम से जाना जाता है को
शामिल करके जो पैमाइश में 1665 वर्गगज, अर्थात् 1392.10
वर्गमीटर के समकक्ष या थोड़ा कम ज्यादा है तथा जो भूराजस्व
के कलक्टर की पुस्तकों में अन्य भूमि के साथ कलक्टर की पुरानी
सं० 2 नयी संख्याएं ए०/13465, एए/13465, एबी/13465
और 13466 के अधीन पंजीकृत है और ताडदेव डिवीजन की
कंडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 2/189 का भाग है और जिसका निर्धारण
म्युनिसिपल दर और कर के अस्सेसर और कलक्टर ने 66 डी
'वाइ' सं० 3945-49(1) के अधीन किया है। और स्ट्रीट
संख्याएं 2,4 और 6 इरेन्छा हाकिम रोड और 325 और 334
ग्रांट रोड, जिसमें कि कथित भूमि दाय (हेराडिटामेंट्स) और प्रिमि-
सिस इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर
प्रापटी है जो कि डा० इरेक्शा हाकिम की एस्टेट है, दक्षिण में
अथवा दक्षिण की ओर ग्रांट रोड है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर
अर्थात् प्रापटी है जो कि बड़ा करीम जिसे करीम विल्डिंग
कहते हैं वह है और अर्थात् सैयद मोहम्मद बोशा की प्रापटी है
और पश्चिम में अथवा पश्चिम इरेन्छा हाकिम रोड है।

बी० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई।

तारीख : 14 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० 4/ए० पी० 214/76-77—अतः, मुझे,
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० सी० टी० एस० सं० 1309/14 है, जो विल्हेज वर्सोवा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनुसया कांती लाल शाह, पंडीत नेहरू मार्ग, जाम
नगर, गुजरात (अन्तरक)
2. श्री हरकांत केशवलाल शाह, 11-बी०, ग्रेड पराडी,
अगस्त कांती मार्ग, बम्बई (अन्तरिती)

3. 1. श्री अनुसया कांती लाल शाह,
2. अरविंद कुमार कांतीलाल शाह
3. प्रवीणचन्द्र चंमकलाल शाह

4. चंद्रकांत शिवलाल राजपारिया, ये साजेदार के रूप में
मैसर्स एस० आर० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी की फर्म में बिजनेस कर रहे
हैं। सभी कस्तुर बिल्डिंग, स्टेशन रोड, आमनगर, गुजरात
से संबंधित है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिले बांद्रा में अंधेरी
वर्सोवा रोड पर वर्सोवा में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह
तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश में 309 वर्ग मीटर या
उसके बराबर है अर्थात्, 466 वर्ग गज के बराबर है उसकी बेंडर्स
की प्राइवेट लेआउट स्कीम की सी० टी० एस० सं० 1309/
14 है और जो इस प्रकार घिरी हुई है कि पूर्व में अथवा पूर्व की
ओर 30 फुट चौड़ी सड़क, है पश्चिम में अर्थात् पश्चिम की ओर
सी० टी० एस० सं० 1309/13 है, उत्तर में अथवा उत्तर की
ओर सी० टी० एस० सं० 1309/11 है दक्षिण में अथवा दक्षिण
की ओर सी० टी० एस० सं० 1309/15 है।

जी० ए० जेम्स,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 15 अप्रैल, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई०-4/ए० पी०-215/76-77—अतः मुझे
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 1300/10 है, जो व्हिसेज
बसोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनुसया कांतीलाल शाह, पंडित नेहरू मार्ग, जामनगर,
गुजरात। (अन्तरक)
2. श्री बंकीम चंद्रकांत शाह, 167, रेडीमनी टेरेस,
डा० ए० बी० रोड, बरली, बम्बई-400018।
(अन्तरिती)

3. व्यक्ति, जिन्हें अधोहस्ताक्षरी यह जानता है कि वे प्रापटी
में हितबद्ध हैं;

1. अनुसया कांती लाल शाह
2. अरविंदकुमार कांतीलाल शाह।
3. प्रवीणचंद्र चम्पकलाल शाह।
4. चंद्रकांत शिवलाल राजपारीया

ये साक्षेदार (पार्टनर्स) के रूप में मैसर्स एस० आर० कन्स्ट्रक्शन
कंपनी की फर्म में बिजनेस कर रहे हैं। सभी कस्तुर बिल्डिंग, स्टेशन
रोड, जामनगर, गुजरात से सम्बन्धित हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिले बांद्रा में अंधेरी
बसोवा रोड पर बसोवा में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह
तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश में 359.1 वर्गमीटर या
उसके बराबर है अर्थात् 429 वर्ग गज के बराबर है उसकी वेंडस की
प्राईवेट लेआउट स्कीम को सी० टी० एस० सं० 1309/10 है
और जो इस प्रकार घिरी हुई है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर
30 फुट चौड़ी सड़क है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सी०
टी० एस० सं० 1309/9 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर
सी० टी० एस० सं० 1309/8 है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की
ओर सी० टी० एस० सं० 1309/11 है।

पी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 15-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

निर्देश सं० अ० ई० 4/ए० पी० 216/76-77—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 1309/9 है, जो विल्हेज वसोंवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनुसया कांतीलाल शाह, पंडीत नेहरू मार्ग, जामनगर, गुजरात। (अन्तरक)
2. श्री हंसमुखलाल शिवलाल शाह, 21 अरविंद ऐस्टेट, पटेल कालोनी, जामनगर, गुजरात। (अन्तरिती)
3. व्यक्ति, जिन्हें अधोहस्ताक्षरी यह जानता है कि वे प्रापटी में हितबद्ध हैं :—
1. अनुसया कांतीलाल शाह।
2. अरविंदकुमार कांतीलाल शाह।
3. प्रवीणचन्द्र चम्पकलाल शाह।
4. चंद्रकांत शिवलाल राजपारोया।

ये साक्षेदार (पार्टनर्स) के रूप में मसर्स एस० आर० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी की फर्म में बिजनेस कर रहे हैं। सभी कस्तूर बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जामनगर, गुजरात से संबंधित हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिले आंब्रा में अंधेरी वसोंवा रोड पर वसोंवा में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश में 480 वर्गमीटर या उसके बराबर है अर्थात् 574 वर्गगज के बराबर है उसकी वेंडर्स की प्राईवेट लेआउट स्कीम की सी० टी० एस० सं० 1309/9 है और जो इस प्रकार घिरी हुई है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर सी० टी० एस० सं० 1309/10 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सी० टी० एस० सं० 1309/7 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर सी० टी० एस० सं० 1309/8 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर सी० टी० एस० सं० 1309/11 है।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15-4-1976।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ए० आर० 4/ए० पी०-217/76-77—यतः
मुझे जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० पार्ट-सर्वे नं० 41, प्लॉट नं० सी०-20, है, जो
ओशिव ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 30-8-1975 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों प्रार्थित :-

1. श्रीमती विनोदीनी वसन्तराय संघवी, 'सीधी प्रीयान',
नवयुग सोसायटी, जुहू डेवलेपमेन्ट स्कीम, वीले पार्क (4),
बम्बई-400056 (अन्तरक)

1. मैसर्स लज्जा डार्डिंग ऐण्ड बिल्विंग वर्क्स, साझेदारी फर्म
जिसके साझेदार हैं :—

- (1) श्री सोमनाथ द्वारकादास सेठ,
- (2) श्री कालीचरन द्वारकादास सेठ और
- (3) श्रीमती लज्जावती द्वारकादास सेठ,

सभी 31, मोगरा, नागरदास रोड, अंधेरी (ई०), बम्बई-
400069। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर में जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन
उपजिले में ग्राम ओशिवरा में स्थित एवं अवस्थित जमीन
अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो पैमाइश में 1500 वर्ग गज
अर्थात् 1254.64 वर्ग मीटर के लगभग है, वह स्वीकृत नक्शा
(ले-आउट) के सर्वे संख्या 41 प्लॉट संख्या सी०-20 का भाग है
और वह निम्न प्रकार से घिरा हुआ है। पूर्व में अथवा पूर्व की ओर
प्लॉट सं० सी० 21 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सी०
19 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क है और
दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर इस स्कीम का ब्लॉक 'डी' है।

जी० ए० जेम्स,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ए० आर० 4/ए० पी०/218/76-77—यतः
मुझे जी० ए० जेम्स,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पार्ट सर्वे 41, प्लॉट नं० सी० 19 है जो ओशिवरा
ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-8-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विनोदिनी वसन्तराय संघवी, सीधी प्रीयाग,
नव युग सोसायटी, जुहू डेवलपमेंट स्कीम, वीले पारले (4),
बम्बई-400056। (अन्तरक)

2. मिसर्स लज्जा डाईंग ऐण्ड ब्लीचिंग वर्क्स, साझेदारी फार्म
जिस के साझेदार हैं :—

1. श्री सोमनाथ द्वारकादास सेठ

(2) कालीचरण द्वारकादास सेठ और

3. श्रीमती लज्जावती द्वारकादास सेठ

सभी 31 मोगरा नागरदास रोड, अंधेरी (ई०), बम्बई-
400069। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बंबई में बम्बई नगर में जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन
उपजिले में ग्राम ओशिवरा में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा
मैदान का वह तमाम भाग जो पैमाईश में 1500 वर्गगज अर्थात्
1254.64 वर्ग मीटर के लगभग है, वह स्वीकृत नकशा (ले-आऊट)
के सर्वे संख्या 41 प्लॉट संख्या सी-19 का भाग है और वह निम्न
प्रकार से घिरा हुआ है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट संख्या सी०
18 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सी० 20 है दक्षिण में
अथवा दक्षिण की ओर 44' चौड़ा सड़क, और उत्तर में अथवा
उत्तर की ओर इस स्कीम का ब्लॉक 'डी' है।

जी० ए० जेम्स,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ए० आर 4/रा० पी० 219/76-77—यतः
मुझे जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पार्ट सर्वे नं० 41, प्लॉट नं० सी०-18 है, जो ओशिवरा ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विनोदिनी वसन्तराथ संववी, सीधी प्रीयाग, नवयुग सोसायटी, जुहू डेवलपमेंट स्कीम, वीले पारले (4), बम्बई-400056। (अन्तरक)

2. श्री मैमर्ज लज्जा डाईग ऐण्ड ब्लोचिंग वर्क्स, साझेदारी फर्म जिसके साझेदार हैं:—

1. श्री सोमनाथ द्वारकादास सेठ,

2. श्री कालीचरन द्वारकादास सेठ और

(3) श्रीमती लज्जावती द्वारकादास सेठ

सभी, 31 मोगरा, नागरदास रोड, अंधेरी (ई), बम्बई-400069।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर में जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में ग्राम ओशिवरा में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो पैमाइश में 1500 वर्ग गज अर्थात् 1254.64 वर्ग मीटर के लगभग है, वह स्वीकृत नक्शा (ले-आउट) के सर्वे संख्या 41, प्लॉट सं० सी०-18 का भाग है और वह निम्न प्रकार से घिरा हुआ है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर इस स्कीम का ब्लॉक डी है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट सी०-17, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क है।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ए० आर० 4/ए० पी०/220/76-77—अतः मुझे

जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पार्ट सर्वे नं० 41, प्लॉट नं० सी०-21 है, जो ओशिवरा ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विनोदीनी वसन्तराय संघवी, सीधी प्रियाग, नवयुग सोसायटी, जुहू डेवलपमेंट स्कीम, वील पारले (4), बम्बई-400056। (अन्तरक)

2. मैसर्स लज्जा डाईंग एण्ड बिलचिंग वर्क्स सोसेदारी फर्म जिसके साझेदार हैं :—

(1) श्री सोमनाथ द्वारकादास सेठ,

(2) कालीचरण द्वारकादास सेठ और

(3) श्रीमती लज्जावती द्वारका दास सेठ,

सभी 31 मोगरा, नागरदास रोड़, अंधेरी (ई), बम्बई-400069। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर में जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में ग्राम ओशिवरा में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो पैमाईश में 1500 वर्गगज अर्थात् 1254.64 वर्ग मीटर के लगभग है, वह स्वीकृत नक्शा (ले आउट) के सर्वे संख्या 41 प्लॉट संख्या सी-21 का भाग है और वह निम्न प्रकार के घिरा हुआ है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट नं० सी-22 और सी-23, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट नं० सी-20, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर इस स्कीम का ब्लाक डी है।

जी० ए० जेम्स,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-4-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1974

निर्देश सं० ए० आर० 4/ए० पी० 221/76-77—अतः मुझे श्री जे० ए० जेम्स, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पार्सल नं० 41, प्लॉट नं० सी-16 है, जो ओशिवाग ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-10-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
16—76GI/76

1. श्रीमती (बनोदनी वसन्तराव संघवी, सीधी प्रीयाग, नवयुग सोसायटी, जुहू डेवलपमेंट स्कीम, वाले पारले (4), बम्बई-400056। (अन्तरक)

2. मैसर्स युनिफार्म इन्जीनियरिंग का०, साक्षेदारी फर्म जिसके साझेदार हैं :—

1. श्री जसवन्तलाल बुलाखीदास शाह

2. श्री अशोक अकरलाल शाह और

3. श्री कीरीट सकराल शाह

व्यापार की जगह 222, जवाहर नगर, गंगेगांव (पश्चिम), बम्बई-400062। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर में जिला बान्द्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में ग्राम ओशिवाग में स्थित एवं अर्वास्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो पैमाईश में 1500 वर्गगज अर्थात् 1254.64 वर्ग मीटर के लगभग है, वह स्वीकृत नक्शा (ले-आउट) के सर्वे संख्या 41, प्लॉट संख्या सी-16 का भाग है और वह निम्न इस प्रकार से घिरा हुआ है—पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट नं० सी-16, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर इस स्कीम का ब्लॉक डी है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लॉट सी 17 और 44 फुट चौड़ी सड़क, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर 44 फुट चौड़ी सड़क है।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख : 14-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आई० सं० 3/820/अगस्त 75—अतः मुझे श्री आर० जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 35 (अंश) है, जो मौजे पहाडी गोरेगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० डी० ठाकुर, 197, मेघदूत, टर्नर रोड, बान्द्रा, बम्बई। (अन्तरक)

2. पारस गोरेगांव (को० आ० प०), हाउसिंग सोसायटी लि० एस० सं० 35, एस० व्ही० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62। (अन्तरिती)

3. पारस गोरेगांव कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड के मेम्बर्स, 1. श्रीमती इनफास धामस बास, 2. डा० आर० व्ही० बालीगा, 3. डा० व्ही० व्ही० शोनाय, 4. श्री एस० बी० कुकीयन, 5. श्रीमती एन० व्ही० बम्बारडेकर, 6. श्रीमती एल० आर० सालीअन, 7. श्री एस० व्ही० पोतनीस, 8. श्रीमती एन० के० बाने, 9. श्री एस० जे० गुते, 10. श्री जे० आर० जोशी, 11. श्री पी० जी० बेंकटेश्वरन अय्यर, 12. श्री पी० पी० बारडेशकर, 13. श्री आर० आर० गौनकर, 14. श्री एन० के० भालेराव, 15. श्री जी० एम० म्हाडोलकर, 16. श्रीमती म्हाडोलकर फर्नांडीस, 17. श्रीमती एस० एस० भोगटे, 18. श्री बी० डी० ठाकुर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के उपनगर जिला के रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई उपनगर और उप रजिस्ट्रेशन जिला बान्द्रा में बोरीवली ताल्लुका के गोरेगांव (पश्चिम) के मौजे पहाडी पर स्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 1299 वर्ग गज अर्थात् 1082.5 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है सर्वेक्षण सं० 35 और म्युनिसिपल संख्याएँ का भाग है उसकी सीमाएं निम्न-प्रकार से घिरी हुई है अतः पूर्व में अथवा पूर्व की ओर एस० बी० पडनेकर और आर० एस० धाभोलकर की जमीन है और घाड़बंदर रोड है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर तथा पश्चिम की ओर महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड उन्नत नगर, की जमीन है तथा उत्तर में अथवा उत्तर की ओर डिगे ब्रादर्स की जमीन है और गावान की जमीन है।

आर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 6-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० सं० 3/819/अगस्त, 75—अतः मुझे श्री आर०जी० नेरुरकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1 और नयी सर्वेसं० 172 हिस्सा सं० 2 है, जो बोरीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. 1. ओमप्रकाश बदलाराम वरुण,

2. बिहारीलाल मूलचंद वरुण

3. सुगनीदेवी रामप्रसाद छोखरा

4. नर्वदा रामनिवास महेश्वरी

5. प्रभाशंकर सुगनचंद साबू

6. सुगनचंद हीरालाल साबू

7. रामचन्द्र हरदेव गोधारबल

पार्टनर्स मैसर्स आलोक एस्टेट्स 5, मानव मंदिर रोड, बम्बई-6 (अन्तरक)

2. नवराज हंस कोआपरेटिव हा० सो० लि०, 307, नवराज हंस रोडकिया लेन, एस० व्ही० पी० रोड, बोरीवली, (प०) बम्बई-92। (अन्तरिती)

3. नवराज हंस सोसायटी के मੈम्बर्स :—

- | | |
|--|----------------------------|
| 1. श्रीमती आर० एन० दल्वी | 20. श्री ए० एच० प्रभू |
| 2. श्रीमती के० एस० सोनी | 21. श्री आर० दवे |
| 3. श्री के० जी० शाह | 22. श्री पी० बी० पै |
| 4. श्रीमती एच० एम० बरुआ | 23. श्रीमती सी० जे० मेहरा |
| 5. श्री एन० पी० लहोटी | 24. श्री एल० एम० व्यास |
| 6. श्री जी० बी० गोखले | 25. श्रीमती पी० के० सिंग |
| 7. श्रीमती उमा गोयल | 26. श्री आर० जे० हातीवामन |
| 8. श्री केशू मिस्त्री | 27. श्रीमती एस० डी० धुरंधर |
| 9. श्री जी० के० पाटनकर | 28. श्रीमती एस० एन० देसाई |
| 10. श्री एस० बी० देशपांडे | 29. श्री एन० आर० परीख |
| 11. श्री जी० एम० मिसे | 30. श्री जे० पी० शाह |
| 12. श्री डी० के० सूवर्णा | 31. एम० एम० शेठ |
| 13. श्री के० ए० पंडीत | 32. जी० एच० शाह |
| 14. श्री एम० राघवन | 33. बी० व्ही० शाह |
| 15. श्री एम० बी० पट्टा, 34. जे० ए० पीपारीआ | |
| 16. श्री के० जे० सोनी | 35. एम० आर० वासानी |
| 17. श्री एम० एम० ओझा | 36. श्रीमती पी० एम० देसाई |
| 18. श्री पी० डी० शाह | 37. एस० एस० वानगनकर |
| 19. श्री जे० के० शाह | 38. श्री एल० एन० मिस्त्री |

39. जी० आर० अग्रवाल 65. श्री एम० जी० आर० नायर
40. टी० के० शेठी 66. श्री डी० टी० पटवर्धन
41. बी० एस० माली 67. श्री एस० व्ही० सप्रे
42. श्रीमती के० जी० गुप्ता 68. श्रीमती व्ही० जी० चम्पानेरी
43. डी वी० चंदानानी 69. श्री जी० बी० चम्पानेरी
44. श्रीमती एस० बी० वीक्षित : 70. श्रीमती पी० मलकीत सिंह
45. भूरमल जागु 71. श्रीमती एम० व्ही० व्यास
46. ए० जी० रानाडी 72. श्री व्ही० डी० उत्तरकर
47. श्रीमती एस०एस० राव 73. श्री एस० व्ही० जोशी
48. डब्ल्यू० एस० कोर-गांवकर 74. श्री डी० टी० कामदार
49. ए० के० कोडकिया 75. श्री डी० पी० कुकी
50. एच० एस० ठाकुर 76. श्री एन० एम० भट
51. श्रीमती के० के० शाह 77. श्री बी० एन० माणेक
52. श्रीमती टी० वी० जगीर । 78. श्री एम० आर० वाघवा
53. श्रीमती एल० जे० चतुर्वेदी 79. श्री एस० जी० गुप्ता
54. श्रीमती एच० सी० शाह 80. श्री के० के० जोशी
55. आर० आर० मेहरा 81. श्री वाय० एस० तिल्लू
56. श्री एम० एस० दुग्गल 82. श्री पी० के० शाह
57. बी०एस० रामबम्भानी 83. श्री एस० गजेन्द्रन
58. श्रीमती के० आर० बोशी 84. श्री के० बेलनाकहन
59. श्रीमती सी० एन० मेहता 85. श्री वी० जे० भांडारकर
60. श्री ए० एल० चुषओफ 86. श्री एम० आर० ठक्कर
61. श्री डी० एम० बाशी 87. श्री एच० एन० डोडरे
62. श्री डी० पी० देसाई 88. श्री डी० एम० शेठ्टी
63. श्री के० बी० करानी 89. श्री एस० टी० राजन
64. श्री एन० पी० करानी 90. श्री व्ही० एस० शाह
91. श्री एस० टी० गर्ग

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. वेलबाई देवशी, श्री देवशी नरशी, श्रीमती वेलबाई वेलजी और श्री वेलजी प्रागजी । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में, बम्बई उपनगर के जिला बांद्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में एकसर मण्डपेश्वर रोड पर, बोरीवली में स्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि पैमाइश में 4390 वर्ग गज अर्थात् 3679.61 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, वह एक विशाल भूखंड का एक उपखंड होने की वजह से भू राजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 177, प्लॉट सं० 1, में पंजीकृत है और उसका वर्तमान सर्वेक्षण सं० 177 तथा हिस्सा सं० 2 है, उसका निर्धारण, उस पर बनी बिल्डिंग और स्ट्रक्चर सहित, बृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल कारपोरेशन के म्युनिसिपल दर और कर के अस्सेसर और कलक्टर के बार्ड सं० आर० 5217 (4 ए०) स्ट्रीट सं० 328 (ए) के अधीन किया है ।

आर० जी० नेरुरकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

तारीख : 6-4-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय-सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० टी० आर०-126/सी०-127/कलकत्ता-1/75-76-

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सारणी, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गोरमेट प्लेस पार्क, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) गोपाल ल, कमिशनर अब पीठासीन ।

(2) मुरारी चन्द्र राय

(3) गनेस चन्द्र राय

(4) साम चन्द्र राय

(5) सैलेन्द्र कुमार राय

(6) भवानी आदि

(7) लाल चान्द राय

(8) मूल चान्द राय

(9) भदिक चान्द राय

(10) श्रीमती इन्दिरा राय

(11) श्रीमती मनजू बराल

(12) श्रीमती मनिका धर

(13) वंसी चान्द राय

(14) गोपाल चान्द राय

(15) गोविन्द चान्द राय

(16) श्रीमती इरा मल्लिक

(17) श्रीमती धीरा दत्त

(18) श्रीमती डालिम राय

(19) कासी नाथ राय

(20) प्रयाग चान्द राय

(21) कार्तिक चान्द राय

(22) पसुपति राय

(23) द्वारिका नाथ राय

(24) सिद्धेसरी दादी

(25) श्रीमती सभा राय

(26) श्रीमती विरेन्द्र कुमार राय

(27) सुव्रत राय

(28) काला चान्द राय

(29) तारा चान्द राय

(30) रतन चान्द राय

(31) निभाई चान्द राय

(32) श्रीमती सत्यदायी

(33) श्रीमती चषीदा शील

(34) शचीन्द्र नाथ राय

(35) एरेन्द्र नाथ राय

- (36) शुशील कुमार राय
- (37) श्रीमती आशया राय
- (38) श्रीमती छवि राय
- (39) भोलानाथ राय
- (40) गोपालचन्द्र राय
- (41) गोविन्द चन्द्र राय
- (42) श्रीमती प्रभावती दायी
- (43) शमरेन्द्र नाथ राय
- (44) शमरेन्द्र नाथ राय
- (45) धीरेन्द्र नाथ राय
- (46) गोविन्द चन्द्र राय
- (47) रवीन्द्र नाथ राय
- (48) अरुण कुमार राय
- (49) तपन कुमार राय
- (50) श्रीमती तारा सुन्दरी दासी
- (51) मधुसूदन राय
- (52) द्विजेन्द्र नाथ राय
- (53) वीरेन्द्र कुमार राय
- (54) रमेन्द्र नाथ राय
- (55) श्रीमती अभव ललिता राय
- (56) मुरारी मोहन सैन
- (57) दुलाल चान्द सैन
- (58) रूप चान्द मल्लिक
- (59) लाल चान्द मल्लिक

(अन्तरक)

2. (1) मै० राम गोपाल गनेरी वाला प्रा० लि०,

(2) लीलावती देवी गनेरीवाला

(अन्तरिती)

3. (1) स्कट एण्ड पिकसूक लि०

(2) अनन्त प्रसाद सि

(3) मनोज कुमार मुखर्जी

(4) इन्द्र चन्द्र सरफ

(5) कन्टिनेन्टल ट्रेडर्स

(6) स्क्रोगल ब्रादर्स

(7) एच० डी० कार्टराइट एण्ड को०

(8) ए० एन० लाहा और अनेक

(9) एल० आर्थर लायन एण्ड को०

(10) यूनियन मेटल इन्डस्ट्रीज

(11) एस० दत्त

(12) रसिकलाल ताराचन्द

(13) बि० प्रसाद एण्ड को०

(14) मलय बनर्जी

(15) यन्त्रि सि

(16) इन्दर सि बाजवा

(17) गिरिधारी लाल सिंहानिया (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंशतः एक, दो तथा तीन तल्ला, इमारत जमीन के साथ जिसका क्षेत्रफल 1 बी० 4 क०, 14 घ०, 44 वर्ग फीट, जो 2 नरेन्द्र चन्द्र दत्त सारणी (पहले की क्लाइम घाट स्ट्रीट), कलकत्ता।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद

किदवाई रोड कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तारीख : 3-5-76

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

सूचना

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1976

सं० एफ० 8/2/76-ई०-1 (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 22 मई, 1976 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3 दिनांक 1 मई, 1976 के अनुसार निम्नलिखित में प्रवेश हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, कटक, बिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), देहराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला और त्रिवेन्द्रम में 16 नवम्बर, 1976 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :

- (i) इंडियन मिलिटरी एकेडेमी—जुलाई, 1977 से प्रारंभ होने वाला 63 वां सत्र
- (ii) इंडियन नेवी—कोचिन में विशेष एंटीकेडेटों के रूप में नौ सेना एकेडेमी में प्रशिक्षण हेतु जुलाई, 1977 से प्रारंभ होने वाला सत्र
- (iii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास में अक्टूबर, 1977 से प्रारंभ होने वाला 26 वां सत्र ।

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख से परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा । (देखिये उपाबंध II, पैरा 10)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :-

- | | |
|-------------------------------------|-----|
| (i) इंडियन मिलिटरी एकेडेमी | 88 |
| (ii) नौ सेना एकेडेमी, कोचिन | 45 |
| (iii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास | 200 |

उपर्युक्त संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है ।

3. (i) इंडियन मिलिटरी एकेडेमी और इंडियन नेवल एकेडेमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जुलाई, 1955 से पूर्व का नहीं होना चाहिए तथा 1 जुलाई, 1958 के बाद का नहीं होना चाहिए ।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जुलाई, 1954 से पूर्व का नहीं होना चाहिए और 1 जुलाई, 1958 के बाद का नहीं होना चाहिए ।

इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए । निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंधित विवरण दो रूपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं । यह राशि सचिव, संघ

लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए । मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं । दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी ।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं :-

- (i) मुख्यालय बंगाल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैंट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैंट/उत्तर प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बंबई/तमिलनाडु, मैसूर तथा केरल एरिया, सेंट टामस माउंट, और 101 कमान जैड (Z) एरिया ।
- (ii) मुख्यालय, बंबई सब-एरिया, बंबई/लखनऊ सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पूना सब-एरिया, पूना/कलकत्ता सब-एरिया, कलकत्ता/मध्य प्रदेश सब-एरिया, भोपाल/जलंधर सब-एरिया, जलंधर/मैसूर सब-एरिया, बंगलौर/आंध्र (स्वतंत्र) सब-एरिया, सिकंदराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर/अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/उत्तरी बंगाल सब-एरिया, 21, 31, 41 और 51 कमान सब-एरिया, केयर आफ 99 ए० पी० ओ० और 61 स्वतंत्र कमान जैड (Z) केयर आफ 56 ए० पी० ओ० सब-एरिया, इलाहाबाद ।
- (iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगदुबी (प० बं०), पठानकोट, श्रीनगर (ज० और क०), धर्म नगर, गोहाटी और जयपुर (राज०) ।
- (iv) समस्त भर्ती अधिकारी ।
- () सभी नेशनल कैंडेट और यूनिटें ।
- (vi) फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौ सेना कमान, बंबई ।
- (vii) फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौ सेना कमान, विशाखापटनम ।
- (viii) फ्लैग आफिसर कमांडिंग, दक्षिणी नौ सेना क्षेत्र, कोचिम ।
- (ix) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, कलकत्ता ।
- (x) नेवल आफिसर-इन चार्ज, मद्रास ।
- (xi) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, काठियावाड़ ।
- (xii) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, अंडमान एवं निकोबार ।
- (xiii) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, गोआ ।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 19 जुलाई, 1976 को या उससे पहले (19 जुलाई, 1976 से पहले किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 2 अगस्त, 1976) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक नहीं होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट :—यदि उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी का अनुभव करते हों तो उन्हें पूर्वोक्त पैरा 4 के प्रथम उप पैरा में निर्धारित क्रिया-विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए समय पर कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 3, दिनांक 1 मई, 1976 के अनुसार परीक्षा की योजना के अंतर्गत एक या अधिक सत्रों में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सामान्यतः उसमें किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सत्र के लिए विचार किए जाने का इच्छुक हो तो उसे केवल एक ही आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। उसे उपाबंध-I में उल्लिखित शुल्क का भुगतान केवल एक ही बार करना होगा और उसके द्वारा किए गए आवेदन हेतु प्रत्येक सत्र के लिए अलग अलग शुल्क का भुगतान नहीं करना होगा।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में स्पष्ट रूप से सत्र (सत्रों) की वरीयता क्रम में विनिर्दिष्ट करना चाहिये जिससे/जिनके लिये विचार किए जाने के वे इच्छुक हों। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी इच्छा अनुसार वरीयताएं विनिर्दिष्ट करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक को ध्यान में रखते हुए सत्रों में प्रवेश के लिये अनुशंसा करते समय उनकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

8. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिये कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्र के साथ इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एकबम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबंध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

9. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने के संबंध में उस से प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अप्रैल, 1976 में बैठ रहा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम या संबद्ध सत्र में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिये ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह उपर्युक्त परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी सत्र में प्रवेश के लिये अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जायेगा जिस प्रकार उपाबंध-I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापस करने से संबद्ध अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च, 1977 को या उससे पहले पहुंच जाए।

एम० एस० प्रुथी, उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध-I

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिये कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रु० 7.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, किसी अन्य विधि से किये गये भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से प्रजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 8 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सका तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा सूचना के पैराग्राफ 10 में की गई व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबंध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस परीक्षा से सम्बद्ध सूचना, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण इस सूचना के पैरा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किये जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिये कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले सूचना और नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को सूचना के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र और पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिये। जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा, उसे रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिये ताकि वह उनके पास सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाएं।

सूचना में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 19 जुलाई, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों

उन्हें अपने आवेदन-प्रपत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिये जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिये गये पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैंक्शन 'सी') को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वयं अपने हित में आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेजनी चाहिये। यदि ये आवेदन-पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र साधारणतया अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग में पहुंच जाने चाहिए। यदि सरकारी सेवा में पहले से ही कार्यरत कोई व्यक्ति अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ नहीं भेजता है अथवा उसके द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

सशस्त्र सेनाओं में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर की मार्फत भेजना चाहिये जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैंक्शन 'सी') को भर कर आयोग को भेज देगा।

नोट :—अनाज्ञप्त नौसैनिक (NAVAL RATINGS) (बाल एवं शिल्पी अप्रेंटिसों सहित), ऐसे स्पेशल सर्विस अनाज्ञप्त नाविकों को छोड़कर जिनकी नियुक्ति पूर्ण होने में छह मास से कम समय शेष है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं हैं। ऐसे स्पेशल सर्विस अनाज्ञप्त नाविकों के आवेदन-पत्र जिनकी नियुक्ति पूर्ण होने में छह मास से कम समय शेष है, तभी स्वीकार किए जायेंगे जबकि वे उनके कमांडिंग ऑफिसर द्वारा विधिवत् अनुशंसित हों।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिये जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिये :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिये उपाबंध-I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां।

(v) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबंध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जहां लागू होता हो (देखिये नीचे पैरा 5) ।

(vi) शुल्क की माफ़ी से संबंध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो, (देखिये नीचे पैरा 6) ।

नोट:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मध्य (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही भेजें और वे प्रतिलिपियां सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा उम्मीदवार द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार सेवा कयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सफल घोषित हो जाएंगे उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाद ही उपर्युक्त मूल प्रमाण-पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के फरवरी, 1977 में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद इन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वे उम्मीदवार पुनः बिचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर, प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



और इस प्रकार भरा जाए:—“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समस्त पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिये कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किये बिना या सचिव संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल पोस्ट आफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधिक कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष:—“051 Public Service Commission Examination fees.” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्व-विद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र भेज दें।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैड-मास्टर/प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी अर्थात् (विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिये जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिये। आयोग इस प्रमाण के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नहीं होगा।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु उसे उस परीक्षा का परिणाम न सूचित किया गया हो तो वह परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। किन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी। यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र जल्दी से जल्दी और हर हालत में इंडियन मिलिटरी एकेडमी तथा नौसेना एकेडमी सबों में प्रवेश के लिये 30 जून, 1977 तक तथा अल्पकालीन सेवा आयुक्त (अ-प्राविधिक) सत्र के लिये 15 सितम्बर, 1977 तक प्रस्तुत नहीं करते तो ऐसे उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द समझी जायेगी।

(iv) फोटो की प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिये। इनमें से एक प्रांति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिये और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नट्की कर देनी

चाहिये। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार की स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिये।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii), 3(iii) और 3(iv) में उल्लिखित कागजात में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आवेदन-पत्र के साथ न भेजे हों, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिये और वे [ऊपर पैरा 3(iii) के नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अन्तिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिये। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों के सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन कागजात में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियाँ उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये मक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिये गये फार्म में लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिये जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री*
 पुत्र श्री*—जो गांव/कस्बा*
 जिला/मण्डल* राज्य संघ राज्य क्षेत्र*
 के निवासी हैं,
 जाति/जन जाति* के हैं जिस निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र), आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची
(आशोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960
पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधि-
नियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम,
1971 द्वारा यथासंशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,
1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित
जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1962* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश),
आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां, आदेश,
1970*

2. श्री _____ और/या* उसका
परिवार आमतौर से गांव / कस्बा* _____
जिला/ मण्डल* _____ राज्य/
संघ राज्य क्षेत्र* _____ में
रहते हैं।

हस्ताक्षर _____

**पदनाम _____

(कार्यालय की मुहर के साथ)
राज्य _____

संघ राज्य क्षेत्र*

स्थान _____

तारीख _____

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "आम तौर से रहते हैं" का अर्थ वही होगा जो
'रिप्रेजेंटेशन आफ़ दि पीपुल ऐक्ट, 1950' की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति प्रमाण पत्र जारी
करने के लिये सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी
कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी
का वृत्तिक मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/
ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट
कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के वृत्तिक मैजिस्ट्रेट से कम आहूदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका आहूदा तहसीलदार से कम न
हो।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहां
उम्मीदवार और या उसका परिवार आमतौर से
रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेन्ट
अफसर, लक्षद्वीप।

6. (i) उपाबन्ध I. के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में
छूट चालाने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से
विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक
से लिये गए प्रमाण-पत्र की एक आभिमार्णित/प्रामाणित प्रतिलिपि
यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व
पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति
है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च,
1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न
राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास
कर रहा है।

(3) संबद्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी
अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सब डिवीजन का सब
डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास, आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/
निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी
राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद् या राज्य विधान मंडल के
किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक आभिमार्णित/
प्रामाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये
कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को लंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद् या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद् या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिये पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे प्रशिक्षण के लिए अपना चयन हो जाने के बाद अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिये भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को आवेदन करना चाहिये।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में कभी भी कोई शुद्धि अथवा परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिये।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने “एस्टडी आफ इंटेलीजेंस टेस्ट स्कोरस आफ केन्डीडेट्स एट सविसेस सेलेक्शन बोर्ड्स” शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवारों को इस बात की पूरी जानकारी मिल जाए कि सेवा चयन बोर्ड द्वारा बुद्धि-परीक्षण कैसे किये जाते हैं।

यह पुस्तिका खरीदी जा सकती है और इसकी बिक्री कन्ट्रोलर आफ पब्लिकेशन्स, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल रिखोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, ‘सी’ ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय, रोड, कलकत्ता-790001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :— आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा का महीना और वर्ष

3. रोल नम्बर या यदि रोल नंबर सूचित नहीं किया गया हो तो उम्मीदवार की जन्म-तिथि।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त ब्योरा नहीं होगा उन पर संभव है कि ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्रों पर मिल जायें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिये।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद पते में परिवर्तन किया है तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद बदले हुए पते के बारे में सेना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए०), ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस अनुदेश का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस विषय में कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकते।

14. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिये कर दी जाए उन्हें अपने साक्षात्कार से संबंध पृष्ठताछ या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए०), ब्लाक-3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में, बैठना हो, उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिये, जो यदि संभव हो तो साक्षात्कार की तारीखें निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd May 1976

Subject :—SUMMER VACATION—1976.

No. F.44/76-SCA(G).—In supersession of this Court's Notification No. F.44/76-SCA(G) dated the 30 March, 1976 it is hereby notified that in pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, the 10 May, 1976 to Sunday, the 18 July 1976 (both days inclusive) and will re-open on Monday, the 19 July 1976.

Under Rule 6, of Order II of the aforesaid Rules, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint the Hon'ble Mr. Justice S. Murtaza Fazal Ali and the Hon'ble Mr. Justice A. C. Gupta to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the periods shown against their names below :—

The Hon'ble Mr. Justice S. Murtaza Fazal Ali from 10 May to 13 June 1976 (both days inclusive).

The Hon'ble Mr. Justice A. C. Gupta from 14th June to 18th July 1976 (both days inclusive).

The Hon'ble Mr. Justice S. Murtaza Fazal Ali will sit in the Court on Tuesdays, the 25th May and 8th June 1976 and the Hon'ble Mr. Justice A. C. Gupta on Tuesdays 22nd June and 6th July, 1976. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.00 P.M. except on Saturdays, holidays, and Sundays. The Offices of the Court will, however, remain open on Saturday, the 17th July, 1976 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No complaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all complaints, appeals, petitions and other documents from 12th July, 1976 onwards during office hours.

S. K. GUPTA, Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 1st April 1976

No. P-1763/Admn.II.—The services of Shri G. B. Mathur, a permanent Assistant of the CSS cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development presently working as Research Officer, on deputation, with the office of the Union

Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Ministry of Works, Housing & Urban Development, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st April 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman, Union Public Service Commission.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 15th April 1976

No. 69/A.—In continuation of Notification No. 1508/(A) dated the 7th January, 1976, the ad-hoc appointments of the following officers as Deputy Control Officers are further extended upto 31st May, 1976 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis which ever is earlier.

1. Shri F. H. Kolhapurwall.
2. Shri V. Y. Deshpande.

V. J. JOSHI, General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 30th March 1976

No. ESI/A4/75-76/817.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors if any with effect from the date of their taking charge.

S/Shri

- (1) K. G. Narayanaswamy.
- (2) D. S. Krishnamurthy.
- (3) J. Hector Srinivasagam.

E. V. CHANDRASEKHARAN,
Sr. Dy. Acctt. General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA, Trivandrum, the 13th April 1976

No. Estt. A/VII/9-86/Vol. II/3.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers in the same office with effect from the dates shown against each, until further orders :—

S/Shri

1. S. Venkitaratnam 31-3-1976 F.N.
2. K. Gopala Pillai 31-3-1976 F.N.
3. T. J. Xavier 31-3-1976 F.N.
4. K. K. Kuttappa Kurup 31-3-1976 F.N.

No. Estr.A/VII/9-86/Vol.II/3.—The Accountant General, Kerala, has appointed S/Shri P. C. Kunju Kunju and N. Viswanathan, permanent Section Officers of this office, presently on deputation to the Rubber Board, Kottayam and U.P.S.C., New Delhi respectively to officiate as Accounts Officers in this office with effect from 31st March, 1976 Forenoon, under the next below rule, until further orders.

K. GANESAN,
Dy. Accountant General/Admn.

Calcutta-1, the 13th April 1976

No. Admn.-I/1038-XIV/141.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office/office of the Accountant General, Calcutta until further orders :—

S/Shri

- | | |
|-----------------------------------|---------------------|
| 1. Sital Chandra Biswas | w.e.f. 13-4-76 F.N. |
| 2. Aswini Kumar Roy | w.e.f. 13-4-76 F.N. |
| 3. Basudeb Chakravorty | w.e.f. 13-4-76 A.N. |
| 4. Akhil Chandra Moitra | w.e.f. 13-4-76 A.N. |

Sri Basudeb Chakravarty on being released of his present charges may report to Dy. Accountant General, Central (Admn.), Office of the A.G. Central for taking charge as Accounts Officer against one of the existing vacancies in his office.

The inter-se-seniority of the officers will be indicated in due course.

GHANSHIAM DAS
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 17th April 1976

No. 11186/AN-II.—The resignation tendered by Shri F. V. George, an officer of the Indian Defence Accounts Service, has been accepted with effect from 25-3-76 (Forenoon). Accordingly, he has been struck off the strength of the Defence Accounts Department from the same date.

S. K. SUNDARAM,
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th April 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 5/8/70-Admn(G)/2472.—Chief Controller of Imports and Exports hereby confirms Shri J. P. Sharma in the post of Controller of Imports and Exports (Class-II) in the Import and Export Trade Control Organisation, Ministry of Commerce with effect from 1-12-1967 *vice* Shri M. L. Bhatia retired.

A. T. MUKHERJEE,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports.

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 14th April 1976

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Ram Kishan, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals,

New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 25th March, 1976.

2. The appointment of Shri Ram Kishan as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th April 1976

No. C-5068/594.—The undermentioned Technical Assistants, Map Reproduction (Selection Grade) are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group 'B') in No. 101 (HLO) Printing Group, Survey of India, Dehra Dun in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th March 1976 (F.N.).

1. Shri R. N. Bose.
2. Shri E. J. Harring.

K. L. KHOSLA,
Colonel,
Surveyor General of India,
(Appointing Authority).

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th April 1976

No. 10/6/69-SIII.—Shri D. R. Verma, Assistant Engineer, All India Radio, Simla has retired with effect from 31st March, 1976 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

CORRIGENDUM

No. 10/52/73-SIII.—In partial modification of this Directorate notification No. 10/52/73-SIII dated 17-7-74 Director General, All India Radio has been pleased to accept the resignation from service of Shri Jai Prakash Gupta, Assistant Engineer, All India Radio with effect from 15th July, 1974 (A.N.).

HARJIT SINGH,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-110011, the 20th April 1976

PUBLIC NOTICE

NATIONAL FILM FESTIVAL

No. 1/69/75-FFD.—In partial modification of the Public Notice to call for entries in respect of the National Film Festival for the films certified for public exhibition during the calendar year 1975, issued in the Government of India, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting Notification No. 1/69/75-FFD-I, dated the 15th March 1976, it is notified for the information of the general public that the last date of receipt of entries of films under different categories has been extended from 15th April, 1976 to 30th April, 1976.

A. K. VERMA, Director.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th April 1976

No. A.12026/5/76-CHS.I.—Consequent on her transfer from the C.G.H.S., Delhi Dr. (Smt.) N. A. Nath, an Officer of G.D.O. II of the C.H.S. has relinquished charge of the post of Junior Medical Officer Grade II under the C.G.H.S. Delhi w.e.f., the forenoon of the 17th February, 1976.

The 19th April 1976

No. A.39012/3/76-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. M. Narasimhamurti relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (*ad hoc*), Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of 20th March, 1976.

R. N. TEWARI,
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 20th April 1976

No. 1-7/75-Admn-I.—The D.G.H.S. is pleased to appoint Shri K. G. Menon to the post of Health Education officer at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 25th February, 1976, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director (ADMN).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 17th April 1976

No. F.4-6(107)/76-A.III.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Shri P. J. Chimalwar has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to officiate as Assistant Marketing Officer Group I in the Directorate of Marketing & Inspection at Amritsar, with effect from 17.3.76 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA, Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 25th February 1976

No. PA/79(19)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mahadeo Pandurang Naik, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre and who is at present on foreign service to the Tata Memorial Centre as Assistant Personnel Officer, in an officiating capacity under the "Next Below Rule" with effect from the forenoon of November 12, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer(R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 17th March 1976

No. DPS/A/11013/65/75/Est.—In continuation of this Directorate notification of even number dated November 11, 1975, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. B. Sakuntala, a permanent S.R.A.S. Senior Auditor in the Indian Audit Department on deputation to this Directorate as a temporary Assistant Accounts Officer in the Madras Regional Accounts Unit as a temporary Accounts Officer-II on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-ER-40-1200 in the same Directorate for a further period ending May 12, 1976 (AN) or till such time a regular person is appointed to the said post, whichever is earlier.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Taranur, the 17th March 1976

No. TAPS/ADM/947.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station Department of Atomic Energy appoints Shri C. R. Valia, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer as Accounts Officer (IT) in the Tarapur Atomic Power Station on purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of March 18, 1976 for a temporary period until further orders or till a regular incumbent is appointed.

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 20th April 1976

No. E(1)04321.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. Rajagopalan, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 1-4-1976 to 28-6-1976.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04281.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. V. Pundle, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 17.3.76 to 13.6.1976.

Shri S. V. Pundle, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 17.3.1976 to 13.6.1976.

Shri T. M. Sambamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

G. R. GUPTA, Meteorologist
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th April 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. K. Bhaduri, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Sobra as Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 16.2.1976 (FN) and until further orders and to post him at aeronautical Communication Station, Bairagarh (Bhopal).

The 19th April 1976

No. A. 38012/1/75-EC.—The following two Assistant Director of Communication of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department retired from Government service on dates indicated against each on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name	Station of posting
	S/Shri	
1.	S. P. Chari	31-3-75 (AN) Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.
2.	C. N. Raghavan Nair	31-8-75 (AN) Do.

(This Department Notification No. A.38012/1/75-EC, dated the 16th April, 1975 in respect of Shri S. P. Chari, Senior Technical Officer is hereby cancelled.)

H. L. KOHLI,
Dy. Director of Administration

New Delhi, the April 1976

No. A.24012/17/75-FH.—The President is pleased to retire Shri A. S. Malik, Technical Officer (Air Safety), under F.R.56(K) with effect from 13th June, 1972. The period of unauthorised absence from 4.7.1971 to 13.6.1972 has been treated as dies-non.

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 2nd April 1976

C. No. II(7)5-ET/75/3386.—In pursuance of this office Estt. order No. 394/75 dated 20-10-75 issued under endt. C.No. II(3)43-ET/73/L/60076-111 dated 20-10-75, appointing three Inspectors (SG), of Central Excise to officiate as Superintendent Central Excise Class-II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-plus usual allowances as admissible under rules, the following have assumed charge as Superintendent Central Excise Class-II at their respective places and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name of officer	Place of posting	Date of assumption of charge
	S/Shri		
1.	Ramanand Pd.	Supdt. C. Ex. Hqrs. office Patna.	30-1-76 (F.N.)
2.	K. C. Srivastava	Supdt. C. Ex. Ailoth chowk Range.	24-10-75 (F.N.)
3.	R. S. B. Sinha	Supdt. (Prev.) C. Ex. Purnea.	6-12-75 (F.N.)

H. N. SAHU,
Collector
Central Excise, Patna

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras, the 15th April 1976

No. 3604/Liqn/S.560(4)/76.—Whereas "Thyagi Industries Limited" (In liquidation) having its registered office at 12/192, B. Methe Road, Bhavani is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of "Thyagi Industries Limited" (In Liqn) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation)

No. DN/143/Liqn/S.560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of "Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation)" has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Assistant Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bellary District Mine Owners Association Ltd.

Bangalore, the 15th April 1976

No. 784/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 3 of section 560 of the Companies Act, 1956 that 18—76GI/76

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Bellary District Mine Owners Association Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ubhay Jyothi Private Ltd.

No. 1471/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ubhay Jyothi Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Chemical & Soap Works Private Ltd.

No. 826/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Chemical & Soap Works Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Fenny and Distilleries Private Ltd.

Bangalore, the 15th April 1976

No. 1748/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Fenny and Distilleries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

PROBODH, Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s The Eastern Zalawad Motor Transport Company Private Limited

Ahmedabad, the 17th April 1976

No. 648/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Eastern Zalawad Motor Transport Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies
Gujarat

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 14th April 1976

No. F.48-Ad (AT)/76.—Shri M. M. Prasad, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate on *ad-hoc* basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack upto 31-3-1976 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/75-P.II, dated the 4th December, 1975, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack on *ad-hoc* basis for a further period of six months from 1.4.1976 to 30.9.1976 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President

FORM ITNS—

(1) Smt. Durgesh Khanna w/o Sh. P. R. Khanna,
22/82, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Sh. Labh Singh,
r/o D-27, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1163/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-35, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 35 in Block C measuring 150 sq. yds. situated in the colony known as Bali Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North : Plot No. C-34
East : Service Lane
South : Plot No. C-36
West : Road.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ram Rakhi w/o Sh. Mela Ram,
r/o II/J-1/Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parmod Suri w/o Shri R. C. Suri,
c/o C-54, South Extn. Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

New Delhi-1, the 8th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1164/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Gokhale Market, Opp. Tis Hazari Courts, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Govt. Built Shop No. 31 Gokhale Market, Opp. Tis Hazari Courts, Delhi with the lease hold rights of the land under the said shop and bounded as under :—

South : Govt. Built shop
North : Government Built Shop
East : Park
West : Govt. Built shop.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-4-1976

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-1, the 8th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1165/76-77—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3775 & 3777 (New) Illaqa No. 7 situated at Faiz Bazar, Netaji Subhash Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bimla Rani Sethi w/o Sh. Puran Chand Sethi,
r/o 8 Underhill Road, Civil Lines,
Delhi,
(Transferor)

(2) 1. Smt. Santosh Rani w/o
Sh. Chander Harsh Arneja,
r/o 1351 East Rohtash Nagar, Shahdara, Delhi-32,
2. Smt. Nirmala Kaushik w/o
Sh. Om Parkash Kaushik,
r/o 1088 Kucha Natwa, Chandni Chowk,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on a plot of land measuring 280 sq. yds situated at No. 4935 & 4937 (old) and 3775 & 3777 (New) Illaqa No. 9, Faiz Bazar, Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, Delhi and bounded as under :—

North : Others property
South : Wall & others property.
East : Footpath and Netaji Subhash Marg
West : Gali.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shankar Dass s/o Shri Kirori Ram,
r/o M-40, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 22nd March 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.II/Oct./1046(2)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
½ undivided share of Property No. 12, Road No. 32-A,
situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 24-10-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(2) Shri Ram Gopal Jain s/o
Sh. Chander Bhan Jain, r/o
4696/2, Krishna Kuti, 21-A, Daryaganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by way of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of undivided single storey property No. 12,
on Road No. 32-A, situated in the colony known as Punjabi
Bagh, on Rohtak Road, Delhi on a plot of land measuring
279.55 sq. yds. and bounded as under :—
East : Service lane
West : Road No. 32-A
North : Building on plot No. 10 and
South : Building on Plot No. 14.

S. C. PARIJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 22-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 22nd March 1976

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/Oct/1047(4)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
½ undivided share of Property No. 12, on Road No. 32-A,
situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 24-10-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankar Dass s/o Shri Kirori Ram,
r/o M-40, Kirti Nagar,
New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Jain s/o
Sh. Chander Bhan Jain, r/o
4696/2, Krishna Kuti, 21-A, Daryaganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of undivided single storey No. 12, on Road No. 32-A, situated in the colony known as Punjabi Bagh, on Rohtak Road, Delhi on a plot of land measuring 279.35 sq. yds. and bounded as under :—

East : Service lane
West : Road No. 32-A
North : Building on Plot No. 10 and
South : Building on Plot No. 14.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 22-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 8th March 1976

Ref. No. IAC.ACQ. III/SR.III/Sept./428(24)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
1/2 share of property,
situated at No. 6557A to 6560, Plot No. 183, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
officer at
New Delhi on 23-9-1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Dhani Ram s/o Sh. Gaiinda Ram,
r/o XVI/6557, Block No. 9B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Prem Parkash Chandna s/o
Dr. Bhawani Dass Chandna, r/o
XVI/5752, Block No. 5,
Dev Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) S/Shri
1. Sua Lal
2. Dr. Baldev Dass
3. Gurdial Singh,
4. Abdul Salam
5. Ramesh Mohan
6. Om Parkash
7. Gurdial
8. M/s. Cheep Jainy,
all r/o H. No. 6557-A to 6560, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of property No. 6557-A to 6560,
Block 9-B, on a lease-hold plot No. 183, in Khasra No. 421/
152, Bagh Raoji, situated in Dev Nagar, Karol Bagh, New
Delhi on a plot of land measuring 80 sq. yds. and bounded as
under :—

North : Gali
East : Road
South : Gali
West : Plot No. 182

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 8th March 1976

Ref. No. IAC. ACQ.III/SR.III/Sept./432(29)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARJIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 2,5000/- and bearing No.
1/2 share of property
situated at No. 6557A to 6560, Plot No. 183, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 30-9-1975,
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Dhani Ram s/o Sh. Gaiinda Ram,
r/o XVI/6557, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Prem Parkash Chandna s/o
Dr. Bhawani Dass Chandna, r/o
XVI/5752, Block No. 5,
Dev Nagar, New Delhi. (Transferee)
- (3) S/Shri
 1. Sua Lal
 2. Dr. Baldev Dass
 3. Gurdial Singh
 4. Abdul Salam
 5. Ratesh Mohan
 6. Om Parkash
 7. Gurdial
 8. M/s. Cheep Jainy,
all r/o H. No. 6557-A to 6560, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of property No. 6557-A to 6560,
Block 9-B, on a lease-hold plot No. 183, in Khasra No.
421/152, Bagh Raoji situated in Dev Nagar, Karol Bagh,
New Delhi on a plot of land measuring 80 sq. yds, and
bounded as under :—

North : Gali
East : Road
South : Gali
West : Plot No. 182

S. C. PARJIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 8-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1976

Ref. No. Acq.23-I-1003(351)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 721, S.P. No. 3+4/1, TPS No. 3 situated at Chhadawad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—76GI/76

(1) Shri Mukeshchandra Shantilal Shah,
Nagarshethni Vando, Old Civil Hospital,
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Vishal Co-op. Housing Society Ltd.,
through Shabsikant Himatlal,
Shakuntala Society, Usmanpura,
Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 442 sq. yards bearing Final Plot No. 721 Sub-Plot Nos. 3+4/1 of TPS No. 3, situated at Chhadawad, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Banker,
Madhuvan Dafnala, Shahibaug,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1004(352)/1-1/75-76.—Whereas, I,
J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 209-1, 209-2, F.P. No. 269-A S.P. No. 6A,
TPS No. 14,
situated at Dariyapur Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ahmedabad on 27-8-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 500 sq. yards bearing
Survey No. 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot
No. 6-A, T.P. Scheme No. 14, situated at Dariyapur
Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1976

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sri Kalakota Satyanarayana and Sri Goruguntla Suryaratnam, Pragadavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinta Gopalakrishna Reddy, Telaprolu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th April 1976

Ref. No. Acq. File No. 334. J. No. 108/WG/75-76.—

Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 547/7 at Pragadavar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chintalapudi on 15-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1469/75 of the SRO, Chintalapudi registered during the fortnight ended on 15-8-75.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 28-4-76.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 5th May 1976

Ref No. 871-A/Acq/Baghpat/75-76.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baghpat on 17-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Devi Prasad Kejriwal R/o 177/79, Kalba Devi Road, Bombay, 2. Bhagwati Prasad Goenka, 3. Beni Prasad Goenka, Both R/o 307/9, Kalba Devi Road, Bombay, and 4. Madan Lal Kejriwal, Kedar Bhawan, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Messrs Ujagar Mal Padam Prasad, Baraut, Through Managing Partner Shri Padam Prasad S/o Ujagar Mal, Naya Bazar, Baraut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as per details given in annexure to Form No. 37-G bearing No. 3620, situated at Delhi Saharanpur Road, Baraut, Tehsil Baghpat, Transferred for an apparent consideration of Rs. 1,12,000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-5-1976.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s Vasudha Land & Finance Co. 17-A, Lalbagh Loni, Through Shri Amar Nath Bajaj, S/o Lala Kishan Chand. Partner.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Rockweld Electrodes India Limited, 29, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 6th May 1976

Ref. No. 899/Acq/GBD/75-76.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 26-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 4992 sq. yds. bearing Khasra No. 1477/11, situated in Village Loni, Teh. Ghaziabad, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-5-1976

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Amar Nath Bajaj S/o L. Kishan Chand Bajaj,
Partner of M/s Vasudha Land & Finance Co. 17/A,
Lalbagh Loni, Tehsil Ghaziabad, District Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Rockweld Electrodes India Limited, 29, Industrial
Estate, Ambattur, Madras-58.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1976

Ref. No. 900/Acq/GBD/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 26-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 5997 sq. yds. bearing Khasra Nos. 1477/8 and 1477/10, situated in Vill. Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Vasudha Land & Finance Co. Through its partners Shri Lall Chand Sharma S/o Boora Ram R/o 14/15, Shanker Terrace, Fountain, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th May 1976

Ref. No. 901/Acq/GBD/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 26-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Rockweld Electrodes India Limited, 29, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2670 sq. yds. of plot Nos. 77, 80, 81 and 82 forming part of Khasra No. 1447/2 situated in Village & Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 26,640/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
POONA

Poona-411 004, the 9th April 1976

Ref. No. C.A. 5/Hatkangale/September '75/277/76-77.--
Whereas, I. H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property R.S. No. 557/1, F, C.S. No. 7422-A situated at Ichalkaranji, Dist. Kolhapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hatkangale on 19-9-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri Prabhakar Pandurang Joshi,
2. Shri Narayan Sidu Shetty,
3. Shri Bandu Bappanna Bargale,
4. Shri Vithal Gopal Katkar,
all C/o Bombay Lodge, Ichalkaranji.

(Transferor)

- (2) Sindhi Panchayat Dharmashala, Near Maruti Mandir, Kolhapur Road, Ichalkaranji. Dist. Kolhapur. President : Shri Brijlal Jamiatrao Hirani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957); and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Property R. Survey No. 557/1, C.S. No. 7422-A Area 530.9 Sq. Mts. at Ichalkaranji, within the Municipal limits of Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(property as described in the sale deed registered under No. 1824 dated 19-9-75 in the office of the S.R. Hatkangale).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 9-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 14th April 1976

Ref. No. C.A.5/Shirol/October '75/278.—Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 1102, at Datwad, situated at Datwad, Tal. Shirol, Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shirol on 31-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—76GI/76

- (1) Smt. Laxmidevi Khanderao Ghorpade, of Kolhapur Yeshwant Niwas, New Palace of Kolhapur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sawantrao Bhaurao Patil, Hasur, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.
2. Shri Changonda Kalagonda Patil, Dattawad, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.
3. Shri Ramagonda Kalagonda Patil, Dattawad, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.
4. Shri Shamagonda Babgonda Patil, Jaisingpur, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Gat No. 1102 at Dattawad, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

Area : H. 13—47 R

(Property as described in the sale deed registered under No. 1238 dated 31-10-75 in the office of the Sub Registrar, Shirol, Dist. Kolhapur).

H. S. AULAKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 14-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411 004, the 19th April 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-II/August 75/279.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 372 situated at Shukrawarpeth, Poona, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 16-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shankar Ganpat Kandekar, 630-631, Shukrawar peth, Poona-2.
(Transferor)
- (2) Shri Manoj Jayantilal Baldota, Minor, through his guardian, Mother Smt. Anandibai Jayantilal Baldota, 391, Ravlwar peth, Poona-2.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Dayaneshwar Laxman Kedari.
2. Shri Sitaram Ramji Patil.
3. Shri D. K. Patole.
4. Smt. Hirabai Vithal Deshmukh.
5. Shri Sarubai Deshmukh.
6. Shri Shantaram Laxman Kasekar.
7. Shri Vishwanath Gopal Yadhav.
8. Smt. Tulsibai Todkar.
9. Shri Shankar Mahadev Shinde.
10. Smt. Bayajabai Dada Bhondave.
11. Shri Sudama Amruta Kalbhor.
all residing at 372 Shukrawar peth, Poona-2.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold property at C.T.S. No. 372, Shukrawar peth, Poona.

Area : 19'—9"×83'—7" approximately. 139.6 Sq. mtrs.
(property as mentioned in the Registered deed No. 1914 of August, 75 of the Registering authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-4-1976.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411 004, the 28th April 1976

Ref. No. CA/5/August/75/Haveli-II (Poona)/283.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 433/2, Plot No. 6 situated at Bhosari (Poona),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Haveli-II (Poona) on 30-8-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

- (1) 1. Shri Chimanlal Sahalchand Sanghavi, House No.
55, Ganeshkhind Road, Poona-7.
2. Shri Vipinchandra Chimanlal Sanghavi, House No.
55, Ganeshkhind Road, Poona-7.
3. Smt. Beena Deepak Dalal,
Shaikh's Pada Relief Road, Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) M/s Pawan Rubber Products. 1202/3/10, Ghole
Road, Poona-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold : Plot No. 6, of Survey No. 433/2-B-1 of village
Bhosari, Dist-Poona.

Area : 18,870 sq. feet.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1247 of
August 1975 of the Registering Authority Haveli-II, Poona.)

H. S. AULAKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona

Date : 28-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Ref. No. XVI/1/30(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 117/627 to 633 & 645, situated at Chinnakadai Street & 50/627 to 633 & 645 Car Street, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3397/75) on August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. Ramaswamy 2. Hemamalini alias Choodamani 3. Subashini Minors by father and guardian Shri A. Ramaswamy S. No. 6 II Cross, Maravaneri, Extension, Salem. 4. Smt. Ranganayaki 5. Shri Prasanna 6. Shri Gopalakrishnan minor by mother and guardian Smt. Ranganayaki, 40, Easwaran Kovil Street, Gopichettipalayam, Coimbatore Dt.

(Transferor)

- (2) Shri T. Manigandan & Shri T. Sivasubramanian, minors by father and guardian Shri C. Thangavel Gounder, No. 20B, Muthavalli Md. Yakub Sahib St., Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4,590 sq. ft. with building thereon at 117/627 to 633, 645, Chinnakadai Street and 50/627 to 633 & 645, Car Street, Salem.

G. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-4-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Ref. No. XV/13/59(AUG)/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. —, situated at Maharajapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vartiraviruppu (Doc. No. 1266/75) on 28-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohamed Mohideen.

(Transferor)

(2) Shri Krishnasamy,
S/o Rengiah Naidu,
Pudupatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 11 acres and 26 cents in Survey Nos. 390/4, 124/1D, 1241/1E, 1241/1F and 390/3A, Maharajapuram village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 14-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohamed Mohideen,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Venugopal,
S/o Rengiah Naidu,
Pudupatti village,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. XV/13/60(AUG)/75-76.—Whereas I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —, situated at Maharajapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vartirayiruppu (Doc. No. 1267/75) on 28-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 11 acres and 26 cents in Survey Nos. 390/4, 1241/1D, 1241/1E, 1241/1F and 390/3A. Maharajapuram village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 14-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Ref. No. 16/3/84(AUG)/1975-76.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56/1 & 2 situated at Sendarapatti village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1469/75) in August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Durairaj.
S/o Subbu Chettiar,
Sendarapatti village 636110

(Transferor)

(2) 1. Shri Sengoda Gounder
2. Shri Sundaram
Sendarapatti 636110.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3.52 acres in Survey Nos. 56/1 (1.76 acres) and 56/2 (1.76 acres), Sendarapatti village, Salem Dt.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6. the 15th April 1976

Ref. No. X/1/62(AUG)/1975-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Ratinaswamy Nadar Road, West Kurukku Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2606/75 on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. R. Jegannathan,
Dy. Police Superintendent (Retd.)
No. 2, Ratinasamy Nadar Road,
West Kurukku St., Madurai
(now at No. 21, Andree Road,
Shanthinagar, Bangalore-27).

(Transferor)

(2) Shri P. M. Jeevakan,
son of P. M. K. S. Muthuvel Nadar,
156, North Veli Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 34-3/4 cents with building thereon at door No. 2, Rathinasamy Nadar Road, West Kurukku Street (T. S. No. 2754), Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 15-4-1976

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Soundaravalli Ammal,
W/o M. Arunachalam Pillai,
No. 8, Valayakaran Street,
Tirupathoor, Ramnad Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. M. Mohamed Batcha,
Thenur, Madurai District.

(Transferee)

(3) Names of persons in occupation of property not
known.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd April 1976

Ref. No. X/1/38(AUG)/75-76.—Whereas, I. G.
RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
9, situated at Ramasamy Konar Lane, West Masi Street,
Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madurai (Doc. No. 3623/75) on August, 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

21—76GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person transferred in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 2145 sq. ft. with buildings
thereon at door No. 9 (T.S. 471), Ramasamy Konar
Lane, West Masi Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 3-4-1976

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 3rd April 1976

Ref. No. X/1/39(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Ramasamy Konar Lane, West Masi Street, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc No. 3624/75) on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vasanthakokilam,
1-85, Market Road,
Malayasia by power of Attorney agent
Smt. Soundaravalli Ammal,
8, Valayalkaran Street, Tirupathoor.

(Transferor)

(2) Smt. Jennath Beevl,
W/o M. Mohamed Batcha,
Thenur, Madurai District.

(Transferee)

(3) Names of the persons in occupation not known.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in land measuring 2145 sq. ft. with buildings thereon at door No. 9 (T.S. No. 471), Ramasamy Konar Lane, West Masi Street, Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date 3-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th. April 1976

Ref. No. F.2669/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 84/A, situated at S. K. Chenniappa Gounder Street, Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc No. 3439/75) on 20-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri M. P. P. Ayyavu
2. Sundaramurthy (Minor) and
3. Sivanandam (Minor)
(2 and 3 are sons of Shri M. P. P. Ayyavu)
No. 50 Eswaran Kovil St., Erode.

(Transferor)

- (2) Shri T. S. Subramanian
S/o Shri Samiappa Chettiar
No. 28 Ganapathi Puram,
Karungal Palayam, Erode-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 84A S. K. Chenniappa Gounder Street, Erode (T.S. No. 406-A).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kothari (Madras) Ltd.
No. 20 Nungambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. A. Krishnamurthy,
Manager, Kothari Textiles,
Singanallur,
Coimbatore—5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Ref. No. 1962/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. —, situated at R. S. No. 567/9 Kothari Road, Nun-
gambakkam, Madras-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
T. Nagar Madras (Doc. No. 1050/75) on 12-8-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 2 grounds and 750 sft. situated at
Plot No. E, Kothari Road, Nungambakkam, Madras-34
(R.S. No. 567/9).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act following persons, name-
ly :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 14-4-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th April 1976

Ref. No. 1844/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —, situated at No. 2/144 Mount Road, Madras-6 (II, III and IV Floors) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras (Doc. No. 6336/75) on August 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri H. Gulam Mohamed,
Shri Mohamed Hussan and
Smt. Jameela Begum,
No. 3 Bishop Lane Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Mustafa,
Shri M. P. Purushothaman and
Smt. A. K. Aruna,
2/144 Mount Road,
Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

II, III and IV floors of premises bearing Door No. 2/144 Mount Road, Madras-6 (S. No. 35/96 Part) Extent 2759 sq. ft.)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Lakshminarayanan,
Special Assistant,
Syndicate Bank,
Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

(2) Shri J. Natarajan,
S/o Shri Jaganathan Chettiar,
No. 236 Raja Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Madras-6, the 15th April 1976

Ref. No. F. 2670/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/429 and 430, situated at Vysial Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3105/75) on 21-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 4,535 cents (with building) situated at Door No. 21/429 and 430 Vysial Street, Coimbatore (New T.S. No. 362 and 363 Part).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS.6.

Madras-6, the 15th April 1976

Ref. No. F.2672/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at "Sun Beam" (Casino Lodge) Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Doc. No. 6273/75) on 23-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) N. P. Madan Gopal; N. Mittu; N. Mahesh; Smt. Ananda Madan; Kumari Kasturi Madan, Kumari Vidyavathi Madan, Kumari Mahita Madan, Kumari Gayathri Madan; 955/1 Zoo Garden Road, Itteggudu, Mysore-10.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Habibullah, Casino Lodge, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 cents (with building) and bearing T.S. No. 2721/2 Ooty [Sun Beam (Casino Lodge) Ootacamund.]

G. V. JHABAKH,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras.6

Date : 15-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6.

Madras-6, the 15th April 1976

Ref. No. F.1854/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 9, situated at Sarangapani Street, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 5943/75) on 11-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. N. Visalakshi Achi; Shri My. A. A. N. Nachiappa Chettiar; Smt. Bhanumathi, No. 27 P.A.L. St. Karaikudi.

(Transferor)

(2) Shri Mallavarapu Kasi Visweswara Rao Venkateswara Bhavan Market Street, Kakinada East Godavari Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site measuring 3 grounds and 2280 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 9, Sarangapani Street, Thyagaraya Nagar, Madras-17.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 15-4-1976.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri C. Kider Mohamed
Shri C. Mohamed Ismail
No. 7 Lokamanya Street
RS Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. P. Lakshmi Ammal
No. 12/16 Syrian Church Road No. 2,
Coimbatore,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 17th April 1976

Ref. No. F.2640/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 10/12 & 13, situated at Kattoor Mariappa Konar Street
No. 2, Coimbatore

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer

JSR III Coimbatore (Doc. No. 3184/75) on 28.8.1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the Said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

22—76GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing D. Nos. 10/12 & 13 Kattoor
Mariappa Konar Street, No. 2, Coimbatore (New TS No.
9/436 & 437).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 17-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6.

Madras-6, the 17th April 1976

Ref. No. F.2640/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 10/11A, situated at Kattoor Mariappa Koror Street No. 2, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 3183/75) on 28-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Kider Mohamed
Shri C. Mohamed Ismail
7 Lokamanya Street
RS Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri N. Ponnuswami
12/16 Syrian Church Road No. 2
Coimbatore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing D. No. 10/11A Kattoor Mariappa Konar Street No. 2, Coimbatore (New T. S. No. 9/437)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 17-4-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 17th April 1976

Ref. No. F.2671/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/118 Nehru Nagar, situated at Srinivasapuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 3024/75) on 19-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Thangam Cheriamma
2. Smt. Somangalam Cheriamma &
3. Shri Appukuttan
Chittoor Taluk, Palaghat Dist.

(Transferor)

- (2) Smt. Renganayaki ammal
D. No. 11/118 Nehru Nagar
Srinivasapuram
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Cents & 354 Sft. (with building) situated at Door No. 11/118 Nehru Nagar, Srinivasapuram, Coimbatore (T.S. No. 9/228/3 New T.S. No. 27/3.)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 17-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 1st May 1976

Ref. No. F.2634/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. 394 & 395/1, situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (2.22 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Document No. 2056/75) on 27-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri T. K. Pattabiraman; Shri T. P. Vasantharaman and Shri T. P. Ramachandran No. 27, West Periasami Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri G. Ramachandran, S/o Shri G. Govindasami Naidu, Venkattapuram, Telungupalayam Majara, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

232 acres of land situated at Vedapatti village Coimbatore Taluk (Building & 1/4th share in well & motor) (G.S. No. 394 and 395/1).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 1-5-1976.
Seal

FORM ITNS—

- (1) Shri T. K. Pattabiraman; Shri T. P. Vasantharaman and Shri T. P. Ramachand No. 27, West Periasami Road, R. S. Puram Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 1st May 1976

Ref. No. 2634/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. No. 394, situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (3.82 acres) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Document No. 2115/75) on 27-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri K. Srinivasulu S/o Shri Krishnasami Naidu, Uppilipalayam, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.82 acres of land situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (G.S. No. 394).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 1-5-1976.
Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri T. K. Pattabiraman, Shri T. P. Vasantharaman and Shri T. P. Ramachandran No. 27, West Periasami Road, R.S. Puram Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. C. Andal, W/o Shri G. Ramachandran, Venkattapuram, Telungupalayam Majara, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 1st May 1976

Ref. No. 2634/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. No. 395/1, situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (3.40 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 2116/75) on 27-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

3.40 acres of land situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (G.S. No. 395/1).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 1-5-1976.

Seal.

FORM ITNS—

- (1) Shri T. K. Pattabiraman, Shri T. P. Vasantharaman and Shri T. P. Ramachandran No. 27, West Periasami Road, R.S. Puram Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Ramesh Babu, S/o Shri G. Ramachandran Venkattapuram, Telugupalayam Majara, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 1st May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F.2634/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. 396/1, 396/2A, situated at Vedpatti village, Coimbatore Taluk (2.03 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 2139/75) on 27-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

2.03 acres of land situated at Vedapatti village, Coimbatore Taluk (with buildings Door No. 160 Part and Door No. 160-C) (G.S. No. 396/1 and G.S. No. 396/2A).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date : 1-5-1976.

Seal.

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 7th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/Aug-I(19)/75-76/601.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-23 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12/8/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Smt. Krishna Devi Dalmia w/o Shri J. Dalmia, 2. Sv/Shri V. H. Dalmia, 3. N. H. Dalmia, 4. M. H. Dalmia, 5. J. H. Dalmia, 6. A. H. Dalmia, 7. Y. H. Dalmia and 8. R. H. Dalmia s/o Shri J. Dalmia, r/o No. 1, Tees January Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the Vendor into and upon that piece and parcel of land being plot No. 23 Block No. 'W' measuring 1141 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, situate at village Bhapur, in the Union Territory of Delhi, bounded as under :—

North : Plot No. W/25
South : Plot No. W/21
East : Road
West : Other's land.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 7th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Sept(15)/75-76/600.—Whereas,
I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-15, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 5/9/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—76GI/76

(2) Smt. Krishna Devi Dalmia w/o Shri J. Dalmia 2. Shri V. H. Dalmia, 3. Shri N. H. Dalmia, 4. Shri M. N. Dalmia, 5. Shri J. H. Dalmia, 6. Shri A. H. Dalmia, 7. Shri Y. H. Dalmia and 8. Shri R. H. Dalmia, s/o Shri J. Dalmia, r/o 1, Tecs January Marg, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the Vendor into and upon that piece and parcel of land being plot No. 15 Block No. 'W' measuring 2000 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, situate at village Bhapur in the Union Territory of Delhi, bounded as under:—

North : Plot No. W/17

South : Plot No. W/13

East : Road

West : Other's land.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Limited, 40-F, Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Grihalakshmi Corporation, 4, Scindia House,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 7th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Sept(14)/75-76.—Whereas, I,
C. V. GUPTE,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.W-21, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 5/9/1975for an apparent consi-
deration which is less than the fair market value of the afore-
said property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the Vendor into and
upon that piece and parcel of land being Plot No. 21 Block
No. W measuring 1544 sq. yds in the residential colony known
as Greater Kailash-II, situate at village Bahupur, in the Union
Territory of Delhi, bounded as under :—

North : Plot No. W/23

South : Plot No. W/19

East : Road

West : Other's land.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-4-1976

Seal ;

FORM ITNS—(1) Shri Sohan Lal s/o late Shri Tulsi Ram R/o F-285,
New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Daljeet Singh s/o late Sh. Sunder Singh r/o
A-2/91, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/August/991(22)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 1/2 share of Plot No. 8 Block No. J-12, situated at
Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Delhi on 11-8-1975

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of Plot No. 8, Block No. J-12,
(J-12/8) measuring 483.3/10 sq. yds. situated in the colony
known as Rajouri Garden, New Delhi, area of Village Tatar-
pur, Delhi State, Delhi, within the limits of Delhi Municipal
Corporation, and bounded as under :—

North : House on Plot No. J-12/9
South : Plot No. J-12/7
East : Road
West : Service Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Lal s/o late Shri Tulsi Ram R/o F-285,
New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Devinder Singh s/o late Sh. Sunder Singh R/o
A-2/91, Rajouri Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR.II/Avg/989(20)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 undivided share of Plot No. J-12/8 situated at
Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi on 11-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of Plot No. 8, Block No. J. 12
(J-12/8) measuring 483.3/10 sq. yds. situated in the colony
known as Rajouri Garden, New Delhi, area of Village
Tarapur Delhi State, Delhi, within the limits of Delhi
Municipal Corporation, and bounded as under :—

North : House on Plot No. J-12/9

South : Plot No. J-12/7

East : Road

West : Service Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devi Dayal Miglani s/o Sh. Tulsi Dass, P-25,
NDSE Part II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Km. Shakuntala Gupta w/o Sh. O. P. Gupta
2202/64, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/Aug/278(7)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have
reason to believe that the immovable property having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. XVI/1604-05 (New) situated at Plot No. 110-E, Khasra
No. 925, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 7-8-1975,
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of the double storeyed building, bearing No.
XVI/16/4 (new) situated on Plot No. 110-E, Khasra No.
925, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 122 sq. yds.
and bounded as under :—

East : Property No. XVI/1584
West : Property No. XVI/1601-03
North : Gali
South : Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devi Dayal Miglani r/o P-25,
NDSE Part II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntla Gupta w/o Shri O. P. Gupta r/o
2202/64, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Sept/417(12)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. XVI/1604-05 (New) situated at Plot No. 110-E, Khasra
No. 925, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 8-9-1975,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value if the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of the double storeyed building, bearing No.
XVI/1604 (New) situated on plot No. 110-E, Khasra No.
925, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 122 sq.
yds. bounded as under :—

East : Property No. XVI/1584
West : Property No. XVI/1601-03.
North : Gali
South : Road.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

Ref. No. IAC,Acq.III/SR.III/August/374-A/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Khasra No. 165-Min. situated at Revenue Estate of Village Kotla Mubarakpur, New Delhi South Extension Part II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) (1) Sh. Sardari Lal Gupta s/o Sh. Shimbhu Dayal r/o R-35, NDSE Part II, New Delhi. (2) Smt. Kewal Luthra w/o Sh. K. L. Luthra, Police Quarters, Andrews Ganj, New Delhi. (3) Smt. Chander Kanta w/o Sh. Prem Nath, r/o A-69, NDSE Part II, New Delhi.

(Transferee)

(3) (1) M/s Litts Refrigeration Corporation, G-7, NDSE, Part I, New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)(4) Shri Prehlad Singh s/o Jit Singh, 1885, Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 9 biswas bearing Khasra No. 165-Min. situated in the revenue estate of Village Kotla Mubarakpur, New Delhi South Extension Part III, in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. D-25C.
South : DDA land
East : Road
West : NallahS. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.Date : 14-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Maya Devi w/o Shri Chet Ram and d/o late Faquira r/o Village Sharoli, Distt. Gurgaon (Hr.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Vishnu Sarup (2) Shri Dwarka Parshad ss/o Shri Budha Lal r/o 9, Housing Society, N.D.S.E. Part I, New Delhi-49.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 14th April 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/August/382-A(16)/75-76,—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 329, situated at Masjid Moth, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built house situated on a plot measuring 78 sq. yds. bearing Municipal No. 329, situated at Masjid Moth, forming part of Khasra No. 278, Khewat No. 152 and Khatuni No. 358 in the Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, New Delhi bounded as under :—

East : Road

West : House of Shri Yad Ram

North : House of Shri Budhu Ram

South : House of Shri Ranga Prashad.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 14-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th April 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/Aug/390(6)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-B/7, (half undivided share of half the share) situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

24—76GI/76

- (1) Smt. Durga Devi w/o Hari Vansh
1844, Hari Niwas, Pahargani,
New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Yash Paul Ahuja
s/o Pishauri Lal Arora
G-24, Mansarovar Garden,
New Delhi, (Transferee)
- (3) 1. Shri Jiwan Singh
2. Messrs. Mohan Lal Khem Chand
3. Shri Harbans Lal
4. Shri Joginder Singh
5. Shri J. K. Mehra
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of the half share (i.e. 1/4th share) of a 2½ storeyed building in the property bearing No. 14-B/7 Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi previously known as Bagh Raoji having Khasra No. 918 (152) measuring 293.1 sq. yds. and bounded as under:—

North : Road
South : Gali
East : Plot No. 8
West : Plot No. 6

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 19th April 1976

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/Aug.II/6/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22-A, Khan Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on 20-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Kishore Chand Kapoor,
s/o Dr. Raja Ram Kapoor,
A-463, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanjiv Kumar Mehra,
s/o Shri Dilbagh Rai Mehra,
N-62, Greater Kailash I,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Dr. Kishore Chand Kapoor,
s/o Dr. Raja Ram Kapoor,
Shop No. 22-A, Khan Market,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22-A, Khan Market, New Delhi alongwith all fixtures and fittings provided therein including the lease-hold rights of the land underneath thereof.

S. C. PARIJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 19-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jawala Prasad and Shri Sat Narain
sons of Shri Sohan Lal
r/o Mohalla Mandi, Zhazzar,
Distt. Rohtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Kishan Dass
s/o Shri Banwari Lal,
r/o 2937 Kucha Maidass,
Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 19th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1166/76-77.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 of 1412-1413, situated at Gali Mandir Zhazzar Walan, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 33 sq. yds. situated at 1412-1413 Mandir Zhazzar Walan, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

North : Property of Shri Hari Chand Mool Chand
South : Footpath, Chandni Chowk Delhi
East : Property of Shri S. S. Jain Mahavir Bhawan
West : Gali and others property.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 19-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 19th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1167/76-77/—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 571 situated at Majlis Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Nath Chhabra
s/o Shri Arur Chand
r/o 3/4 Subhash Nagar
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Smt. Chameli Devi
w/o Shri Moti Ram Bansal
2. Smt. Raj Rani w/o Shri Dharam Pal Bansal
r/o 5863 Nabi Karim, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 216 sq yds. situated at No. 571 Majlis Park, Delhi area of Village Bharola Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. 572
East : Passage 10'
South : Road 25'
West : Road 30'

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 19-4-1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Pushpalata P/r in
M/s. Associated Builders and Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Satya Barami,
R/o 1-2-593/23 at Gaganmabal Road,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. NO. 13/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 11 and 12 situated at Chiragali Lane, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 11 and 12 in Abid Shopping Centre at Chiragalai Lane, Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpalata P/r in
M/s. Associated Builders and Real Estate Agents,
at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Amlk Singh Mukheji,
H. No. 3-6-63 at Bashirbagh,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. No. 14/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop No. 13 and 14 situated at Abid Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 15-8-75 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 13 and 14 in Abid Shopping Centre
at Chiragali Lane, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpalata P/r in
M/s. Associated Builders and Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. V. Rao and Mrs. P. Vijaya Rao,
H. No. 1-10-1/12 at Ashoknagar,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. No. 15/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 3 in Abid's Shopping Centre at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sultan Saleem,
H. No. 3-6-214 at Himayatnagar,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jani Begum,
R/o Sabzi Mandi,
Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. No. 44/76-77.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion 3-6-214 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property: Portion of House, M. No. 3-6-214 at Himayatnagar, Hyderabad.

Area : 169 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th April 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sulthan Saleem,
R/o 3-6-214 at Himvatnagar,
Hyderabad.

(2) Smt. Haji Begum,
Ibraheem Bagh, Golkonda,
Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. No. 45/76-77.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of 3-6-214 situated at Himvatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House M. No. 3-6-214 at Himvatnagar, Hyderabad.
Area : 183 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC No. 46/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 3-6-214 situated at Himyatnagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Hyderabad on 20-8-75.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sultan Saleem,
S/o Late Mohd. Vazeer,
H. No. 3-6-214 at Himyatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(1) Sri Shaik Mahamood,
S/o Shaik Ibrahim,
R/o Old Tope Khana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 3-6-214 at Himyatnagar,
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sultan Saleem,
H. No. 3-6-214 at Himyatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shaik Ibraheem,
R/o Mozaamihi Market,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1976

Ref. No. RAC. No. 47/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 3-6-214 situated at Himyatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 20-10-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 3-6-214 at Himayatnagar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13th April 1976

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1976

Ref. No. RAC. No. 48/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open site 49 Ankns situated at Achari St. Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore on 15-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. N. Krishnamurthy S/o Venkatakrishnarao, 1/1 Rist Cross Road Raja Annamalaipuram, Madras-28.
2. N. Raghavendrarao S/o Krishnamurthy, R/o Manipal, Karnataka State.
3. Smt. Santharamamurthy W/o N. Ramamoorthy Rao, Coimbatore.
4. Smt. Geetharao, W/o C. P. Bindu Madhvarao, R/o Tamil Nadu.
5. Smt. Sudha Rao D/o N. Ramamoorthy, Bangalore.
6. Nyapati Sudindra S/o Ramamoorthy, Coimbatore Madras-State.

(Transferor)

- (2) Sait Sardarmal Sureshkumar S/o Meghraj, R/o Achari St., Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 49 Ankanmas of site in Achari Street, Nellore, bearing number Door No. 75 in Ward No. 13. Achari St., Nellore.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Mavuri Venkatesham and others,
H. No. 14-3-94 at Goshamahal,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mavuri Shanker,
H. No. 14-3-94 at Goshamahal,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 56/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

15-2-624 to 622 and 15-2-773 situated at Osmangunj,
Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on 8-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Property : House Nos. 15-2-624 to 15-2-622 and 15-2-773
at Osmangunj, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1976

Ref. No. RAC. No. 55/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-22 and 7-1-21/1 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-8-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Pingale Chudabai
W/o Late Sri Pingle Venkatarama Reddy,
G.P.A. P. Madhusudhan Reddy,
R/o 7-1-21/B at Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Sitaram Singh,
H. No. 1-1-230/14 at Vevekanagar,
Chikkadpalli, Hyderabad.
2. Sri Muralidhar Singh,
H. No. 1-1-230/14 at Vevekanagar,
Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Plot No. 8 in M. No. 7-1-22 and 7-1-21/1 at Begumpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harmanbhai Gopalbhai Patel, Chhani, Dist. Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, SECOND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd April 1976

Ref. No. P.R. No. 316 Acq. 23-656/6-2/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 517 paiki 1 Acre 36 guntha situated at Near Hospital, Chhani Dist. Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) Gopalnagar Coop. Housing Society, President :
Ranchhodbhai Gopalbhai Patel, Chhani, Dist. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S.No. 517 of Chhani, admeasuring 1 acre 36 gunthas at Chhani, near Hospital as described in sale deed having registration No. 4526 and 4527 of August, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3rd April, 1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
SECOND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd April, 1976

Ref. No. P.R. No. 317 Acq. 23-588/13-6/75-76.—Whereas, I. P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 814/2+3 admeasuring 1 Acre 6 Gunthas situated at Village Traj on Maten Khambat Road, Tal. Matar Dist. Kaira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaira on 13-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mehta Veljibhai Jaykrushnabhai;
2. Bai Kamlalaxmi wife of Shri Harmanbhai Chhaganbhai, both owners of Shri Bhagyalaxmi Rice & Pulse Mill, at Village Traj, Tal. Matar, Dist. Kaira (At present-Subhasnagar Society, Navrangpura, Ahmedabad).
(Transferor)
- (2) M/s. Shah Harijivandas Maganlal Partners & V. K. Shah Natverlal Harijivandas and Dineshchandra Harijivandas, both of Matar, Dist. Kaira.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building with Machinery and goodwill of Bhagyalaxmi Rice & Pulse Mill at village Traj, Tal. Matar, Dist. Kaira, S.No. 814/2+3. Registration No. 684, admeasuring 1 Acre and 6 Gunthas as per deed registered in the month of August, 1975 in the office of the Registering Officer, at Kaira.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3rd April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd April 1976

Ref. No. P.R.No. 318Acq.23-657/6-1/75-76.—Whereas, I P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 835 & 836 situated at Gorva Sim, nearby High Way Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—76GI/76

- (1) 1. Shri Chhatrasing Zinabhai Rathod;
2. Bai Dhana Wd/of Mansing Zinabhai Rathod;
3. Shri Musabhai Zinabhai Rathod:
At Gorva Village, Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Shah Ambalal Damodardas;
2. Shah Pramodkumar Ambalal.
3. Shah Prakashchand Ambalal
'Amba' Opp. Parsi Agiari, Sayaji Ganj Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S.No. 835 and 836 at Gorva sim-admeasuring 3 Acre and 24 gunthas situated at Gorva sim on National High Way nearby Ranpur Marval Factory, Baroda as described in the sale deed having registration No. 4805 of August, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3rd April, 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, SECOND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. P.R.No. 319Acq.23-658/19-8/75-76.—Whereas, I P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.No. 189 paiki open land situated at Udhna Magdalla Road, Mouje Majura, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dahyabhai Mavjibhai; Naranbhai Mavjibhai Chhaganbhai Mavjibhai, Hubar Maholla, Near Navsari Bazar, Surat,

(Transferor)

(2) S/Shri Mohsinbhai Abdulrahim Hajuri; Haiderbhai Mohsinbhai Hajuri; Moizbhai Mohsinbhai Hajuri; Jurarbhai Mohsinbhai Hajuri; Saifi Mohollo, Zampa Zazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S.No. 189 paiki admeasuring 1795. 63 Sq. meters situated on Udhna Magdalla Road, Majura Tal. Chorasi Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3671 of August of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 5th April 1976

Ref. No. P.R.No. 320Acq.23-620/19-8/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni. Ward No. 2 Nondh No. 1955 A-1-A paiki situated at Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bai Kashi Wd/o. Jinabhai Ghelabhai, Navsari Bazar, Surat.

(Transferor)

(2) Kailashnagar Flats Co-operative Housing Society, Surat, through;

President : Ratilal Chhaganlal,

Secretary : Kailashben Champaklal, Sagarpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As open plot of land bearing Nondh No. 1955-A-1-A of Ward No. 2, paiki, Plot No. C Block No. DA' & 'Dha' ad-measuring 488 and 600 Sq. yds, respectively i.e. aggregate 1088 sq. yds situated in Sagrampura behind, Mahadevnagar Society Surat as fully described in the registered sale deeds No. 4288 and 4289 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5th April 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, SECOND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R.No. 321Acq. 23-659/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S.No. 42 paiki open land situated at Udhna Tal. Choryasi Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 14-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely : —

- (1) M/s. Baroda Bricks Factory, a partnership firm through partners S/Shri Jivanlal Joitaram; Jayantilal Jivanlal; Hiralal Jivanlal, Near Railway Bridge, Udhna.

(Transferor)

- (2) Shiv Co-operative Housing Society; Through Chief Promoters; Rajan Padmakant Kapadia, Rani Talao, Main Road, Surat. Kanaiyalal Ramanlal Prajapati, Sachin House, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As open plot of land bearing Rev. Sur. No. 42 paiki, admeasuring 1847. 94 sq. yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3538 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th April, 1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Shantilal Surajmal Mehta;
2. Smt. Kusum Shantilal Mehta,
Vachha Gandhi Road, Gamdevi,
Bombay-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Vijay Organisers (Diamond Chambus) Ground
Floor, Shanti Bhavan, Palace Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-
IIND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R.No. 322Acq. 23-480/6-2/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
R.S.No. 53, Plot No. 3, 7, 8 & 9 situated at Race Course
Road, Opp. Bank of Baroda Training School, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Baroda on 16-8-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those four contiguous pieces of plots of vacant land
or ground being plots No. 3, 7, 8 & 9 of R.S. No. 532, situate
lying and being at Viswas Colony, Race Course Road Sayaji
Gao), Village Baroda admeasuring in the aggregate 29302
sq. ft. as described in the sale deed registered in August, 1975
under registration No. 4638 by registering Office, Baroda-II.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th April, 1976

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, SECOND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R.No. 323Acq. 23-474/6-1/75-76.—Whereas I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 803/1-2 admeasuring 38400 s.ft situated at Harni Road, Near Rupam Cinema, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Real Estate Corporation;
Partners :
1. Shri A. H. Sheth;
2. Shri S. H. Sheth.

(Transferor)

- (2) The Principal Officer,
The Baroda District Coop. Purchase and Sale Union,
Tarkeswar, Near Jubileebag, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot on Harni Road, Near Rupam Cinema which is under construction bearing S. No. 803/1-2 and admeasuring 38400 sq. ft. as described fully in the sale deed registered during August, 1975 under registration No. 4869 by registering Officer, Baroda-I.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th April 1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-
IIND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 8th April 1976

Ref. No. P.R.No. 324Acq.23-660/19-7/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Road No. 5 Block No. 5 Plot No. 18 situated at Udhna
-0?NP5kSUDhna shrdl etaoi shrdl etaoi shrdl etaoi shrdletll
Udyognagar Dist. Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 16-8-1975for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-
sons, namely :—

- (1) 1. Navinchandra Krishnamukhlal Shroff;
2. Pramodechandra Krishnamukhlal Shroff,
3. Prafulbala Krishnamukhlal Shroff;
4. Kiranbala Balvantbhai Chauhan; Nanavat, Main
Road, Surat.

(Transferor)

- (2) Shyamsunder Jamnadas Kapadia;
Amivarsa, Kailasnagar Society,
Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the 'said Act', shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As open plot of land bearing Block No. 5, Plot No. 18,
on Road No. 5, admeasuring 600 sq. yds. situated on Udhna
Odyognagar Dist. Surat as fully described in the registered
sale deed No. 3647 of August, 1975 of the Registering Offi-
cer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 8th April, 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 8th April 1976

Ref. No. P.R.No. 325Acq.23-661/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Road No. 5, Block No. 12, Plot No. 5 situated at Udhna Udyognagar, Dist. Surat.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Navinchandra Krishnamukhlal Shroff;
2. Pramodchandra Krishnamukhlal Shroff;
3. Prafulbala Krishnamukhlal Shroff;
4. Kiranbala Balvantbhai Chauhan; Nanavat, Main Road, Surat.

(Transferor)

- (2) Anupam Hiralal Chokhawala,
- Sanjay Ratilal Chokhawala,
- 3/4112, Navapura, Dalia Sheri, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Block No. 12 Plot No. 5 on Road No. 5 admeasuring 600 sq. yds. situated in Udhna Udyognagar, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3646 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 8th April, 1976

Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1976

Ref. No. P.R. No. 326/Acq.23-662/19-7/1975-76.—Whereas, I. P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Road No. 5, Block No. 5, Plot No. 17 situated at Udhna Udyognagar, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 16-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
27—76GI/76

(1) 1. Navinchandra Krishnamukhlal Shroff, 2. Pramodchandra Krishnamukhlal Shroff, 3. Prafulbala Krishnamukhlal Shroff, 4. Kiranbala Balvantbhai Chauhan, 11/1314, Nanavat, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) Sharadchandra Jamnadas Kapadia, Amivarsa, Kailas Nagar Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Block No. 5, Plot No. 17 on Road No. 5, admeasuring 600 sq. yds. situated in Udhna-udyognagar, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3645 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1976

Ref. No. P.R. No. 327/Acq.23-663/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Road No. 5, Block No. 5, Plot No. 19 situated at Udhna Udyognagar, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16.8.1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Navinchandra Krishnamukhlal Shroff; 2. Pramodchandra Krishnamukhlal Shroff; 3. Prafulbala Krishnamukhlal Shroff; 4. Kiranbala Balvantbhai Chauhan; Nanavat, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) Rajendra Balvantrai Kapadia, Amivansa, Kailasnagar Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Block No. 5, Plot No. 19 on Road No. 5, admeasuring 600 sq. yds. situated in Udhna Udyognagar, Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 3648 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-4-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th April 1976

Ref. No. P.R. No. 328/Acq.23-664/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 532, Plot No. 10, situated at Viswas Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 26-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Y. V. Ghatge, 1, Viswas Colony, Race Course Road, Baroda.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Shantilal Vithalbhai Patel; 2. Mrs. Savitri Shantilal Patel, 25, Uday Park Society, Jetalpur Road, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—an open plot bearing S. No. 532 Plot No. 10, situated at Viswas Colony, Race Course Road, Baroda, measuring 6142 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 4520 in the month of August, by Registering Officer, Baroda-1.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R. No. 329/Acq.23-665/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 359/1 and 360 situated at Makarpura, just near to All India Radio Station, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Dr. Balubhai Nathabhai Patel, Station Road, Anand, Dist. Kaira.
- (2) Shri Oohhavlal Himatlal, Piramitar Road, Baroda,

(Transferor)

- (2) Shri Shankheswer Nagar Coop. Housing Society Ltd., President : Shri Ambalal Gandhal Kharwa, Madanjampa Road, Kharwavad, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : An open plot bearing S. Nos. 359/1 and 360 situated in Makarpura, Baroda, just near the All India Radio Station and admeasuring 20000 sq. ft. as described in sale deed registered in the month of August, 1975 under registration No. 4854 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Dr. Balubhai Nathabhai Patel, Station Road, Anand, Dist. Kaira.

(2) Shri Ochhavilal Himatlal, Piramitar Road, Baroda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankheswer Nagar Coop. Housing Society Ltd. President : Shri Ambalal Gandadal Kharwa, Madanjampa Road, Kharwavad, Baroda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R. No. 330/Acq.23-665/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 359/1 and 360 situated at Makarpura just near to All India Radio Station, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : An open plot bearing S. Nos. 359/1 and 360 situated in Makarpura, Baroda, just near the All India Radio Station and admeasuring 14535 sq. ft. as described in sale deed registered in the month of August, 1975 under registration No. 4856 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-4-1976.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th April 1976

Ref. No. P.R. No. 331/Acq.23-665/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 359/1 and 360, situated at Makarpura, just near to All India Radio Station, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Balubhai Nathabhai Patel, Station Road, Anand, Dist. Kaira.
- (2) Shri Ochhavlal Himatlal, Piramitar Road, Baroda. (Transferor)

- (1) Shri Shankheswar Nagar Coop. Housing Society Ltd. President : Shri Ambalal Gandhalal Kharwa, Madan-jampa Road, Kharwavad, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : An open plot bearing S. No. 359/1 and 360 situated in Makarpura, Baroda, just near the All India Radio Station and admeasuring 1,00,000 sq. ft. as described in sale deed registered in the month of August, 1975 under registration No. 4857 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6.4.1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Havabu wd/o Ismail Saleh Haji; 2. Isap Saleh Haji; 3. Husen Saleh Haji; All at Dabhel, Tal. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd. Kalyan Nagar, Maroli, President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta, Vice-President : Shri Dhirusbhai Nathubhai Gandhi, Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 13th April 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 332/Acq.23-545/7-4/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 71 situated at Kolasana, Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-8-1975

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 71, situated at Kolasana, Tal. Navsari, Dist. Bulsar, admeasuring 12 Acre 39 gunthas as described in the sale deed registered in the month of August, 1975 registration No. 2544 by the registering Officer, Navsari.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1976,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haribhai Gordhanbhai Bhakta,
Village Dhaman, Tal. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th April 1976

Ref. No. PR. No. 333 Acq. 23-545/7-4/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Block No. 98 situated at Kolasana, Tal. Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 22-8-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd,
Kalyan Nagar, Maroli, Tal. Navsari;
President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta;
Vice-President : Shri Dhirubhai Nathubhai Gandhi;
Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 98, situated at Kolasana, Tal. Navsari Dist. Bular admeasuring 3 acre 38 gunthas as described in the sale deed registered in the month of August, 1975 under registration No. 2543 by the registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13th April, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th April 1976

Ref. No. P.R. No. 334 Acq. 23-545/7-4/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 70 situated at Kolasana, Tal. Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Navsari on 29-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

28—76GI/76

- (1) 1. Khaniben Wd/of Kevalbhai Govindji;
2. Shri Gopalbhai Kevalbhai;
3. Shri Jivanbhai Kevalbhai;
Power of Attorney Holder Shri Chhagaubhai
Vannalibhai.
(Transferor)

- (2) Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd.
Kalyan Nagar, Maroli;
President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta;
Vice-President : Shri Dhirubhai Nathubhai Gandhi
Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 67 & 70 situated at Kolasana, Tal.
Navsari, Dist. Bular, admeasuring 5 acres 20 gunthas as
described in this sale deed registered in the month of August,
1975 under registration No. 2598 by the registering Officer,
Navsari.

P. N. MITTAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13th April, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dahyabhai Makanbhai Patel;
Village : Dhaman. Tal. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta,
Vice-President : Shri Dhirubhai Nathubhai Gandhi
Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta.
of Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali
Ltd, Kalyan Nagar, Maroli, Tal. Navsari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 13th April 1976

Ref. No. P.R. 335 Acq. 23-545/7-4/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 99, situated at Kolasana, Tal. Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Navsari on 8-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing block No. 99, situated at Kolasana, Tal.
Navsari, Dist. Bulsar, admeasuring 2 acres 16 gunthas as des-
cribed in the sale deed registered in the month of August,
1975 under Registration No. 2507 by the registering Officer.
Navsari.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13th April, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Kuber Vasanji;
2. Shri Bhikhabhai Vasanji of Kolasana, Tal. Navsari, Dist. Bulsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th April 1976

Ref. No. PR. No. 336 Acq. 23-545/7-4/75-76.—Whereas
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Block No. 68 situated at Kolasana, Tal. Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Navsari on 8-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons,
namely :—

- (2) President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta;
Vice-President : Shri Dhirubhai Nathubhai Gandhi
Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta.
of Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali
Ltd. Kalyan Nagar, Maroli; Tal. Navsari,
Distt. Bulsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the Said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing block No. 68, situated at Kolasana, Tal.
Navsari Dist. Bulsar, admeasuring 1 acre 38 gunthas as des-
cribed in the sale deed registered in the month of August,
1975 under registration No. 2508 by the registering Officer,
Navsari.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 13th April, 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suleman Isap Katadiwala;
Village : Dabhel,
Tal. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th April 1976

Ref. No. P.R. No. 337 Acq. 23-545/7-4/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Block No. 72 situated at Kolasana, Tal. Navsari
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 8-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) President : Shri Narsinhbhai Gordhanbhai Bhakta;
Vice-President : Shri Dhirubhai Nathubhai Gandhi
Secretary : Shri Dhanjibhai Kalidas Bhakta
of Marolj Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali
Ltd. Kalyan Nagar, Marolj; Tal. Navsari,
Distt. Bulsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Land bearing block No. 72, situated at Kolasana, Tal.
Navsari, Dist. Bulsar, admeasuring 3 Acres 14 gunthas as
described in this sale deed registered in the month of August,
under registration No. 2509 by the registering Officer, Navsari,

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13th April, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Singh, s/o Shri Ganda Singh,
R/o Ladian Kalan,
Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ravina Lands Private Ltd. Regd. Office,
Arya School Road, Ludhiana, through
Shri Gurdial Singh Saqi,
Managing Director.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. LDH/C/383/75-76.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 4 kanal, situated at Karabara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 kanal, situated at Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4595 of August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19th April, 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ronki, s/o Rodal,
Village Mauli Jagran,
U.T. Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. CHD/449/75-76.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 29 kanal and 4 marla situated at Village Mauli Jagran, U.T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (i) Shri Boota Ram,
(ii) Shri Munshi Ram,
(iii) Shri Iqbal Chand,
sons of Shri Ganga Ram,
R/o House No. 112, Sector 27-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 kanal and 4 marla, situated in Village Mauli Jagran, U.T. Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 653 of August, 1975 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. KHR/1419/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land one kanal and 14 marla, alongwith five sheds, a part of property known as Gokal Oil & General Mills situated at Kurali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gokal Oil & General Mills,
Kurali, through Shri Sohan Lal, Partner,
(Transferor)

(2) (i) Smt. Bimla Devi, w/o Shri Sohan Lal,
(ii) Smt. Nirmla Devi, w/o Shri Krishan Chand,
through Shri Vishnu Bhagwan, Kurali.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 kanal and 14 marla alongwith five sheds, a part of property known as Gokal Oil & General Mills, Kurali.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2230 of August, 1975 of the Registering Officer, Kharar.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 19th April 1976

Ref. No. KHR/1420/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 4 kanal and 5 marla with a shed, water tank and rooms situated at Kurali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) M/s. Gokal Oil & General Mills,
Kurali, through Shri Sohan Lal, Partner,
(Transferor)
- (2) (i) Smt. Tara Wati, w/o Shri Nathi Ram,
(ii) Smt. Vidya Wati, w/o Shri Nantha Ram,
Kharar, through Shri Prem Chand.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 4 kanal and 5 marla alongwith a shed, rooms & water tank, situated at Kurali.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2234 of August, 1975 of the Registering Officer, Kharar.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 20th April 1976

Ref. No. PYL/1705/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,being the Competent Authority under Section
269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural land measuring 27 bigha and 19 biswa situated
at Village Araiche, P.O. Doraha, Teh. Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Payal in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by issue of this notice under-sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

29—76GI/76

(1) Shri Kartar Singh alias Dengar,
R/o Village Araiche, Post Office Doraha,
Tehsil and District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh, s/o Shri Kehar Singh,
R/o Village Araiche, Post Office Doraha,
Tehsil and District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 bigha and 19 biswa situated
at Village Araiche, Post Office Doraha, Tehsil and District
Ludhiana.(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1047
of August, 1975 of the Registering Officer, Payal.)G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 20th April, 1976

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 20th April 1976.

Ref. No. PYL/1706/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 27 bigha and 18 biswa, situated at Village Araiche, P.O. Doraha, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Payal in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh alias Dengar,
R/o Village Araiche, Post Office Doraha,
Tehsil and District Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Balvinder Singh, s/o Shri Kehar Singh,
R/o Village Araiche, Post Office Doraha,
Tehsil and District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 bigha and 18 biswa situated at Village Araiche, Post Office Doraha, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1058 of August, 1975 of the Registering Officer Payal.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 20th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Piara Singh, s/o Shri Ganesha Singh,
R/o Prem Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gurbachan Kaur, w/o Shri Piara Singh,
R/o Mohalla Prem Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 26th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever, period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. LDH/C/384/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason tobelieve that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Land, measuring 2 bigha, 8 biswa, and 13 biswansi, situated
at Dholewal, Tehsil Ludhiana,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in August 1975for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such trans-
fer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha, 8 biswa and 13 biswansi, situated
at Dholewal, Tehsil Ludhiana.(Property as mentioned in the Registered Deed No.
4617A of August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);G. P. SINGH
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ChandigarhNow, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 26th April, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/599.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 128, Madan Mahal Extension Wright Town Jabalpur situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 22-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Bhaiyalal Shrivastava s/o Shri Kamta Prasad Shrivastava, House No. 1922 Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwanlal Khodiyar and Shri Liladhar Khodiyar Sons of Ratanlal, R/o Sarai pallie, Raipur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 128, Situated at Madan Mahal Extension, Wright Town, Jabalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/600.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot and house known as Bijli Ghar on the side of Karbala Road in Ahmedabad, Village Kohe-Fiza, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 8-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. H. H. Sajida Sultan Begum D/o late H. H. Nawab Hameedullah Khan through Attorney Shri Syed A. Rahim S/o Shri Abdul Aziz Sahab, Ahmedabad, Bhopal.

(Transferor)

- (2) Mrs. Huma Daud ur Rehman W/o Mohammed Daud-ur-Rahman Ahmedabad, Bhopal—Present address Mrs. Huma Daud-ur Rehman W/o Shri Mohammed Daud ur Rehman Vice Consul, British Embassy, Dubai, United Arab Emirate.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house known as Bijli Ghar on the side of Karbala Road in Ahmedabad, Village Kohe-Fiza, Bhopal.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chhotelal S/o Late Ramprasad Tailor, Itwara, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramprakash S/o Shri Radheshyam Ganohi, Sarafa Chouk, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/601.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house inside area of Itwara, Ward No. 16, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 14-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot and house inside area of Itwara, Ward No. 16, Bhopal.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/602.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot No. 13 situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal—Area 5277 sq. ft. situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Shrimati Begum Suraiya Rasheed Wd/o late Nawabzada Rasheed Uz Zafarkhan Saheb Bahadur, 2. Shri Yawar Rasheed, 3. Mah Bano, 4. Neloufer sons and d/o late Nawabzada Rasheedur-Zafar Khan Saheb R/o Shamla Kothi, Bhopal, M.P. (Transferor)
- (2) Shri Satya Dev, 2. Shri Vijay Mehta sons of Shri Jaswant Rai Mehta R/o 16 Idgah Hills, Bhopal. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, situated at Nadir Colony Shamla Hills, Bhopal—Area 5277 sq. ft.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 2-4-1976.

Seal:

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/609.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Named "Sai Vihar" bearing No. 11/3, Mira Path colony near Nehru Park, Indore situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sureshchandra Chimanlal Lad, Smt. Chandrakanta W/o Shri Sureshchandra C. Lad. R/o Shehlataganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Chimanlal Lad Smt. Sushilabai W/o Shri Rameshchandra Lad, Shri Vijayakumar & Indraeshkumar (Minor) S/o Shri Rameshchandra Lad, R/o Sai Vihar, 11/3 Mira Path, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House named "Sai Vihar" bearing No. 11/3, Mira Path colony near Nehru Park, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Shantilal S/o Shri Dayaram Thakar, 2. Shri Mohanlal S/o Shri Dayaram, 145, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Kantidevi W/o Shri Vijaykumar Maheshwari Mahajan, R/o Yashwant Niwas Road, Sita Building, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/610.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. House No. 105/2, Block No. 11, Vallabh Nagar, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—76GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 105/2, Block No. 11, Vallabh Nagar, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramchandra S/o Nandram Mahajan, R/o Daulatganj, Shajapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Srimal, (ii) Shri Rajmal, (iii) Shri Laxminarayan all sons of Shri Harakchandji Mahajan, R/o Village Badodiya, Distt. Shajapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 7th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/612.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2/974 Daulatganj, situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 13-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 2/974, Daulatganj, Ujjain.

V. K. SINHA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramchandra S/o Shri Nandram Mahajan,
R/o Daulatganj, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Srimal Rajmal & Laxminarayan sons of
Shri Harakchandji Mahajan,
R/o Vill. Badodiya, Distt. Shajapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/613.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 2/974, situated at Daulatganj, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 16-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2/974 situated at Daulatganj, Ujjain.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 8th April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/614.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 981 E, Napier Town, situated on plot No. 3, Block No. 4, Napier Town Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 8th August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kriparam son of late Hariram Khurana
R/o 981, Napier Town, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Tapendra Kumar Bhaduri S/o
late Shri R. K. Bhaduri,
R/o 631, Marhatal, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 981 E, Napier Town, situated on plot No. 3, Block No. 4, Napier Town, Jabalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BLDG,
5TH FLOOR, NEAR CHARNI RD. STATION,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 9th April 1976

Ref. No. AR11/2033/3689/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 21 TPS II, CTS No. G/24, situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lilavati Sunderlal. (Transferor)
- (2) Smt. Nanbai W/o Kalyanji Bhagat Kum. Manjulaben Maganlal Shah. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the buildings standing thereon situate and being at Santacruz in Danda in Greater Bombay admeasuring 4717 square yards equal to 3943.88 sq. meters or thereabouts and bearing Final Plot No. 21 of Santacruz Town Planning Scheme No. II and known as Kerala Nagar bearing C.T.S. No. G/24 of Bandra and bearing Municipal 'H' Ward Nos. 3327 (1), (2), (3), (4), and (4A) and Street Nos. 42A, 42B, 42C, 42D and 42E at Tagore Road, Santacruz and bounded as follow:—that is to say on or towards the East by Tagore Road, on or towards the West by Final Plot No. 22 of the Scheme on or towards the North by Final Plot No. 16 of the Scheme and on the South by Final Plot No. 26 of the Scheme.

M. J. MATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-4-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Punamchand Premji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Manjula Kantilal Parekh
2. Vipul Kantilal Parekh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th April 1976

Ref. No. AR.V/(383/5)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1000 & City S. No. 1250/11 situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 19-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) M/s. Mahadeo Velji Patel & Ors.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Jhaver Road, Mulund in Greater Bombay, being plot Nos. 75B (part) and 76B(part) being part of Survey No. 1000 and city Survey No. 1250/11 in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban admeasuring according to City Survey Records 798 Sq. yards equivalent to 667.20 sq. metres or thereabouts and bounded on or towards the south by plots bearing Nos. 75A and 76A on or towards the North by Jhaver Road, on or towards the East by Plot No. 75B, and on or towards the West by Plot No. 76 part.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-V, Bombay

Date : 13-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Navnitlal N. Shete.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Roshanlal K. Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th April 1976

Ref. No. AR.V/(390/12)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 26(p), 162 Hiss No. 4(p) Plot No. 17, situated at Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Agra Road, Ghatkoper in Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban bearing S. Nos. 26(p), 162 Hissa No. 4(p) Plot No. 17 admeasuring 1109 sq. mts.

J. M. MEHRA,
'Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 13-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Nalini Baburao Pawar.
2. Shri Laxman Baburao Pawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Gopi Prasad Jhimanlal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th April 1976

Ref. No. AR.V/(381/3)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 63 C.T.S. No. 752

situated at Village Nahur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1824 sq. yds. equal to 1526 sq. mts. Out of Survey No. 63, C.T.S. No. 752 of Village Nahur in Greater Bombay at Goregaon Mulund Link Road.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Simon Dominic Gomes,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th April 1976

Ref. No. AR.V/(393/15)/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 51, H. No. 18(Pt)

situated at Village Mohilli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-registering Officer at Bombay on 19-8-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

31—76GI/76

(2) Shri Ratilal Vora & Others.

1. Ratilal Vallabhji Vora.
 2. Kirit Tribhovandas Vora.
 3. Manilal Jivraj Mehta.
 4. Kishor Manilal Mehta.
 5. Dinesh Manilal Mehta.
 6. Shantilal Amratlal Vaid.
 7. Vijay Shantilal.
 8. Cawasji Jamasji Umrigar.
 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatir.
 10. Prem Laxmandas Bhatia.
 11. Madan Laxmandas Bhatia.
 12. Mukesh Laxmandas Bhatia.
- Partners of
M/s Sam Hita Industrial Enterprises,
37, Haman Street, Fort,
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at village Mohilli Taluka Kurla in the registration District of Bombay City and Suburban and containing by admeasurement 2000 Square Yards, equivalent to 1672.25 Square metres or therabouts bearing Survey No. 51 Hissa No. 18 (part) City Survey No. 783.

J. M. MEHRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay

Date: 15-4-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Bcharilal Ramcharan Cotton Mills Ltd.
(Transferor)(2) Sonarika Estate Development Pvt. Ltd.
(Transferee)(3) Tenants.
[Person in occupation of the property]NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 14th April 1976

Ref. No. AR -I/1268-11Aug.75—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 2874 & 2875 of Bhuleshwar Divn. situated at Cawasji Patel Tank Rd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the message or dwelling house and other buildings thereon standing situate lying and being at Cawasji Patel Tank Road, without the Fort in the Island of Bombay known as "Chanda Wadi" or "Chandra Baug" fronting the said Cawasji Patel's Tank Road, on the West side thereof in the Registration sub-District of Bombay containing by admeasurement nine thousand twenty-five sq. yds. equal to 7,545.80 sq. mts. or thereabouts by the same more or less and bearing Collector's Old Nos. 58, 140, 642, collector's New Nos. 543, 1217, 2981 and 2982, old Survey No. 2 New Survey No. 2/7480 C.S. No. 2874 and 2875 of the Bhuleshwar Division and also bearing the following Municipal Nos. C Ward No. 657 9-12-1 street No. 25C Ward No. 547A (2) Street No. 178C Ward Nos. 647A, (1A), 1(B) 1(C) and 1(CC) and 1(CC) Street Nos. 13A, 126A, 25AA, 25AAA C Ward Nos. 647A(2A), (3, 4, 5), (6A, 7, 6), 7, 8, 8A, 10, 11, 15, 16 Street No. 138DD, 134, 136, 125A, 138, 138A, 160, 18M and bounded on or towards the North partly by Khetwadi Main Road and partly by the property bearing C.S. No. 2873 on or towards the East partly by the said Cawasji Patel Tank Road and partly by the property bearing C.S. No. 2873 and on or towards the East partly by the agiary of Cawasji Maneckji Bhandupwalla and partly by Sweeper's passage beyond which are properties bearing C.S. Nos. 2893 and 2893.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, BombayDate : 14-4-1976
Seal .

FORM ITNS—

(1) Smt Sarob Firoz Jhangir.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Doshi & Ors.

(Transferee)

(3) Shri P. K. Doshi & Ors.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 14th April 1976

Ref. No. ARI/1277-20/Aug.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 2/189 of Tardeo Divn. situated at Grant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land or parcel of Foras Tenure (redeemed) situate at Grant Road in the Island and sub-registration District of Bombay together with the hereditaments and premises consisting of a cinema theatre known as "SUPER CINEMA" standing thereon containing by admeasurement 1665 sq. yds. equivalent to 392.10 sq. metres or thereabouts be the same a little more or less and registered in the Books of the Collector's of Land Revenue along with other land under Collector's Old No. 2 New Nos. A/13465, AA/13465, AB/13465 and 13466 and forming part of Cadastral Survey No. 2/189 of Tardeo Divn. and assessed by the asses or and Collector of Municipal Rates and Taxes under "D" ward Nos. 3945-49 (i) and Street Nos. 2, 4 and 6 Erachshaw Hakim Road and 325 and 334 Grant Road which said land, hereditaments and premises are bounded as follows, that is to say on or towards the North by the property belonging to the Estate of Dr. Erachshaw Hakim on or towards the South by Grant Road on or towards the East Partly by the property of Bada Karim known as Karim building and partly by the property of Syed Mahomed Boga and on or towards the West by Erachshaw Hakim Road.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 15th April 1976.

Ref. No. Acqn.Range-IV/A.P.214/76-77.—Whereas, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 1309/14,
situated at Village Versova

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-8-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ansuya Kantilal Shah,
Pandit Nehru Marg, Jamnagar, Gujarat.

(Transferor)

- (2) Shri Harkant Keshavlal Shah,
11-B, Grand Paradi, August Kranti Marg,
Bombay-400036.

(Transferee)

- (4) (1) Ansuya Kantilal Shah, (2) Arvindkumar Kantilal Shah, (3) Pravinchandra Champaklal Shah and (4) Chandrakant Shivilal Rajparia, carrying on business as partners in the firm of M/s S. R. Construction Co., all of Kastur Bldg. Station Road, Jamnagar, Gujarat.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 390 sq. mts. or thereabouts equivalent to 466 sq. yds. or thereabouts situate at Versova on Andheri-Versova Road in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban bearing C.T.S. No. 1309/14 of the Vendors Private Layout Scheme and bounded as follows; that is to say on or towards the EAST by 30 ft. wide road, on or towards the WEST by C.T.S. No. 1309/13, on or towards the NORTH by C.T.S. No. 1309/11 and on or towards the SOUTH by C.T.S. No. 1309/15.

G. A. JAMES

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-4-1976

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 15th April 1976

No. ACQN Range-IV/A.P. 215/76-77.—Whereas, I, G. A. James, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 1309/10 situated at Village Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

- (1) Smt. Ansuya Kantilal Shah,
Pandit Nehru Marg, Jamnagar, Gujarat.
(Transferor)
- (2) Shri Bankim Chandrakant Shah,
167, Readymoney Terrace, Dr. A. B. Road, Worli,
Bombay-400 018.
(Transferee)
- (4) 1. Ansuya Kantilal Shah,
2. Arvindkumar Kantilal Shah,
3. Pravinchandra Champaklal Shah,
4. Chandrakant Shivilal Rajparia,
carrying on business as partners in the firm of
M/s. S. R. Construction Co., all of Kastur Bldg.,
Station Road, Jamnagar, Gujarat.
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 359.1 sq. mtrs. or thereabouts equivalent to 429 sq. yds. or thereabouts situate at Versova on Andheri Versova Road in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban bearing C.T.S. No. 1309/10 of the Vendors' Private Layout Scheme and bounded as follows :—that is to say on or towards the EAST by 30 Ft. wide road, on or towards WEST by C.T.S. No. 1309/9, on or towards NORTH by C.T.S. No. 1309/8 and on or towards SOUTH by C.T.S. No. 1309/11.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-4-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th April 1976

Ref. No. Acqn.Range-IV/A.P.216/76-77.—Whereas I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 1309/9 situated at Village Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ansuya Kantilal Shah,
Pandit Nehru Marg, Jamnagar,
Gujarat. (Transferor)
- (2) Shri Hasmukhlal Shivilal Shah,
Arvind Estate, Patel Colony, Jamnagar,
Gujarat. (Transferee)
- (3) 1. Ansuya Kantilal Shah.
2. Arvindkumar Kantilal Shah.
3. Pravinchandra Champaklal Shah,
4. Chndrakant Shivilal Rajparia,
Carrying on business as partners in the firm of
M/s S. R. Construction Co., all of Kastur Bldg.,
Station Road, Jamnagar, Gujarat.
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 480 sq. metres or thereabouts equivalent to 574 sq. yds. or thereabouts situate at Versova on Anhderi-Versova Road in the Registration Sub-District of Bandra. District Bombay Suburban bearing C.T.S. No. 1309/9 of the Vendors' Private Layout Scheme and bounded as follows; that is to say on or towards the East by C.T.S. No. 1309/10, on or towards the West by C.T.S. No. 1309/7, on or towards the North by C.T.S. No. 1309/8 and on or towards the South by C.T.S. No. 1309/11.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 15-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th April 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/A.P.217/76-77.—Whereas, L. G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of S. No. 41, being Plot No. C-20 situated at village Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vinodini Vasantraai Sanghvi
'Sidhi Priyag', Navyug Society, Juhu Development Scheme, Vile Parle (W), Bombay-400056.

(Transferor)

(2) M/s. Laiya Dyeing & Bleaching Works, a partnership firm, the partners of which are Shri Somnath Dwarkadas Seth, (2) Kalicharan Dwarkadas Seth, and (3) Smt. Lajyavati Dwarkadas Seth, all of 31, Mogra, Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400069.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1500 Sq. Yds. equivalent to 1254.64 Sq. metres or thereabouts situate lying and being at Village Oshivara in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra District and City of Bombay and forming part of S. No. 41 being Plot No. C-20 of the approved Lay out and bounded as follows :—

On or towards the East by Plot No. C-21;
On or towards the West by Plot No. C-19;
On or towards the North by 44' wide road; and
on or towards the South by Block 'D' of the Scheme.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-4-1976

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) Smt. Vinodini Vasantrao Sanghvi,
'Siddhi Priyag' Navyug Society, Juhu Development
Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400056.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th April 1976

Ref. No. Acqn Range-IVAP.218/76-77.—Whereas, I,
G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income
Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Part of S. No. 41, being Plot No. C-19
situated at Village Oshivara
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 30-8-1975,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

- (2) M/s. Lajya Dyeing & Bleaching Works,
a partnership firm, the partners of which are Shri
Somnath Dwarkadas Seth, (2) Kalicharan Dwarka-
das Seth, and (3) Smt. Lajyavati Dwarkadas Seth,
all of 31, Mogra, Nagardas Road, Andheri (East).
Bombay-400069.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring
1254.64 sq. metres (equivalent to 1500 sq. yds) or there-
abouts situate lying and being at Village Oshivara in
Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra
District and City of Bombay and forming part of S. No. 41
being Plot No. C-19 of the approved Lay out and bounded
as follows :—

On or towards the East by Plot No. C-18;
On or towards the West by Plot No. C-20;
On or towards the South by 44' wide road; and
On or towards the North by Block 'D' of the Scheme.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 14th April 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/A.P. 219/76-77.—Whereas, I
G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income
Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Part of S. No. 41 being Plot No. C-18 situated at Village
Oshivara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Bombay on 30-8-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

32—76GI/76

- (1) Smt. Vinodini Vasantraai Sanghvi, 'Siddhi Priyag'
Navyug Society, Juhu Development Scheme, Vile
Parle (West), Bombay-400 056.
(Transferor)

- (2) M/s. Laiya Dyeing & Bleaching Works, a Partner-
ship firm, the partners of which are Shri Somnath
Dwarkadas Seth, (2) Kalicharan Dwarkadas Seth,
and (3) Smt. Lajyawati Dwarkadas Seth, all of 31,
Mogra, Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-
400 069.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring
1254.64 Sq. metres (equivalent to 1500 sq. yds.) or there-
abouts situate lying and being at Village Oshivara in Greater
Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District
of Bombay and forming part of Survey No. 41, being Plot
No. C-18 of the approved Lay Out and bounded as follows :—

On or towards the East by Block 'D' of the Scheme;
On or towards the West by Plot No. C-17;
On or towards the North by 44 ft. wide road; and
On or towards the South by 44 ft. wide road.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 14-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 14th April 1976

Ref. No. Actn. Range-IV/AP. 220/76-77.—Whereas, I
G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income
Tax, Acquisition Range-IV Bombay

being the competent authority under section 269B
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Part of S. No. 41, being Plot No. C-21 situated at Village
Oshivara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Bombay on 3-9-1975

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the 'said Act', in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Vinodini Vasantraai Sanghvi, 'Siddhi Priyag',
Navyug Society, Juhu Development Scheme, Vile
Parle (West), Bombay-400 056.

(Transferor)

(2) M/s. Lajya Dyeing & Bleaching Works, a Partner-
ship firm, the partners of which are Shri Somnath
Dwarkanadas Seth, (2) Kalicharan Dwarkadas Seth,
and (3) mt. Lajyavati Dwarkadas Seth, all of 31,
Mogra Nagardas Road Andheri (East), Bombay-
400 069.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring
1254.64 sq. metres (equivalent to 1500 sq. yds.) or there-
abouts situate lying and being at Village Oshivara, in the
Registration Sub-District of Bandra, District and City of
Bombay and forming part of Survey No. 41, being Plot No.
C-21 of the approved Lay Out and bounded as follows :—

On or towards the East by Plot Nos. C-22 and C-23,
On or towards the West by Plot No. C-20;
On or towards the North by 44 feet wide road;
On or towards the South by Block 'D' of the Scheme.

G. A. JAMES

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 14-4-1976,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vinodini Vasantraai Sanghvi, 'Siddhi Priyag', Navyug Society, Plot No. 1, Juhu Development Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,

5TH FLOOR, ROOM NO. 524.

NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 14th April 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP. 221/76-77.—Whereas, 1, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of S. No. 41, being Plot No. C-16, situated at Village Oshivara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to follow-ing persons namely:—

(2) M/s. Uniform Engineering Co., a Partnership firm, the partners of which are (1) Shri Jaswantlal Bulakhidas Shah (2) Shri Ashok Sakeral Shah and (3) Shri Kirit Sakeral Shah, carrying on business at 222, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-400 062.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1000 sq. yds. (equivalent to 836.1 sq. metres) or thereabouts situate lying and being at Village Oshivara, in the Registration Sub-District of Bandra, District and City of Bombay and forming part of S. No. 41, being Plot No. C-16 of the approved Lay Out and bounded as follows:—

On or towards the East by Plot No. C-16,
On or towards the West by 'D' Block of the Scheme,
On or towards the North by Plot No. C-17 and 44 ft. wide Road,
On or towards the South by 44 ft. wide Road.

G. A. JAMES

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 14-4-1976.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 6th April 1976

Ref. No. AR. III/820/Aug. 75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 35 (part) situated at Mouji Pahadi, Goregaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office on 13-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. D. Thakur,
197-Meghdoot, Turner Road, Bandra,
Bombay.
(Transferor)
- (2) Paras Goregaon (Co-op.) Housing Society Ltd.,
S. No. 35, S. V. Road, Goregaon (West),
Bombay-62.
(Transferee)
- (3) List of the Members of the Society.
1. Smt. Infrs Thomas Vaz. 2. Dr. R. V. Baliga.
3. Dr. V. V. Shenoy. 4. Shri S. B. Kuckian.
5. Smt. N. V. Bambardekar 6. Smt. L. R. Saliyam.
7. Shri S. V. Potnis. 8. Smt. N. K. Banc. 9. Shri S. J. Gupte. 10. Shri J. R. Joshi. 11. Shri P. G. Venkateshwaran Iyer. 12. Shri P. P. Bardeshkar.
13. Shri R. R. Gaonkar. 14. Shri N. K. Bhalerao.
15. Shri G. M. Mhadolkar. 16. Smt. Gladys Fernandes. 17. Smt. S. S. Bhogte. 18. Shri B. D. Thakur.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate at Mouje Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivali, Bombay Suburban District Registration District Bombay Suburban and Sub-Registration District Bandra, admeasuring 1299 sq. yds. equivalent to 1082.5 sq. mts. or thereabouts being part of survey No. 35 and Municipal Nos. and bounded as follows that is to say on or towards the East by the land of S. V. Padnekar and R. S. Dhabholkar and Ghodbunder Road on or towards the South and West by the lands of Maharashtra Housing Board, Unnath Nagar, and on or towards the North by the lands of Dighe Brothers and Gaothan lands.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 6-4-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BLDG.,

5TH FLOOR, R. NO. 504,

NETAJI SUBHASH MARG, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 6th April 1976

Ref. No. AR/III/819/Aug. 75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 & New Survey No. 172, Hissa No. 2 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office Bombay on 2-8-1975

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Omprakash Badlaram Varun, 2. Biharilal Mulchand Varun, 3. Sugnadevi w/o Ramprasad Chokhra, 4. Narbada w/o Ramnivas Maheshwari, 5. Prabhashanker Suganchand Saboo, 6. Suganchand Hiralal Saboo, 7. Ramchandra Hardev Gotharwal, partner C/o M/s. Alok Estates at 5, Manav Mandir Road, Bombay-6

(Transferor)

- (2) Nav Rajhans Co-operative Housing Society Ltd., 307, 'Nav-Rajhans', Rokadia Lane, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

(Transferee)

- (3) As per Annexure 'A' below :

ANNEXURE 'A'

List of Members of the Society

1. Smt. R. N. Dalvi.
2. Smt. K. S. Soni.
3. Shri K. G. Shah.
4. Shri H. M. Bharucha.
5. Shri N. B. Lahoti.
6. Shri G. V. Gokhale.
7. Smt. Uma Goel.
8. Shri Keshu Mistry.
9. Shri G. K. Patankar.
10. Shri S. V. Deshpande.
11. Shri G. M. Bhise.
12. Shri D. K. Suvarna.
13. Smt. K. J. Pandit.
14. Shri M. Raghavan.
15. Shri M. V. Pahuja.
16. Smt. K. J. Soni.
17. Shri M. M. Oza.
18. Shri P. D. Shah.
19. Shri J. K. Shah.
20. Shri A. H. Prabhu.
21. Smt. R. Dave.
22. Shri P. V. Pai.
23. Shri C. J. Mehra.
24. Shri L. M. Vyas.
25. Smt. P. K. Singh.
26. Shri R. J. Halhi Vaman.
27. Smt. S. D. Dhurandhar.
28. Smt. S. N. Desai.
29. Shri N. R. Parikh.
30. Shri J. P. Shah.
31. Shri M. M. Sheth.
32. Shri G. H. Shah.
33. Shri B. V. Shah.
34. Shri J. A. Piparia.
35. Shri M. R. Vasani.
36. Smt. P. M. Desai.
37. Shri S. S. Wangankar.
38. Shri L. N. Mistry.
39. Shri G. R. Agarwal.
40. Shri T. K. Shethi.
41. Shri B. S. Mali.
42. Smt. K. G. Gupta.
43. Shri D. V. Chandnani.
44. Smt. S. B. Dixit.
45. Shri Bhoormal Jagu.
46. Shri A. G. Ranadi.
47. Smt. S. S. Rao.
48. Shri W. S. Korgaonkar.
49. Shri A. K. Kodakia.
50. Shri H. S. Thakur.
51. Smt. K. A. Shah.

THE SCHEDULE

52. Smt. T. B. Jagir.
53. Smt. S. J. Chaturvedi.
54. Smt. H. C. Shah.
55. Shri R. R. Mehra.
56. Shri M. S. Duggal.
57. Shri B. S. Ramrabhyani.
58. Smt. K. R. Doshi.
59. Smt. C. N. Mehta.
60. Shri A. L. Chughshroff.
61. Shri D. M. Vashi.
62. Shri D. G. Desai.
63. Shri K. B. Karani.
64. Shri N. B. Karani.
65. Shri M. G. R. Nair.
66. Shri D. T. Patwardhan.
67. Shri S. V. Sapre.
68. Smt. V. G. Champaneri.
69. Shri G. B. Champaneri.
70. Smt. P. Malkal Singh.
71. Smt. M. V. Vyas.
72. Shri V. D. Ulturkar.
73. Shri S. V. Joshi.
74. Shri D. T. Kamdar.
75. Shri D. P. Kuki.
76. Shri N. M. Bhatt.
77. Shri B. M. Manck.
78. Shri M. R. Wadhwa.
79. Shri V. S. Shah.
80. Shri S. T. Garg.
81. Shri S. G. Gupta.
82. Shri K. K. Joshi.
83. Shri Y. S. Tillo.
84. Shri P. K. Shah.
85. Shri S. Gajendran.
86. Shri K. Velvanalhan.
87. Shri B. J. Bhandarkar.
88. Shri M. R. Thakkar.
89. Shri H. N. Dodre.
90. Shri A. M. Sheth.
91. Shri S. T. Rajan.

(Person in occupation of the property)

- (4) 1. Smt. Velbai Devshi.
2. Shri Devshi Narshi.
3. Smt. Velbai Velji &
4. Shri Velji Pragji.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 4390 square yards equivalent to 3679.61 square metres or thereabouts situate at Eksar, Mandapeshwar Road, Borivli in Greater Bombay, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban being the Sub-divided portion of a larger piece of land which larger piece of land is registered in the Books of the Collector of Land Revenue under original Survey No. 177, Plot No. 1 and present Survey No. 172, Hissa No. 2 with buildings and structures thereon assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes, Municipal Corporation of Greater Bombay under Ward No. R. 5217,4A) Street No. 328A.

R. G. NERURKAR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 6-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 3rd May 1976

Ref. No. TR-126/C-127/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Chandra Dutta Sarani Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Gopal Law, Commissioner of Partition
2. Sri Murari Chand Roy
3. Sri Ganesh Chandra Roy
4. Sri Shvam Chand Roy
5. Sri Sailendra Kumar Roy
6. Sri Bhwani Auddy
7. Sri Lalchand Roy
8. Sri Ful Chand Roy
9. Sri Fatick Chand Roy
10. Srimati Indira Roy
11. Srimati Manju Borai
12. Srimati Monika Dhar
13. Sri Banshi Chand Roy
14. Sri Gopal Chand Roy
15. Sri Govinda Chand Roy
16. Sm. Ira Mullick
17. Sm. Dhira Dutta
18. Sm. Dalim Roy
19. Sri Kashi Nath Roy
20. Sri Prayag Chand Roy
21. Sri Kartick Chand Roy
22. Sri Pashupati Roy
23. Sri Dwarika Nath Roy
24. Sm. Siddheswari Dassi
25. Sm. Sova Roy
26. Sri Birendra Kumar Roy
27. Sri Subrata Roy
28. Sri Kala Chand Roy
29. Sri Tara Chand Roy
30. Sri Ratan Chand Roy
31. Sri Nema Chand Roy
32. Sm. Satya Dassi
33. Sm. Jasoda Sil
34. Sri Sachindra Nath Roy
35. Sri Harendra Nath Roy
36. Sri Sushil Kumar Roy
37. Sm. Abhaya Roy
38. Sm. Chhabi Roy
39. Sri Bholanath Roy
40. Sri Gopal Chandra Roy
41. Sri Gobinda Chandra Roy
42. Sm. Probhabati Dassi
43. Sri Samarendra Nath Roy
44. Sri Amarendra Nath Roy
45. Sri Hirendra Nath Roy
46. Sri Govindra Chandra Roy
47. Sri Rabindra Nath Roy
48. Sri Arun Kumar Roy

49. Sri Tapan Kumar Roy
50. Sm. Tara Sundari Dassi
51. Sri Modhu Sudon Roy
52. Sri Dwijendra Nath Roy
53. Sri Birendra Kumar Roy
54. Sri Ramendra Nath Roy
55. Sm. Sm. Amal Latika Roy
56. Sri Murari Mohan Sein
57. Sri Dulal Chand Sein
58. Sri Rup Chand Mullick
59. Sri Lalchand Mullick.

(Transferor)

- (2) 1. Ramgopal Ganeriwala Private Ltd.
2. Sm. Lilawati Devi Ganeriwala.

(Transferee)

- (3) 1. Scott & Pickstock Ltd.
2. Sri Ananta Prasad Singh
3. Sri Manoj Kumar Mookherjee
4. Sri Indra Ch. Saraf
5. Continental Traders
6. Scroggle Brothers
7. H. D. Cartwright & Co.
8. A. N. Laha & ors.
9. L. Aurther Lyon & Co.
10. Union Metal Industries
11. S. Dutta
12. Rashiklal Tarachand
13. B. Prasad & Co.
14. Sri Malay Banerjee
15. Sri Jantri Singh
16. Inder Singh Bajwa
17. Sri Girdhari Lal Singhania.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one partly two and partly three storied brick built house together with land measuring 1 Bigha, 4 Cottahs, 14 Chittack and 44 sq. ft. more or less or premises No. 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, formerly Clive Ghat St, Cal.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-5-76,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass r/o C-14, Model Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirpa Ram s/o Shri Ishwar Dass r/o C-14, Model Town, Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq./II/1160/76-77.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 1/2 share of H-2/4 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Block H-2 Model Town, Delhi area measuring 249.31 sq. yds. being undivided 1/4th share in undivided 1/2 share of the plot. The total area of the plot is 1994.83 sq. yds. and bounded as under:—

East : Road.
North : Plot No. H-3/11.
West : Plot No. H-2/3.
South : Road.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 6-4-1976.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
NOVEMBER, 1976

New Delhi, the 22nd May 1976

No. F.8/2/76-El(B).—A combined competitive examination for admission to

- (i) Indian Military Academy for the 63rd Course commencing in July, 1977;
- (ii) Indian Navy as Special Entry Cadets to undergo training at Naval Academy, Cochin for the course commencing in July, 1977; and
- (iii) the Officers Training School, Madras for 26th Course commencing in October, 1977.

will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA AND TRIVANDRUM commencing on the 16th November, 1976 in accordance with Notification No. 3 dated 1st May, 1976 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India, dated 22nd May, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is given below:—

- (i) Indian Military Academy—88
- (ii) Naval Academy, Cochin—45
- (iii) Officers' Training School, Madras—150

The above numbers are liable to alteration

3. (i) A candidate for admission to Indian Military Academy and Indian Naval Academy must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd July, 1955 and not later than 1st July, 1958.

(ii) A candidate for admission to Officers Training School must be a male and must have been born not earlier than 2nd July, 1954 and not later than 1st July, 1958.

The above age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination, must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

- (i) Headquarters Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Harvana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area. Bombay, Tamilnadu, Mysore and Kerala Area, St. Thomas Mount, and 101 Comm. Z Area.

- (ii) Headquarters, Bombay Sub-Area; Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/Poona Sub-Area, Poona/Calcutta Sub-Area, Calcutta/Madhya Pradesh Sub-Area, Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Mysore Sub-Area, Bangalore/Madhya Pradesh Sub-Area, Bhopal/Jullundur-Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapore/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area, Madras/North Bengal Sub-Area, 21, 31, 41 and 51 Comm. Sub-Area C/o 99 APO and 61 Indep. Comm. Z. C/o 56 APO, Sub-Area, Allahabad.

- (iii) Station Headquarters—Bengdubi (WB) Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagar, Gauhati and Jaipur (Raj).

- (iv) All Recruiting Offices.

- (v) All National Cadet Corps Units.

- (vi) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.

- (vii) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.

- (viii) The Flag Officer Commanding, Southern Naval Area Cochin.

- (ix) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.

- (x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.

- (xi) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.

- (xii) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.

- (xiii) The Naval Officer-in-Charge, Goa.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, NOVEMBER, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, NOVEMBER, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 19th July, 1976 (2nd August, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th July, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence Authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid*.

7. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the courses covered by the scheme of the examination in accordance with the Ministry of Defence Notification No. 3 dated the 1st May, 1976. Once an application has been made no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be considered for more than one course he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the courses for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in the applications the course(s) for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making recommendations for admission to the courses.

8. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. If any candidate who took the combined Defence Services Examination held in April, 1976 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of admission to the respective courses. If he is recommended for admission to any of the courses on the results of the aforesaid examination his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I, provided the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 31st March, 1977.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and had migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India, on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 10 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para

4 of the Notice. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th July, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of application form) at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's office after the closing date, will not be considered.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

Note.—Naval Ratings (including boys and artificer apprentices) except Special Service Ratings having less than six months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Ratings having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their commanding officers.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (See Annexure I).

(ii) Attested/certified copy of certificate of Age.

(iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.

(iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribes where applicable (See para 5 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 5 and 6—

- (i) (a) **CROSSED** Indian Postal Orders, for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

- (b) **CROSSED** Bank draft for the prescribed fee.—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India, and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission, payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00 Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the account head “051. Public Service Commission—Examination Fees”. The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in the certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from the Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition, to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application, may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) **Certificate of Educational Qualification.**—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority i.e., (University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th June 1977 for admission to the Indian Military Academy and Naval Academy Courses and 15th September 1977 for admission to the Short Service Commission (Non-Technical) Course.

(iv) **Copies of Photograph.**—The candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal

against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the originals of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/towns* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of _____

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

State*/Union Territory.....

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE—The term 'ordinarily reside(s)', used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate, from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident.

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division, in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure 1 should produce, an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1.

12. *Communications regarding Application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change of Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 12 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

14. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6(SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination, should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible, take this into consideration before fixing the dates of interview.

